3 **बस्तर संभाग** नारायणपुर जिले में 19 से 26 अप्रैल तक लगेगा संपूर्ण...

6 **अभिमत** भारत-चीन गतिरोध जारी

10 **संस्कारधानी** 26 तक बढ़ेगा लॉकडाऊन, कुछ राहत मिलने की संभावना...

11 **छत्तीसगढ़** मार्निंग वॉक पर निकले लोगों को प्रभारियों ने कराई कसरत

रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, रविवार 18 अप्रैल 2021 पृष्ठ-12 वर्ष-05, अंक- 236 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

देश में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 2.34 लाख नये मामले

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का प्रकोप दिन प्रतिदिन काफी तेजी से बढ़ता ही जा रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में रिकॉर्ड 2.34 लाख नये मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 2,34,692 नये मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 45 लाख 26 हजार 609 हो गयी है। वहीं इस दौरान रिकॉर्ड 1,23,354 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक 1,26,71,220 मरीज कोरोना मुक्त भी हो चुके हैं। देश में कोरोना के सक्रिय मामले 16 लाख को पार कर 16,79,740 हो गये हैं। इसी अवधि में 1341 और मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,75,649 हो गयी है।

लालू को दुमका कोषागार से अवैध निकासी मामले में मिली जमानत

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने बहुचर्चित चारा घोटाला से संबंधित

दुमका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को जमानत दे दी। न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह की अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद यादव की हिरासत की अवधि को पर्याप्त मानते हुए उन्हें जमानत दे दी। इस मामले में जमानत मंजूर होने के बाद अब यादव की रिहाई का रास्ता साफ होता प्रतीत हो रहा है।

भोपाल में एक दिन में हुआ 81 शवों का अंतिम संस्कार

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोविड-19 के तेजी से बढ़ने से भोपाल के भदभदा विश्राम घाट के लॉकरों में 150 अस्थि कलशों का ढेर लग गया है। कई लोग अपने परिजनों का दाह संस्कार करने के बाद अस्थि कलश विश्राम घाट के लॉकरों में रख रहे हैं, ताकि बाद में उन्हें गंगा, यमुना या नर्मदा जैसी पवित्र नदियों में विसर्जित किया जा सके। यह जानकारी भदभदा विश्राम घाट के एक पदाधिकारी ने शनिवार को दी है। संक्रमण से मरने वालों का अंतिम संस्कार इस विश्राम घाट में किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में संक्रमित मरीजों के रिकवरी में आई तेजी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य में कोरोना संक्रमण की रोकथाम, संक्रमित मरीजों की पहचान और उपचार की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार जिलो को हर सम्भव मदद दी जा रही है। स्वास्थ्य सुविधा को कारगर बनाने के प्रयासों का ही यह परिणाम है कि कोरोना संक्रमितों की रफ्तार में धीरे -धीरे कमी और रिकवरी में तेजी आई है। 16 अप्रैल को राज्य में 14,912 पाजिटिव केस सामने आए, जबकि 15 अप्रैल को कोरोना से संक्रमित पाए गए लोगों की संख्या 15, 256 थी । राज्य में कोरोना पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए हर दिन लगभग 50 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं. 16 अप्रैल को 49 हजार 584 लोगों की जांच की गई थी, जबकि 15 अप्रैल को 53 हजार 454 लोगों की जांच की गई थी। राज्य में अब तक 05 लाख 16 हजार 412 पाजिटिव प्रकरण सामने आ चुके हैं, जिनमें से 03 लाख 86 हजार 529 लोग कोरोना-मुक्त हो चुके हैं। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों को घर पर ही उपचार तथा निगरानी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। 16 अप्रैल को 11 हजार 807 कोरोना मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। संक्रमितों की संख्या में कमी आने के साथ कोरोना मरीजों की रिकवरी में भी इजाफा हुआ है। बीते मार्च माह में टेस्टिंग की संख्या प्रतिदिन औसतन 30 हजार थी, जो अप्रैल माह में बढ़कर 50 हजार तक पहुच गई है। माह जनवरी 2021 में रोजाना औसत टेस्टिंग 22 हजार 761 थी, इस लिहाज से देखा जाए तो कोरोना टेस्टिंग की संख्या में लगभग 3 गुना से अधिक का इजाफा हुआ है। राज्य का प्रतिदिन टेस्ट 1620 (प्रति 10 लाख जनसंख्या के

मान से) है, जो देश के औसत 1018 से कहीं अधिक है। राज्य में 31 शासकीय तथा 5 निजी लैब्स में ट्रू- नाट जांच की सुविधा उपलब्ध है। राज्य के 7 शासकीय लैब एवं 5 निजी लैब में कोरोना की आरटीपीसीआर जांच की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। राज्य के ग्रामीण इलाकों के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी रेपिड एंटीजन टेस्ट किया जा रहा है ताकि कोरोना संक्रमितों की तेजी से पहचान कर इस महामारी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में हो रही कुल कोविड जांच में आरटीपीसीआर जांच के प्रतिशत अप्रैल माह में बढ़कर 40 हो गया है, जब कि अक्टूबर 2020 यह 26 प्रतिशत था। प्रत्येक जिले में अतिरिक्त मशीन प्रदाय कर ट्रू- नाट लैब की जांच क्षमता बढ़ाई जा रही है। राज्य में वर्तमान में कोरोना संक्रमण को देखते हुए 604 कंटेनमेंट जोन घोषित किए गए हैं, जहां घर-घर जाकर एक्टिव सर्विलेंस एवं टेस्टिंग की जा रही है।

राज्य में 6 मेडिकल कॉलेज और एम्स रायपुर सहित 36 डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल एवं 137 कोविड केयर सेंटर तैयार किए गए हैं। राज्य के प्रत्येक जिले में डेडिकेटेड कोविड अस्पताल स्थापित किया गया है। शासकीय डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल में 4686 बेड तथा कोविड केयर सेंटर में 14,608 बेड स्थापित किए गए हैं। शासकीय डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल में 510 आईसीयू, 504 एचडीयू एवं इसके अतिरिक्त 1915 ऑक्सीजन युक्त बिस्तर है। इसी तरह शासकीय कोविड सेंटर में 1787 ऑक्सीजन युक्त बिस्तर तैयार किए गए हैं। निजी कोविड अस्पतालों में कुल उपलब्ध 3,082 बेड, 832 आईसीयू, 381 एचडीयू के अलावा 1232 ऑक्सीजन बेड उपलब्ध है। राज्य में शासकीय अस्पतालों में 514 तथा निजी चिकित्सालयों में 301 इस प्रकार कुल 815 वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा जिलों में आईसीयू ऑक्सीजन युक्त बेड की संख्या बढ़ाने तथा कोरोना पीड़ितों के इलाज की बेहतर व्यवस्थाके लिए जिलों को लगातार वित्तीय सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री सहायता कोष से अभी हाल ही में 50 करोड़ रुपए जिलों को कोरोना मरीजों के इलाज एवं जरूरतमंदों की मदद की लिए मुहैया कराए गए थे। इससे पूर्व जिलों को कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए लगभग 192 करोड रुपए की आर्थिक मदद दी गई थी। वर्तमान में राज्य में प्रतिदिन औसतन 2.13 लाख लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा रहा है। राज्य में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं सहित 45 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों को मिलाकर कुल 46.44 लाख लोगों को कोरोना का प्रथम एवं द्वितीय डोज का टीका लगाया जा चुका है। 45 वर्ष से अधिक 36.47 लाख नागरिकों को प्रथम डोज तथा 1.11 लाख लोगों को द्वितीय डोज का टीकाकरण किया जा चुका है। जिलों में टीकाकरण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है ताकि कोरोना संक्रमण की रफ्तार को रोका जा सके।

राज्य को तीन सप्ताह में 90 हजार इंजेक्शन की आपूर्ति होगी

प्रदेश में रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। इसके लिए की गई निविदा सफल रही है और संबंधित कंपनी द्वारा अगले तीन सप्ताह के लिए प्रति सप्ताह 30 हजार इंजेक्शन के मान से कुल 90 हजार इंजेक्शन की आपूर्ति की जाएगी जो कल 18 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक श्री कार्तिकेय गोयल ने बताया कि कल से राज्य को हर सप्ताह 30 हजार यानी अगले तीन सप्ताह में 90 हजार रेमडेसिविर इंजेक्शन मिलेंगे। इसमें से अगले दो दिन में 3 हजार इंजेक्शन मिलेंगे, फिर शेष इंजेक्शन कंपनी द्वारा तय मात्रा और समय सीमा में दिए जाएंगे। ये इंजेक्शन प्रदेश के शासकीय मेडिकल कालेजों, जिला अस्पतालों एव शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में जहां कोविड मरीजों का इलाज हो रहा है। इसके अलावा दवाई कंपनियां, प्राइवेट अस्पतालों में इस इंजेक्शन की सीधे आपूर्ति कर रही हैं।

कोरोना पर मंथन करेंगे आलोक शुक्ला, मरीजों तथा डॉक्टरों से सुझाव साझा करने की अपील

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण पैर फेला रहा है। तमाम सावधानियां बरतने के बावजूद इस पर काबू पाना मुश्किल हो गया है। रिसर्च के बाद भी इस वायरस की सटीक वजह और इलाज नहीं मिला है। वहीं इसे फैलने से रोकने के लिए

केंद्र से लेकर सभी राज्य सरकारें अपने अपने स्तर पर प्रयास कर रही है तो कुछ नेता और आम जनता भी सरकारों को कोरोना को फैलने से न रोक पाने के लिए दोषी ठहरा रहे हैं, लेकिन इन सभी से उठकर छत्तीसगढ़ सरकार में शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव आईएएस आलोक शुक्ला ने कोरोना को कंट्रोल करने के लिए एक एनालिसिस शुरू किया है। इसके लिए उन्होंने अपने स्तर से रातों रात एक वेबसाइट तैयार की है। जिस पर वह कोरोना संक्रमण मामलों का डेटा एनालिसिस कर इसे कंट्रोल कराने का प्लान तैयार करेंगे। इसके लिए उन्होंने कोरोना संक्रमित मरीज, कोरोना से ठीक हुए लोग और उनका इलाज करने वाले डॉक्टरों से भी अपने अपने अनुभव साझा करने की अपील की है। आईएएस के साथ ही एमबीबीएस एमएस सर्जन भी है डॉक्टर आलोक शुक्ला पूर्व आईएएस और छत्तीसगढ़ सरकार में शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ आलोक शुक्ला एमबीबीएस एमएस सर्जन भी है। वह अपनी सर्विस के दौरान देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से बेहतरीन प्रशासनिक सेवा का अवॉर्ड भी पा चुके हैं। अब डॉ. आलोक शुक्ला ने कोरोना के प्रकोप को लेकर देश भर में मची उथपुथल को रोकने के लिए अपनी तरफ से एनालिसिस वर्क शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना को रोकने के लिए हमें एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराने की जगह सभी को इसे खत्म करने का प्रयास करना चाहिए। इसी कड़ी में डॉक्टर शुक्ला ने एक प्लान तैयार किया है। जिसके तहत उन्होंने शुक्रवार रात यानि 16 अप्रैल को अपनी एक वेबसाइट तैयार की है। इस पर उन्होंने कोरोना से पीड़ित, कोरोना का इलाज कर रहे डॉक्टर, कोरोना संक्रमण से ठीक हुए लोगों से अपने अपने सुझाव साझा करने की अपील की है। पूर्व आईएएस आलोक शुक्ला ने एक वेबसाइट तैयार की है।

ममता को 2 मई को पूर्व मुख्यमंत्री का प्रमाणपत्र मिलेगा : मोदी

वार्ता ◄ आसनसोल
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को आगामी दो मई को 'पूर्व मुख्यमंत्री' को प्रमाण पत्र मिलेगा। मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया गया कि बनर्जी बंगाल के विकास के खिलाफ हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बनर्जी पश्चिम बंगाल के लोगों और केंद्रीय कल्याण

योजनाओं के बीच एक दीवार की तरह खड़ी हैं, जो उन्हें लाभ से वंचित करती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में दीदी (बनर्जी) ने जनता को विकास के नाम पर धोखा दिया है। वह विकास के सामने एक दीवार की तरह खड़ी रही हैं। मोदी ने कहा, 'केन्द्र ने पांच लाख रुपये तक के मुफ्त हेल्थकेयर की सुविधा प्रदान की थी। केन्द्र ने शरणार्थियों की मदद के लिए कानून बनाया था जिसका बनर्जी ने विरोध किया।' उन्होंने कहा कि केन्द्र ने मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक पर कानून बनाया तो भी बनर्जी नाराज हो गयीं। केंद्र ने किसानों को बिचौलियों से मुक्त करने के लिए कानून बनाया, मुख्यमंत्री ने इसका भी विरोध किया। मोदी ने कहा कि बंगाल राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाना चाहता है और राज्य के विकास को कोई भी नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि आपका वोट राज्य से न केवल तृणमूल को हटाएगा बल्कि बंगाल को माफिया राज से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह सब मतदाताओं के वोट की ताकत से मुमकिन है। उन्होंने कहा, 'बांग्ला नववर्ष के बाद से यह मेरी पहली रैली है। चार चरण के मतदान के बाद तृणमूल कांग्रेस घबरा गई है। दीदी शवों पर राजनीति कर रही है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग रोजगार के लिए यहां आते थे लेकिन आज यहां के लोग पलायन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि माटी-मानुष की बात करने वाली दीदी ने यहां 'माफिया राज फैलाया' है।

पश्चिम बंगाल में हिंसा के बीच शाम तक 79 प्रतिशत से अधिक मतदान

वार्ता ◄ कोलकाता
www.dailypioneer.com

पश्चिम बंगाल विधानसभा के पांचवें चरण के चुनाव में छिटपुट हिंसा के बीच शनिवार शाम 1745 बजे तक 79 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। चुनाव अधिकारियों के अनुसार मतदान शुरू होने के एक घंटे के भीतर उत्तर 24 परगना जिले के कमारहाटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक बूथ पर भारतीय जनता पार्टी के पोलिंग एजेंट को दिल का दौरा पड़ने की घटना सामने आयी हैं। चुनाव आयोग ने भाजपा पोलिंग एजेंट के मौत की रिपोर्ट मांगी है। भाजपा पोलिंग एजेंट की पहचान अभिजीत भट्टाचार्य के रूप में हुई है। वह उत्तर 24 परगाना जिले के कमारहाटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बूथ संख्या 107 पर तैनात था। इसके अलावा साल्ट लेक के विधाननगर के तहत आने वाले शांतिनगर में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के कार्यकताओं ने एक-दूसरे पर पथराव किया और ईंटें फेंकी, जहाँ प्रतिद्वंदी पार्टियों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाया कि मतदाताओं को मतदान केन्द्र में जाने से रोका जा रहा था। नादिया के शांतिपुर में भी कुछ अप्रिय स्थिति बन गयी थी जहां केन्द्रीय बलों ने स्थिति पर काबू पा लिया है। तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार एवं राज्य के मंत्री सुजित बोस ने आरोप लगाया कि उन्हें कालिंदी में बूथ के अंदर जाने से रोका गया। बोस ने कहा, भाजपा समर्थकों द्वारा बूथ संख्या 265 और 272 में पथराव की घटना में हमारे दो कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। हमने चुनाव पर्यवेक्षक और पुलिस को इसके बारे में सूचित कर दिया है। उन्होंने कहा अभी स्थिति सामान्य है।

कोरोना टीकाकरण की उम्र 25 साल करे सरकार : सोनिया गांधी

एजेंसी ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि कोरोना महामारी तेजी से फैल रही है और सभी आयु वर्ग के लोग इसकी चपेट में आ रहे है, इसलिए सरकार को टीकाकरण की उम्र घटाकर 25 वर्ष करनी चाहिए। गांधी ने शनिवार को यहां पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को कोरोना के फैलाव को देखते हुए टीकाकरण की उम्र पर फिर से विचार करना चाहिए और स्वास रोग, मधुमेह तथा किडनी रोग जैसी घातक बीमारियों से पीड़ित 25 साल से ज्यादा उम्र के युवकों को भी यह टीका लगाया जाना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा देश में कई जगह से टीका की कमी की खबरें आ रही है लेकिन सरकार साढ़े छह करोड़ से ज्यादा टीकों का निर्यात कर चुकी है। उनका कहना था कि भारत में कोरोना के सबसे ज्यादा रोगी है और उनकी संख्या को देखते हुए सरकार को इसका इस्तेमाल पहले अपने लोगों को सुरक्षा देने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कोरोना की स्थिति को लेकर उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की थी और वहां की समस्या को प्रधानमंत्री के समक्ष उठाया लेकिन सरकार की तरफ से इस बारे में जवाब नहीं दिया गया।

कुछ सशर्त रियायतों के साथ जनता को मिली छूट, किसान, उत्पादक फल सब्जी विक्रेता कर सकेगे सप्लाई

राजधानी रायपुर में 26 अप्रैल तक बढ़ा लॉकडाउन

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राजधानी में बढ़ते कोरोना संक्रमण की वजह से लॉकडाउन को आगे बढ़ाया गया है। रायपुर में लॉकडाउन एक सप्ताह बढ़ गया है। 26 अप्रैल तक राजधानी फिर लॉक हो गया है। रायपुर में व्यवसायिक गतिविधियों पर अधिरोपित प्रतिबंधों और सम्पूर्ण जिले को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। कोविड-19 पॉजिटिव प्रकरणों की संख्या और इस महामारी से होने वाली मौतों की संख्या चिंता का विषय है, जिससे सम्पूर्ण रायपुर जिले में कंटेनमेंट जोन की अवधि बढ़ाया जाना आवश्यक हो गया है। रायपुर जिले की सभी सीमाएं पूर्णतः सील रहेंगी। सभी अस्पताल, मेडिकल दुकानें, क्लिनिक और पशु-चिकित्सालय को उनके निर्धारित समय में खुलने की अनुमति

होगी. मेडिकल दुकान संचालक मरीजों के लिए दवाओं की होम डिलीवरी को प्राथमिकता देगें. शासकीय उचित मूल्य दुकानों को खाद्य नियंत्रक रायपुर द्वारा निर्धारित समयावधि में खुलने की अनुमति होगी। रायपुर में लॉकडाउन के दौरान मास्क, फिजिकल डिस्टेंसिग, नियमित सैनिटाइजेशन और भीड़ भाड़ नही होने देने की शर्त का कड़ाई से पालन कराने के अधीन, टोकन व्यवस्था के साथ अलग-अलग निर्धारित तिथियों में उचित मूल्य दुकानो को खोलने हेतु खाद्य नियंत्रक द्वारा पृथक से आदेश प्रसारित किए जाएंगे। सभी प्रकार की मंडियां, थोक/फुटकर और ग्रॉसरी दुकानें बंद रहेंगी। किसानों/उत्पादकों से सप्लाई की शर्त के साथ फल, सब्जी, अंडा और ग्रॉसरी (चावल, दाल, आटा, खाद्य तेल एवं नमक) को गली-मुहल्लों और कॉलोनियों में विक्रय की अनुमति केवल स्ट्रीट वेंडर्स ठेले में करेंगे. मास्क और फिजिकल डिस्टेंसिग का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा. संबंधित क्षेत्र के सक्षम प्राधिकारी इसकी निगरानी करेंगे। निर्देशों के उल्लंघन की दशा में ठेले को जब्त करने/अर्थदंड और चालान की कार्रवाई की जाएगी। पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा केवल शासकीय वाहन/शासकीय कार्य में प्रयुक्त वाहन, ए.टी.एम. कैश वैन, अस्पताल/मेडिकल इमरजेंसी से संबंधित निजी वाहन/एम्बुलेंस, ग्रॉसरी होम डिलीवरी/एल. पी.जी. परिवहन कार्य में प्रयुक्त वाहन, एयरपोर्ट/रेलवे स्टेशन/अन्तर्राज्यीय बस स्टैंड से संचालित ऑटो/टैक्सी, विधिमान्य ई-पास धारित करने वाले वाहन, एडमिट कार्ड/कॉल लेटर दिखाने पर परीक्षार्थी/उनके अभिभावक, परिचय पत्र दिखाने पर मीडियाकर्मी /प्रेस वाहन/न्यूज पेपर हॉकर, दुग्ध-वाहन और छत्तीसगढ़ में नहीं रुकते हुए एक राज्य से सीधे अन्य राज्य जाने वाले वाहनों को पी.ओ.एल. प्रदान किया जाएगा।

निजी अस्पताल में लगी आग : 4 लोगों की मृत होने की सूचना : मुख्यमंत्री ने शोकसंतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की

राजधानी रायपुर के टिकरापारा स्थित एक निजी अस्पताल में लगी आग से 4 लोगों की मृत होने की सूचना मिली है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यजनक बताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में मृत सभी 4 लोगों के परिजनों को 4- 4 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा भी की है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर डॉ. एस भारतीदासन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय यादव घटनास्थल पर पहुंच गए हैं, वे यहां सहायता और मदद की कार्यों का व्यक्तिगत रूप से अवलोकन कर रहे हैं। इस दुर्घटना में एक मरीज की मृत्यु आग से जलने से हुई है तथा 3 की मृत्यु दम घुटने से हुई है।

ऑक्सीजन के नाम पर 'ड्रामा' कर रहे हैं उद्धव ठाकरे : पीयूष

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर शुक्रवार को ऑक्सीजन के नाम पर 'ड्रामा' करने का आरोप लगाया और कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र 110 प्रतिशत की क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। गोयल

ने शनिवार को एक ट्वीट श्रृंखला में कहा कि महाराष्ट्र में अक्षम और भ्रष्ट सरकार है और केंद्र सरकार लोगों को संकट के समय में मदद उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र के लोग 'माझा कुटुंब माझा जवाबदेही' का पूरी तरह से पालन रहे हैं। अब समय आ गया है कि मुख्यमंत्री भी 'माझा राज्य माझा जवाबदेही' से अपने कर्तव्य का पालन करें।' गोयल ने कहा कि देश में ऑक्सीजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार सभी संबद्ध पक्षों के साथ पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। औद्योगिक रूप से काम में आने वाली ऑक्सीजन चिकित्सा के लिए उपलब्ध कराई गई है। पूरे देश में ऑक्सीजन संयंत्र से 110 प्रतिशत की क्षमता के साथ उत्पादन कर रहे हैं।

जैन धर्म का जियो और जीने दो का संदेश पूरे विश्व को राह दिखाने वाला : उइके

राज्यपाल अष्ट दिवसीय समारोह तथा आचार्य लोकेश मुनी के षष्ठिपूर्ति समारोह पर वर्चुवल रूप से शामिल हुई

- राज्यपाल ने आचार्य लोकेश मुनि को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्यपाल अनुसुईया उइके महावीर जयंती के अवसर पर 17 से 25 अप्रैल तक आयोजित अष्ट दिवसीय समारोह तथा जैन मुनि आचार्य डॉ.लोकेशजी के जन्मदिवस पर आयोजित समारोह में वर्चुवल रूप से शामिल हुई। उन्होंने इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी का नमन किया और जैन मुनि आचार्य लोकेश को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर के दर्शन और उपदेश का सार्वभौमिक और प्रासांगिक है। जैन धर्म का जियो और जीने दो का संदेश आज भी पूरे विश्व को राह दिखाने वाला है। जैन धर्म में पांच महाव्रत है। इन व्रतों का पालन कर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है। कोरोना संक्रमण के भयावह संकट से गुजर रहे हैं। भगवान महावीर स्वामी तप एवं अनुशासन और संयम पर बल देते थे। जैन मुनियों तथा समस्त संतों के जीवन आदर्शों का पालन करें तो प्रकृति के अनुकुल रहेंगे और सदैव निरोगी रहेंगे और संक्रामक बीमारियों से भी रक्षा होगी। राज्यपाल ने कहा कि आचार्य लोकेश जी की धर्म को समाज सेवा से जोड़ा, उसे सामाजिक बुराइयों को मिटाने का माध्यम बनाया। उनके नेतृत्व में अहिंसा विश्व भारती संस्था द्वारा कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ, नशें के खिलाफ जो अभियान चला रही है उसकी जितनी सराहना की जाए वो कम है।

उइके ने कहा कि सेवा सद्भावना का शुभारंभ ऐसे समय में हो रहा है जब विश्व में चारों ओर अशांति का वातावरण है। मेरा मानना है कि अशांत विश्व को अगर कोई शांति का सन्देश दे सकता है, इस दुनिया को हिंसा व आतंकवाद से निजात दिला सकता है, तो वह भगवान महावीर का अहिंसा व अनेकांत का दर्शन है और आचार्य डॉ लोकेश जी उस दर्शन को लेकर पिछले 38 वर्षो से विश्व भर में निरंतर प्रयासरत है। उल्लेखनीय है कि अहिंसा विश्व भारती संस्था द्वारा उनके साठवें जन्मदिवस को सेवा सद्भावना वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि मुझे विश्वास है अहिंसा विश्व भारती संस्था द्वारा सेवा सद्भावना वर्ष के अंतर्गत देश के कोने-कोने में साल भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से समाज के जरूरतमन्द वर्ग को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। ऐसे कार्यक्रमों की जितनी सराहना की जाए वो कम है। उन्होने कहा कि आज हम यह देखते हैं कि जैन मुनि-संत अहिंसा पर बल देते हुए हमेशा अपने मुख को ढंके हुए रहते हैं। इससे अहिंसा का पालन तो होता ही है साथ में शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले रोगाणु-विषाणु से रक्षा होती है। आज ऐसी परिस्थितियां आई है कि आज सभी को मास्क पहनने का आग्रह कर रहे हैं और मास्क पहनना पड़ रहा है। इससे यह प्रतीत होता है कि यदि जैन-मुनियों के जीवन दर्शन का पालन करते रहे तो ऐसे संकट का सामना नहीं करना पड़ता। भगवान महावीर ने अपने संदेश में कहा था कि कोई भी जन्म से निर्धन नहीं अथवा धनी नहीं होता। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कार्यो द्वारा जानना चाहिए। ऐसे सिद्धांत पर अमल करने से आधुनिक समाज के निर्माताओं द्वारा संकल्पित न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था के आदर्श को बढ़ावा मिलेगा।

बदल रहा मौसम का मिजाज, राजधानी सहित कई इलाकों में कहीं बारिश तो कहीं तेज हवाएं

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में मौसम एक बार फिर करवट ले ली है, छत्तीसगढ़ मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश होगी। आने वाले अगले 48 घंटो में बारिश और गरज के साथ कई जिलों में बारिश हो सकती है। बता दें कि एक तरफ जहां कुछ इलाकों में बारिश की चेतावनी दी गई है तो दूसरी तरफ राजधानी रायपुर में दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो रही है। 17, 18 और 19 अप्रैल को इसी तरह से कुछ इलाकों में बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।बता दें केंद्रीय मौसम विभाग ने पहले ही आशंका जताते हुए अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा समेत कई राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।इस दौरान हवाओं की रफ्तार 30 से 40 किमी प्रति घंटा रहेगी। आईएमडी के मुताबिक, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ उत्पन्न हो रहा है। यह पश्चिमी विक्षोभ 14 से 18 अप्रैल के बीच रहेगा। राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के मुताबिक, दक्षिण प्रायद्वीप में चक्रवाती परिसंचरण के चलते भारत के दक्षिण-पश्चिमी प्रायद्वीप क्षेत्र में अगले पांच दिनों के दौरान आंधी और बिजली चमकने के साथ ही बूंदाबांदी जारी रहने से लेकर तेज बारिश तक हो सकती है। इस दौरान, 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।वहीं तमिलनाडु के दक्षिणी हिस्से एवं तटीय इलाकों, केरल, माहे और कर्नाटक के तटीय एवं दक्षिणी सुदूर इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और इसके आसपास के क्षेत्रों में भी चक्रवाती परिसंचरण की संभावना है। इसके चलते मध्य प्रदेश, विदर्भ, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा क्षेत्रों और ओडिशा में अगले चार-पांच दिनों के दौरान जबकि झारखंड में अगले 24 घंटे के भीतर आंधी और बिजली चमकने के साथ ही छिटपुट बारिश का अनुमान है।

स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव की चेतावनी

रेमडिसीवियर की कालाबाज़ारी किसी सूरत स्वीकार्य नहीं

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

रैमडिसीवियर इंजेक्शन की कालाबाज़ारी की खबरों के बीच स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव का तल्ख बयान सामने आया है। स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने रेमिडिसवीयर की कालाबाज़ारी करने वालों को चेताते हुए कहा ये नैतिक पतन का शर्मनाक उदाहरण है। जहां जहां से शिकायतें आ रही हैं। वहाँ सखूत कार्यवाही की जाएगी।

प्रदेश में रेमिडिसवीयर की सप्लाई का ठेका हासिल करने वाली कंपनी के सप्लाई से मुकर जाने की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने बताया- जिस कंपनी को यह टेंडर मिला था। वह कंपनी सप्लाई करने से पीछे हट गई है। हमारे कई प्रयासों के बावजूद वे सप्लाई नहीं कर रहे हैं।उस कंपनी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दे दिए गए हैं।स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने यह जानकारी भी दी नए टेंडर हो चुके हैं और अब सूबे को 2000 रेमिडिसवीयर इंजेक्शन दो दिनों के भीतर, जबकि 28 हजार एक हफ़्ते के भीतर मिलेगा। इसके साथ ही उसके अगले हफ़्ते तीस हजार इंजेक्शन हमें मिल सकेंगे।

मुख्यमंत्री सहायता कोष की राशि का कलेक्टर स्वविवेक से कर सकते हैं उपयोग

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिशानिर्देश पर मुख्यमंत्री सहायता कोष से कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु दी जाने वाली राशि का स्वविवेक से उपयोग करने की सभी जिला कलेक्टरों को अनुमति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री सचिवालय से सभी कलेक्टरों को इस संबंध में पत्र प्रेषित कर दिशानिर्देश दिए गए हैं। पत्र में उल्लेखित है कि नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की शासकीय अधोसंरचना को विकसित करने हेतु जीवनदीप समितियों के माध्यम से मुख्यमंत्री सहायता कोष से आबंटित राशि के उपयोग की अनुमति दी गई है। प्रदेश में वर्तमान में नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जीवनदीप समितियों के माध्यम से आबंटित राशि के उपयोग की दी गई अनुमति में शिथिलता प्रदान करते हुए कोरोना महामारी की रोकथाम हेतु जिला कलेक्टर्स को उनके द्वारा अपने स्वविवेक से मुख्यमंत्री सहायता कोष द्वारा आबंटित राशि के उपयोग की अनुमति दी जाती है।

अनावश्यक भीड़ न करते हुए उचित मूल्य दुकानों को सतत रूप से संचालित करने के निर्देश

- सामाजिक दूरी का पालन करते हुए राशन सामग्री का वितरण करें सुनिश्चित
- खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्त ा संरक्षण विभाग द्वारा आदेश जारी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिशानिर्देश पर खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा उचित मूल्य दुकानों में अनावश्यक भीड़भाड़ की स्थिति निर्मित न करते हुए सतत राशन सामग्री का वितरण सुनिश्चित करने के दिशानिर्देश दिए गए हैं।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश में उल्लेखित है कि कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु विभिन्न जिलों में लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान राशन सामग्री वितरण हेतु कलेक्टर द्वारा निर्धारित कार्य दिवसों एवं समयावधि के दौरान उचित मूल्य दुकानें सतत रूप से संचालित की जावे। प्रत्येक उचित मूल्य दुकान से संलग्न वार्ड, मोहल्ला, गांव के प्रतिदिन 50 से लेकर अधिकतम 80 हितग्राहियों को टोकन जारी कर राशन सामग्री का वितरण किया जावे ताकि उचित मूल्य दुकान स्तर पर अनावश्यक भीड़-भाड़ जैसी स्थिति निर्मित ना हो एवं सामाजिक दूरी का पालन करते हुए राशन सामग्री का वितरण सुनिश्चित हो सके।

उक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश सभी खाद्य नियंत्रकों एवं खाद्य अधिकारियों को दिए गए हैं।

कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा स्थगित होने संबंधी वाइरल आदेश फेक एवं गलत

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के सचिव प्रोफेसर व्ही.के.गोयल ने स्पष्ट किया है कि 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित करने के संबंध में कोई भी आदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी नही किया गया है। उन्होंने कहा है कि 12वी की बोर्ड परीक्षा स्थगित करने संबंधी वायरल आदेश फेक और गलत है। इस फेक आदेश से कोई भ्रमित न हो। 12वीं की बोर्ड परीक्षा स्थगित करने का कोई निर्णय अभी नहीं लिया गया है । छत्तीसगढ़ राज्य फेंक न्यूज कंट्रोल तथा स्पेशल मानीटरिंग सेल ने इस संबंध में वायरल ख़बरों को फेक घोषित किया है।

रेलवे स्टेशन के बाद अब बार्डर पर सख्ती, कोरोना जांच के साथ निगरानी भी बढ़ेगी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की जांच के बाद अब पड़ोसी राज्यों से छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश करना आसान नहीं होगा। बार्डर पर कोरोना की जांच की जाएगी। रिपोर्ट निगेटिव मिलने के बाद ही मुसाफिरों को छग की सीमा प्रवेश दिया जाएगा। पॉजिटिव आने पर उन्हें कोविड सेंटर में रखकर इलाज किया जाएगा। सभी बार्डर पर जांच कैंप बनाने की कवायद शुरू हो गई है। दरअसल छत्तीसगढ़ में कोरोना खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। रोज हजारों पॉजिटिव मरीज मिल रहे हैं और मरने वालों की संख्या भी रोज 50 तक पहुंच रही है। इसे देखते हुए बार्डर पर चौकसी के साथ ही जांच करने का सिस्टम बनाया गया है। डॉक्टर्स और पुलिस टीम रहेगी तैनात जानकारी के मुताबिक उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्रप्रदेश और ओडिशा राज्य से छग में प्रवेश करने वाले बार्डर पर कोरोना जांच कैंप बनाया जाएगा। यहां प्रत्येक कैंप में डॉक्टरों और नर्सों की टीम रहेगी। कैंप के पास ही पुलिस चेकपोस्ट होगी। पड़ोसी राज्यों से आने वालों की तत्काल कोरोना जांच की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर उनके प्रवेश पर फैसला होगा। पूर्व आईएएस ने रातों रात तैयार की वेबसाइट, कोरोना कंट्रोल करने के लिए खुद करेंगे डेटा एनालिसिस जिले के कोविड सेंटर में रखेंगे जानकारी के मुताबिक पड़ोसी राज्यों से आने वाले लोगों की बार्डर पर एंटीजन से कोरोना जांच की जाएगी। अगर रिपोर्ट पॉजिटिव मिलती है तो जिले के कोविड सेंटर में मरीज को रखा जाएगा। 14 दिन तक उनका इलाज किया जाएगा। इसके बाद उसकी टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आती है तब उन्हें जाने दिया जाएगा। महाराष्ट्र और ओडिशा पर फोकस जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र और ओडिशा में वर्तमान में कोरोना संक्रमण बेतहाशा फैल रहा है। इन राज्यों से छग आने वाले लोगों पर विशेष नजर रखी जाएगी।

रिटायर्ड डॉक्टरों और नर्सों की सेवाएं संविदा पर लेने भी कहा

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में कोरोना सं मण की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिलों में स्थापित डेडिकेटेड हॉस्पिटल, कोविड केयर सेंटर में मानव संसाधन की आपूर्ति के लिए सेवानिवृत्त चिकित्सकों सहित प्राईवेट चिकित्सकों, नर्स तथा पैरामेडिकल स्टाफ की आवश्यकता संविदा भर्ती के निर्देश दिए हैं। यह संविदा भर्ती तीन माह अथवा अधिकतम कोविड संक्रमण अवधि तक के लिए होगी। नियुक्त चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ को संविदा दर के अनुसार मानदेय का भुगतान डीएमएफ फंड से किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति को देखते हुए कई जिलों में जारी लॉकडाउन की अवधि में जन सुविधा के मद्देनजर कलेक्टरों को अत्यावश्यक सेवाओं सहित फल, सब्जी, दूध, रसोई गैस की डोर-टू-डोर डिलिवरी की अनुमति एवं इसके लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन अवधि में पेट्रोल पम्प, दवाई दुकान, रसोई गैस एजेंसी, हॉस्पिटल एवं पशुओं के आहार से संबंधित दुकानों को खोलने की अनुमति देने को कहा है। उन्होंने गांवों में सब्जी एवं फल की खेती करने वाले किसानों को यदि वह शहर आकर कालोनियों एवं मोहल्लों में डोर-टू-डोर सब्जी-फल बेचना चाहते हैं तो उन्हें भी इसकी अनुमति दिए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राज्य के राशन दुकानों को खोलने तथा उपभोक्त ाओं को टोकन आधार पर खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करने को कहा है। राशन दुकान संचालकों द्वारा उपभोक्त ाओं को इसके लिए पूर्व में टोकन दिया जाना होगा।

कांग्रेस ने भाजपा को दिया करारा जवाब, असम से सत्ता जा रही है तो तकलीफ क्यों?

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

असम के बोडो पीपुल्स फंट के उम्मीदवारों को छत्तीसगढ़ में रखे जाने पर भाजपा ने सवाल उठाया था, अब इस पर कांग्रेस ने करारा जवाब दिया है। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेष नितिन ने कहा कि भ्रष्टाचार के पैसे से खरीद-फरोख्त करने वाली भाजपा को तकलीफ क्यों हो रही है। भाजपा ने कर्नाटक, मध्यप्रदेश में जो किया था वो क्या था। भाजपा डरी हुई है, क्योंकि असम से सत्ता जा रही है। त्रिवेदी ने कहा कि असम चुनाव के ठीक पहले भाजपा के अनेक सहयोगियों ने उनका साथ छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया। इसका प्रमुख कारण पांच के साल शासनकाल में भाजपा की जन विरोधी नीतियां रही है। नीतियों से नाराज सारे राजनीतिक दल कांग्रेस के साथ आ गए। अब इन्हें बीजेपी से बचाने यहां सुरक्षित रखा जा रहा है। राजनीति में जिस प्रकार से इन्होंने खरीद फरोख्त की है। वो किसी से छिपा नहीं है। भाजपा अब इसमें आपत्ति जता रही है। उन्हें भ्रष्टाचार के पैसे से जनप्रतिनिधियों को खरीदने का मौका नहीं मिल रहा है। इसलिए उन्हें तकलीफ हो रही है। भाजपा ये बताए कि कोरोना के ठीक पहले मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायकों को बेगलूरू में रखा था या नहीं रखा था। असम के विधानसभा उम्मीदवार छत्तीसगढ़ आए तो पेट में क्यों दर्द हो रहा है। असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सहयोगी पार्टी बोडो पीपुल्स के उम्मीदवार छत्तीसगढ़ के बस्तर लाए गए हैं। इस पर बीजेपी नेता एवं पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने सोशल मीडिया में वीडियो जारी कर सवाल उठाया था। कहा था कि कोरोना काल में मंत्री, सांसद, विधायक सेवा में लगे हुए हैं, जबकि पूरे बस्तर में धारा 144 लगी हुई है। लॉकडाऊन लग रहा है, फिर दूसरे प्रदेश के लोग बस्तर में ओ भी रेस्ट हाउस में किसके निर्देश पर रुके हुए हैं? मेरा सरकार से आग्रह है जल्द उन्हें निकाल बाहर करें एवं बस्तर की चरमराती चिकित्सा व्यवस्था को सुदढ़ करे।

लॉकडाउन बढ़ा तो दिवाला निकल जाएगा, एसी, फ्रिज, कूलर कारोबारियों का

कारोबार का पीक सीजन प्रारंभ शुरू होते ही लगा कोराना का लॉकडाउन ग्रहण

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य की राजधानी रायपुर के साथ प्रदेश के 20 जिलों में लगे लॉकडाउन ने ऐन गर्मी के सीजन में एसी, फ्रिज और कूलर कारोबारियों की जान निकाल दी है। रोज का कारोबारियों को दस करोड़ का फटका लग रहा है। सात दिनों में 70 करोड़ का कारोबार तो प्रभावित हो चुका है। अभी लॉकडाउन के जहां एक दिन बचे हैं वहीं इसके बढ़ने संभावना भी जताई जा रहा है। कारोबारियों का कहना है कि लॉकडाउन बढ़ा तो कई कारोबरियों का दिवाला निकल जाएगा। सीजन के लिए कारोबारी ऋण लेकर लाखों का माल मंगाते हैं। माल के बिकने पर ब्रेक लग गया है। आने वाले समय में पूरे माल के बिकने की भी गारंटी नहीं है। ऐसे में कारोबारी परेशान हो गए हैं। सीजन में छह सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार हो जाता है। प्रदेश में एसी, फ्रिज और कूलर का बड़ा कारोबार होता है। गर्मी के सीजन के साथ इसी समय शादियों का सीजन भी रहता है। ऐसे में यहां पर इस सीजन में जमकर खरीदारी होती है। पिछले साल तो कोरोना के कारण एक पैसे का कारोबार नहीं हो सका था। जिन कारोबारियों ने पहले से स्टॉक करके रखा था उनका पूरा पैसा ही जाम हो गया था। यह जाम स्टॉक पिछले साल जाकर नवरात्रि और दीपावली के समय बिक पाया था लेकिन इसमें एक बड़ी परेशानी यह रही कि थोक कारोबारियों का जो माल चिल्हर कारोबारियों ने खरीदा उनका पूरा पैसा अब तक नहीं मिल पाया है। करोडों का स्टॉक कारोबारियों ने जब देखा कि पिछले साल दिसंबर से ही कोरोना का कहर कम हो गया है तो उन्होंने इस बार गर्मी के लिए भारी स्टॉक मंगा लिया। बड़े कारोबारियों ने पांच से दस करोड़ तक का स्टॉक मंगा लिया है। वैसे भी कारोबारी गर्मी के लिए मॉल का आर्डर दिसंबर और जनवरी में देकर माल मंगा लगा लेते हैं क्योंकि इस समय कई बड़ी कंपनियां स्कीम चलाती हैं लेकिन इसी के साथ यह भी रहता है कि कंपनी माल का पूरा पैसा एडवांस में लेती है। इसके लिए

व्यापारी बैंकों की सीसी लिमिट का लाभ उठाकर माल ले लेते हैं। जब माल बिक जाता है तो बैंकों का पैसा ब्याज के साथ वापस कर देते हैं।

आमतौर पर एसी, फ्रिज और कूलर की ज्यादा बिक्री अप्रैल और मई में होती है। इस बार मार्च से गर्मी पड़ने के कारण मार्च के दूसरे सप्ताह से बाजार में बिक्री की गर्मी आने लगी लेकिन अचानक मार्च के तीसरे सप्ताह से कोरोना का कहर बढ़ना प्रारंभ हो गया। कारोबारियों का कहना है कि अब तक मुश्किल से 25 फीसदी कारोबार हो सका है। कारोबार का पीक सीजन प्रारंभ ही होना वाला था कि लॉकडाउन लग गया। इस लॉकडाउन के दौरान जो कारोबार होता, उसकी आगे भरपाई की संभावना भी नहीं है। रोज बिकते हैं सात हजार कूलर प्रदेश में गर्मी के सीजन में औसत रोज करीब सात हजार कूलर बिकते हैं। पूरे सीजन में करीब चार लाख कूलर बिकते हैं। इसमें से करीब एक लाख कूलर ब्रांडेड कंपनियों के और तीन लाख लोकल कूलर हैं। जहां ब्रांडेड कंपनियों के कूलर की कीमत 6 से 10 हजार तक है वहीं लोकल कूलर 5 से 7 हजार तक बिकते हैं। कुल मिलाकर करीब ढाई सौ करोड़ का कारोबार इनका होता है। इसके प्रदेश में करीब सौ बड़े थोक कारोबारी और हजारों चिल्हर कारोबारी है।

रोज हजार से ज्यादा एसी की बिक्री एसी कारोबारियों के मुताबिक प्रदेश में सभी तरह के एसी को मिलाकर गर्मी के सीजन में 65 से 70 हजार एसी बिकते हैं यानी रोज औसत हजार से ज्यादा बिकते हैं। एक एसी की कीमत औसतन 35 हजार के आसपास है। एसी का कारोबार दो से ढाई सौ करोड़ का होता है। इसके राजधानी रायपुर सहित प्रदेश में सौ से ज्यादा थोक और बड़ी संख्या में चिल्हर कारोबारी है।

सबसे ज्यादा एसी अप्रैल और मई में बिकते हैं। प्रदेश में सभी कंपनियों की फ्रिज को मिलाकर सालभर में इसका दो से ढाई सौ करोड़ का व्यापार होता है। इसमें से 40 फीसदी यानी करीब सौ करोड़ का व्यापार गर्मी के सीजन में होता है। व्यापारियों का कहना है कि गर्मी में होने वाले कारोबार से इस बार हम लोग कम से कम वंचित नहीं होंगे ऐसी संभावना थी, लेकिन एक बार फिर से लॉकडाउन ने टेंशन बढ़ा दी है।

नारायणपुर जिले में 19 से 26 अप्रैल तक लगेगा संपूर्ण लॉकडाउन

कलेक्टर ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, व्यापारी संघ, मीडिया प्रतिनिधियों और अधिकारियों से मांगे सुझाव

पायनियर संवाददाता < नारायणपुर
www.dailypioneer.com

जिलाधीश धर्मेश कुमार साहू ने जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए जिले में सूपर्ण लॉकडाउन किये जाने हेतु आज कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों, व्यापारी संघ और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन अवधि में जिलेवासियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इस बात का भी ध्यान रखना जरूरी हैं। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा कि जिले के ऐसे स्थान जहां कोरोना से ज्यादा लोग प्रभावित हो रहे हैं, वहां के लोगों को जांच के लिए प्रोत्साहित करे। कलेक्टर ने कहा कि जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने हेतु जरूरी है कि अधिक से अधिक कोविड-19 की जांच की जाये। जांच व्यापारिक प्रतिष्ठानों, बखरूपारा, गुडरीपारा और शासकीय कार्यालयों में अनिवार्य रूप से की जाये। ताकि पॉजिटिव पाये गये लोगों को एक स्थान पर रखकर कोरोना के बढ़ते प्रसार को रोका जा सके। लॉकडाउन अवधि में जमाखोरी, कालाबाजारी को रोकने हेतु सुझाव भी मांगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता मांझी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनाथ उसेण्डी, जनपद पंचायत नारायणपुर अध्यक्ष पंडीराम वड्डे के अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज चंद्राकर, एसडीएम दिनेश कुमार नाग सहित पुलिस विभाग के अधिकारीगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि, व्यापारी संघ के पदाधिकारीगण एवं संगठन पदाधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर धर्मेश साहू ने जिले में कोरोना वायरस (ब्व्टप्क.19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी गाईड लाईन, सोशल मीडिया, दैनिक समाचार पत्रों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रीनिक मीडिया के समाचार अनुसार माह अप्रैल के आगामी दिवसों में संक्रमण की तीव्र वृद्धि की संभावना को दृष्टिगत करते हुए तथा जिले में कोविड-19 पॉजिटिव प्रकरणों की संख्या में लगातार ब?ोतरी होने के कारण प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया है।

जारी आदेश में कहा गया है कि नारायणपुर जिला अंतर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र को 19 अप्रैल 2021 की प्रातः 6.00 बजे से 26 अप्रैल 2021 को रात्रि 12.00 बजे तक के लिए कंटेन्मेंट जोन घोषित किया गया है। 19 अप्रैल 2021 की प्रातः 6.00 बजे से 26 अप्रैल 2021 को रात्रि 12.00 बजे तक नारायणपुर जिले की सभी सीमाएं पूर्णतः सील रहेगी। उक्त अवधि में केवल मेडिकल दुकानों को अपने निर्धारित समय में खोलने की अनुमति होगी। मेडिकल दुकानों के संचालक मरीजों के लिए दवाओं की होम डिलिवरी को प्राथमिकता देंगे। पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा केवल शासकीय वाहन/शासकीय कार्य में प्रयुक्त वाहन, एटीएम केश वैन, अस्पताल/मेडिकल एमरजेन्सी से संबंधित निजी वाहन/एम्बुलेंस, एलपीजी0 परिवहन कार्य में प्रयुक्त वाहन, विधिमान्य पास धारित करने वाले वाहन, एडमिट कार्ड/कॉल लेटर दिखाने पर परीक्षार्थी/उनके अभिभावक, परिचय पत्र दिखाने पर मीडियाकर्मी/प्रेस वाहन/न्यूज पेपर हॉकर, दुग्ध वाहन तथा छत्तीसगढ़ में नहीं रूकते हुए एक राज्य से सीधे अन्य राज्य जाने वाले वाहनों को पी.ओ.एल. प्रदान किया जावेगा। अन्य सभी वाहनों हेतु पी.ओ.एल. प्रदान करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि दुग्ध पार्लर व दुग्ध वितरण, ब्रेड विक्रेता तथा न्यूज पेपर हॉकर द्वारा समाचार पत्रों के वितरण की समयावधि प्रातः 6.00 बजे से 9:00 बजे तक एवं संध्या 5.00 बजे से 7:00 बजे तक ही होगी। दुग्ध व्यवसाय हेतु कोई भी दुकान/पार्लर नहीं खोले जायेगें। दुकान/पार्लर के सामने फिजिकल डिस्टेसिंग एवं मास्क संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए उपरोक्त समयावधि में केवल दुग्ध विक्रय की अनुमति होगी। इसके अतिरिक्त दुग्ध विक्रेता 24ग7 होम डिलीवरी सेवा दे सकेंगे। सब्जी, फल के विक्रय-क्रय करने हेतु समयावधि प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक की अनुमति होगी। पेट शॉप/एक्केरियम को केवल पशुओं को पशुचारा देने हेतु प्रातः 8.00 बजे से 10.00 बजे तक एवं संध्या 5.00 बजे से 6.00 बजे तक खोलने की अनुमति होगी। एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर की एजेन्सियां केवल टेलीफोनिक या ऑनलाईन ऑर्डर लेंगे तथा ग्राहकों को सिलेण्डरों की घर पहुंच सेवा उपलब्ध कराएंगे।

आदेश में यह भी कहा गया है कि लॉकडाउन अवधि के दौरान नारायणपुर जिला अंतर्गत संचालित समस्त शराब दुकाने बंद रहेगी। सभी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थल आम जनता के लिए पूर्णतः बंद रहेंगे। विवाह कार्यक्रम वर अथवा वधू के निवास गृह में ही आयोजित करने एवं शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या 20 निर्धारित की जाती है। इसी प्रकार अंत्योष्टि, दशगात्र इत्यादि। मृत्यु संबंधी कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या 20 निर्धारित की जाती है। उपरोक्त समस्त कार्यों के लिए संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी नारायणपुर से पूर्वानुमति आवश्यक होगी। सभी प्रकार की सभा, जुलूस, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक आयोजन इत्यादि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। उपरोक्त अवधि में नारायणपुर जिला अंतर्गत सभी केन्द्रीय/शासकीय/अर्द्धशासकीय/सार्वजनिक/निजी कार्यालय/बैंक बंद रहेंगे तथापि टेलीकॉम, पोस्टल सेवाएं, खाद्य सामाग्री के थोक परिवहन, धान मिलिंग हेतु परिवहन, उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वेयरहाउस गोदाम से उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न परिवहन एवं शासन से अनुमति प्राप्त समस्त परीक्षाओं को छो?कर अन्य समस्त शैक्षणिक गतिविधियां बंद रहेंगी किन्तु अस्पताल एवं ए.टी.एम. पूर्ववत संचालित रहेंगे। इसके अतिरिक्त ऐसे निजी वाहन जो इस आदेश के अंतर्गत आवश्यक वस्तुओं/सेवाओं के परिवहन का कार्य कर रहे हों, उन्हे भी आपात स्थिति में परिवहन की छूट रहेगी। लॉकडाउन के दौरान नारायणपुर जिले में संचालित सभी बैंक दिनांक 19 अप्रैल 2021 की प्रातः 6.00 बजे से 26 अप्रैल 2021 को रात्रि 12.00 बजे तक बंद रहेंगी। आपात स्थिति में यात्रा के दौरान 04 पहिया वाहनों में ड्राईवर सहित अधिकतम 03, ऑटो में ड्राईवर सहित अधिकतम 03, एवं दो पहिया वाहनों में 02 व्यक्तियों को यात्रा की अनुमति यात्रा संबंधी दसतावेजों के साथ होगी। बस स्टेण्ड, हॉस्पिटल आवागमन हेतु ऑटो/टैक्सी परिचालन की अनुमति रहेगी किन्तु अन्य प्रयोजन हेतु पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। अपरिहार्य परिस्थितियों में नारायणपुर जिले से अन्यत्र आने-जाने वाले यात्रियों को पास के माध्यम से पूर्व अनुमति लिया जाना अनिवार्य होगा।

अन्तागढ़ विकास खंड में अब तक 137 व्यक्ति कोरोना से संक्रमित

- कोरोना की वजह से एक महिला की मौत

पायनियर संवाददाता < अन्तागढ़
www.dailypioneer.com

इन दिनों अन्तागढ़ के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कोरोना पोजेटिव की संख्या में लगातार वृद्धि होने से क्षेत्र वासियो में डर एवं भय का माहौल बना हुआ है, वहीं कल कोरोना की वजह से नयापारा वॉर्ड क्र. 2 की महिला की मौत हो गई, जिसका आज कोरोना गाइडलाइन के तहत दाह संस्कार किया गया, गौरतलब बात यह है कि अन्तागढ़ साप्ताहिक बाजार बंद है, सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक ही दुकाने खुली रहती है शाम होते ही सन्नाटा पसर जाता है , लोगो को मास्क पहनने एवं शोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए स्थानीय प्रशासन शख्त कार्यवाही भी कर रही है इन सबके बावजूद तेजी से कोरोना का क्षेत्र में

विस्फोट होना चिंता का विषय है, अन्तागढ़ विकास खंड में सरकारी आंकड़ा अनुसार अब तक 137 व्यक्ति कोरोना से संक्रमित है जिसमे से 132 मरीज होम आइसोलेशन पर है, 02 मरीज को कोविड जिला अस्पताल रिफर किया गया तो वहीं 3 मरीज को अन्य जिला कोविड अस्पताल में रिफर किया गया है, वहीं इस भारी कोरोना संकट से बचने के विषय मे लोगो से राय लेने पर लोगो ने कहा कि समय रहते ही लॉकडाउन करना ही बेहतर होगा जिससे इस कोरोना पर काबू पाया जा सकता है, जबकि गरीब तबके लोगों के लिए लॉकडाउन एक तकलीफ का समय होगा उन्हें चिंता है की अगर लॉकडाउन लगता है तो हम अपने परिवार का पालन पोषण कैसे करेंगे।

अज्ञात बोलेरो वाहन ने ऑटो को मारी टक्कर, एक गंभीर, दो घायल

- अज्ञात बोलेरो वाहन चालक के ऊपर अपराध कायम कर जांच में जुटी पुलिस

पायनियर संवाददाता < केशकाल
www.dailypioneer.com

विकासखंड फरसगांव अंतर्गत ग्राम घोड़शडा से 14 अप्रैल को ऑटो रिक्शा क्रमांक सीजी 27 -5666 से गांव के 6 लोग सवार थे जिसमें 4 महिला दो पुरुष तथा ऑटो चालक के साथ कुल 7 लोग ऑटो में सवार होकर केशकाल विकासखंड के ग्राम सवाला में मृत्यु कार्यक्रम हेतु जाकर वापस आ रहे थे उसी वक्त ग्राम तेंदूभाटा अरंडी के पास विपरीत दिशा से तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक अज्ञात बोलेरो वाहन ने जबरदस्त ठोकर मार कर फरार हुआ था इस घटना में ऑटो में सफर सवार बैजनाथ कोर्राम पिता चैतूराम कोर्राम

ग्राम घोडषडा ,रामप्रसाद फूफगॉव, गंभीर रूप से घायल हुआ साथ ही सवार अन्य 2 लोग घायल होने के साथ ग्राम वासियों ने गंभीर अवस्था में घायल व्यक्ति को शासकीय अस्पताल लाया गया प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था वाला व्यक्ति का बेहतरीन इलाज के लिए केशकाल से कोंडागांव रेफर करने की जानकारी अस्पताल सूत्रों ने दी है घटनास्थल ग्रामीण सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार ऑटो रिक्शा को ठोकर मारने वाली अज्ञात बोलेरो वाहन शासकीय एवं सायरन बजाते हुए फरार होने का जानकारी प्राप्त है किंतु समाचार लिखे जाने तक ठोकर मारने वाले अज्ञात बोलेरो वाहन के बारे में कोई जानकारी नहीं मिला है श्री भीमसेन यादव थाना प्रभारी केशकाल ने पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा की घटना के संबंध में घटना दिन रात्रि को कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुआ है फरार हुए वाहन के बारे में कोई जानकारी नहीं है मामूली घायल दो लोगों को उपचार के बाद घर भेजने की जानकारी सूत्रों द्वारा प्राप्त हुई है घटना के बाद घटनास्थल गांव में घटना को लेकर तरह तरह की चर्चा जोरों पर है घटना करके फरार हुए अज्ञात बोलेरो वाहन को कानून के दायरे में लाना पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है थाना सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार घायल प्रार्थी की शिकायत पर केसकाल थाना में फरार बोलेरो वाहन चालक के ऊपर अपराध कायम कर पुलिस जांच में जुट गई है।

वैक्सीनेशन सेंटर में 4 दिन पश्चात फिर शुरू हुआ टीकाकरण

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

अम्बेडकर भवन टीकाकरण केंद्र में वैक्सीन उपलब्ध न होने के कारण वैक्सीनेशन कार्यक्रम 04 दिनों तक बाधित रही जिसके बाद आज 17 अप्रैल शनिवार को कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य पुनः चालू की गई। बता दें कोरोना के संक्रमण के रोकथाम व बचाव के लिए वैक्सीनेशन कार्यक्रम तेजी से चलाई जा रही है एवं शासन प्रसाशन द्वारा लगातार लोगों से वैक्सीन लगाने की अपील भी की जा रही है। जिसमें 45 वर्ष से अधिक आयु के कुल 140 लोगों

को कोविशील्ड टीका लगाया गया। इस वैक्सीनेशन कार्य में डॉ नीरज साहू,राजेश बेहेरा, चन्द्रकान्ता पटेल, पी त्रिपाठी, पारसमणि मौर्या,सुरेखा मंडावी, ममता ठाकुर एवं दिव्या सिंह मौजूद थे।

संविधान निर्माता के 130 वीं जयंती अंबेडकर चौक में मनाई गई

केशकाल। विगत 6 वर्षों से केशकाल विधानसभा अंतर्गत केशकाल विकासखंड के नगर पंचायत केशकाल में पूरे धूमधाम से अंबेडकर जयंती पर्व मनाई जाती रही है जिसमें बाबा साहब की झांकी ,डीजे साउंड सिस्टम, बाइक रैली के साथ पूरे जोश परोष के सांथ मनाई जाती रही है परंतु इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह बढ़ते कोरोना वायरस को देखते हुए एवं धारा 144 एवं कोरोना महामारी के दिशा निर्देशों को पालन कर मास्क,सेनेटाईजर, की अनिवार्यता सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए के इस वर्ष केशकाल नगर में स्थित अंबेडकर चौक में पूरे जोर-शोर से अंबेडकर जी की 130 वी जयंती कार्यक्रम मनाई गई जिसमें वरिष्ठ पत्रकार के शशीधरन,शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष कौशल नेताम , सुनिल प्रजापति शिक्षक, नायब सदर आवेश विरानी, जावेद रिजवी गोल्डी ढाबा,.महार समाज के जिला अध्यक्ष लखन लावत्रे, भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष रूपेंद्र कोर्राम,अर्जुन सोनवानी,विश्वकर्मा मंडावी,प्रेम यादव,लोमस यादव,प्रकाश यादव,महेश उईके,तामेश्वर सेन सुनिल सेन,भुपेंद्र रजक,ईश्वर सोनी,आशीक मरकाम,योगेश मरकाम,सुरजलाल नेताम,राहुल भाई,अक्षय उसेंडी,खेमसिंह मरापी, आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

सांसद बैज पहले अपना गिरेबान झांके, केदार कश्यप एक जन नेता : बृजमोहन देवांगन

पायनियर संवाददाता < नारायणपुर
www.dailypioneer.com

भाजपा जिला अध्यक्ष बृजमोहन देवांगन ने कहा चित्रकूट रेस्ट हाउस में असम से आए बोडोलैंड दल के सदस्यों को पूर्व में संक्रमण काल में मांस मदिरा परोस कर आओ भगत कर रहे हैं राज्य से बाहर के आये असमियों के षड्यंत्र को बस्तर के कद्दावर नेता केदार कश्यप ने उजागर किया सांसद बैज भले इस

घटना को झूठा साबित करने की बात कर रहे हैं मगर उन्हें शर्म आनी चाहिए सत्य को छुपाया नहीं जा सकता एक ओर छत्तीसगढ़ शासन और सांसद अपने कामों में विफल हो रहे हैं कोरोना संक्रमण के समय रोड सेफ्टी क्रिकेट के कारण पूरे राज्य में कोरोना संक्रमण फैला मुख्यमंत्री खुद बिना मास्क लगाए इस आयोजन में उपस्थित थे सांसद बैज स्वयं एक अक्षम सांसद है जिसके द्वारा केंद्र से किसी तरह की उपलब्धि इस बस्तर को नहीं दिला पाये। जिस केदार कश्यप जी को हवा हवाई नेता कह रहे हैं उनके द्वारा बस्तर को इतनी सौगाते मिली है उसे बस्तर की जनता अच्छे से जानती है जो सांसद स्वयं की संस्कृति की रक्षा नहीं कर सका वह बस्तर की संस्कृति रक्षा कैसे करेगा जिस कोरोना संक्रमण काल में एक ओर जहां वेंटीलेटर और अन्य संसाधनों की चिंता छोड़ अस्पताल के नाम परिवर्तन में अपनी शक्ति झोंक रहा था ऐसे सांसद भले कितना ही केदार को छोटा करने का प्रयास कर रहे हो चित्रकूट की जनता और उसके ही दल के आपसी खींचतान ने इस घटना को सबके सामने उजागर कर दिया भले ही सांसद इस घटना को कितना ही झूठा साबित करने में लगे हैं केदार जी के सामने बौना ही साबित होंगे।

डिमरापाल के मेडिकल वार्ड को किया जाएगा महारानी अस्पताल में शिफ्ट

डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में बढ़ाई जाएगी कोविड बिस्तरों की संख्या

पायनियर संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना के लगातार बढ़ते संक्रमण को देखते हुए बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए डिमरापाल स्थित शासकीय मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में कोरोना मरीजों के लिए आरक्षित बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके लिए डिमरापाल शासकीय मेडिकल कॉलेज में संचालित अस्पताल के मेडिकल वार्ड को महारानी अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। शुक्रवार को कलेक्टर रजत बंसल ने महारानी अस्पताल में पहुंचकर इसकी तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा कि आगामी तीन चार दिनों में यहां मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेडिकल वार्ड का संचालन महारानी अस्पताल में प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके लिए महारानी अस्पताल के 120 बिस्तर का चयन

किया गया है। इसके साथ ही आगामी समय मे आवश्यकता पड़ने पर सर्जरी वार्ड को भी महारानी अस्पताल में शिफ्ट करने पर चर्चा की गई, जिससे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कोरोना मरीजों के उपचार के लिए और अतिरिक्त बिस्तर आरक्षित की जा सके। कोरोना मरीजों के उपचार के लिए बिस्तर, ऑक्सीजन या वेंटिलेटर की कमी न हो, इसके लिए जरूरी तैयारियों पर जोर दिया गया। आवश्यक अधोसंरचनाओं के त्वरित निर्माण के संबंध में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

इस अवसर सहायक कलेक्टर सुरुचि सिंह, डिप्टी कलेक्टर गीता रायस्त, मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ केएल आजाद, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरके चतुर्वेदी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री राजीव बतरा, डॉ नवीन दुल्हानी, डॉ आरबीपी गुप्ता सहित चिकित्सा एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर को कोरोना के कहर से बचाने आगे आये युवा

पायनियर संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

बस्तर जिले को कोरोना के कहर से बचाने के लिए स्थानीय युवा आगे आ रहे हैं। कोरोना की इस लहर से विश्व के साथ ही देश-प्रदेश बुरी तरह प्रभावित है और बस्तर जिले में लगातार इसका संक्रमण बढ़ रहा है। इस स्थिति में बस्तर कलेक्टर रजत बंसल द्वारा सम्पूर्ण बस्तर जिले को कंटेन्मेंट जोन घोषित करते हुए केवल अति आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के आदेश दिए गए हैं और आवगमन को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।

कोरोना की लहर को रोकने के इस कदम की बस्तर जिले की जनता ने सराहना करते हुए सम्पूर्ण समर्थन दिया है। कोरोना के कहर को रोकने की इस मुहिम में कुछ लापरवाह लोगों के रवैये से कोई कमी न रह जाये, इसके लिए बस्तर पुलिस अधीक्षक दीपक झा द्वारा अनेक स्थानों पर जिला पुलिस बल के जवानों को तैनात किया गया है। घंटों कड़ी धूप में खड़े रहकर लोगों को कोरोना के संक्रमण से बचाने का प्रयास कर रहे इन पुलिस बल के जवानों की मदद के लिए स्थानीय युवाओं ने कदम से कदम मिलाकर सहयोग करने का बीड़ा उठाया।

बस्तर कलेक्टररजत बंसल की प्रेरणा से युवोदय संगठन से जड़े इन युवाओं ने जगदलपुर के प्रमुख चौक-चौराहों और रास्तों में आने-जाने वाले मुसाफिरों के आवागमन का कारण जानने, उनके दस्तावेजों की जांच करने में पुलिस बल की सहायता करने के साथ ही उन लापरवाह लोगों को समझाते नजर आ रहे हैं, जो बेवजह सड़कों में घूमने के आदी हैं और जिनकी वजह से कोरोना के फैलने की आशंका सबसे अधिक रहती है।

ये युवा जगदलपुर शहर के धरमपुरा मार्ग, संजय बाजार, गुरु गोबिंद सिंह चैक, चांदनी चैक, माड़िया चौक और एनएमडीसी चौक सहित प्रमुख चैक चैराहों में तैनात रहकर जवानों की सहायता कर रहे हैं।

मंदिरों में सन्नाटा, घर-घर हुई पंचमी के अवसर पर स्कंदमाता की विशेष आराधना

कोरोना संक्रमण के कारण मंदिरों में दर्शन करने नहीं जा रहे श्रद्धालु

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के चलते घरों में रहकर कर रहे हैं माता की आराधना। कोरोना संक्रमण भी माता की भक्ति में खलल नहीं डाल सका है। माता रानी के भक्त इस कठिन दौर में भी माता की नौ दिवसीय भक्ति में लीन है । आज श्रद्धालुओं द्वारा पंचमी पर स्कंदमाता की श्रृंगार कर विशेष पूजा अर्चना की गई। देवी मंदिरों से अधिक घरों से घंटी, शंख ,एवं माता रानी के जयकारों की गूंज सुनाई दे रही है ।घरों में हो रही आरती से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। नगर में चैत्र नवरात्र का त्यौहार उत्साह व श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है । नगर के प्राचीन दुर्गा माता मंदिर में नवरात्रि के समय लगने वाली हजारों की भीड़ इस वर्ष कोरोनावायरस के चलते दिखाई नहीं दे रही है। वही लोग घर में रहकर दुर्गा माता मंदिर का दर्शन मोबाइल के माध्यम से कर रहे हैं। साथ ही अधिकतर लोग घरों पर ही माता की उपासना के लिए अनुष्ठान कर रहे हैं।

नगर के दुर्गा माता मंदिर प्राचीन होने के साथ-साथ अपने चमत्कारों के लिए भी जाना जाता है बीते वर्ष भी कोरोना संक्रमण के कारण चैत्र नवरात्र घरों में ही मनाया गया था इस बार भी महामारी के करण श्रद्धालु दर्शन करने मंदिर ना जाते हुए अपने ही घरों में रहकर उपासना कर रहे हैं।

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए कलेक्टर के द्वारा जिले में 9 दिन का लॉकडाउन किया गया है। एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली के द्वारा कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए नवरात्रि में पूजा करने निर्देश जारी किया गया है। शासन के निर्देशों पर श्रद्धालुओं के लिए सभी मंदिरों के कपाट आगामी आदेश तक के लिए बंद किया गया है। इस बार लॉकडाउन एवं नवरात्रि एक ही समय में होने के कारण लोग घरों में ही परिवार जनों के साथ प्रतीकात्मक माता का चित्र रख कर पूजा कर रहे हैं।

कोरोना काल में लॉकडाउन के कारण इस बार श्रद्धालु नौ कन्या भोज व भंडारा का आयोजन नहीं कर पाएंगे शासन के निर्देशानुसार और कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए मंदिरों में केवल माता के पास ही पंडितों द्वारा ज्योत जलाकर प्रतिदिन पूजा की जाती है। रुद्रेश्वरी मंदिर सिंघोडा के पुजारी कस्तूप मिश्रा ने बताया कि नवरात्रि में माता भक्तों के घी और तेल के 22 00 आस्था के ज्योत जलते थे। लेकिन इस बार कोरोना के चलते ज्योत नहीं चल रहे हैं ।उन्होंने भक्तों के लिए मंदिर के कपाट बंद होने एवं पूजा के लिए ही कपाट खोलने की बात कही इसके अलावा नवरात्रि में आसपास के मंदिरों में जलने वाले आस्था के ज्योत के बारे में पुजारियों से जानकारी ली गई तो घंटेश्वरी मंदिर में तीन ,अमरकोट पंकजनी मंदिर में दो ज्योत जल रहे हैं । जबकि जामबहलियेन, अर्जुणा स्थित घटेश्वरी मंदिर में भी भक्तों की आस्था के ज्योत नहीं जलने की बात कही गई। एकमात्र बस स्टैंड स्थित कात्यायनी माता मंदिर में तेल के 90 ज्योत जल रहे हैं।

अचानक मौसम ने बदला मिजाज, आसमान पर छाए बादल, तेज हवा के साथ हुई बूंदाबांदी

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

अचानक मौसम बदला और आसमान में काले बादल छा गए वहीं ठंडी हवाओं का दौर शुरू हो गया । करीब 1 घंटे तक बादलों की लुकाछिपी चलती रही । इसी दौरान बारिश का मौसम बन गया । हालांकि थोड़ी देर बाद हल्की बूंदाबांदी होकर मौसम साफ होता चला गया। इधर आसपास के ग्रामीण अंचलों में भी मौसम का यही रुख रहा ग्रामीणों से मिली जानकारी अनुसार अन्य ग्रामों में हल्का बूंदाबांदी हुई थी जो कुछ ही समय में बंद भी हो गई। मौसम के बदलते तेवरों के चलते शनिवार शाम को कहीं खुशी तो कहीं माय सी देखने को मिली दरअसल जिन लोगों की मूंग की फसल दो दो पत्ती हो गई है ऐसे किसानों के लिए बेमौसम होने वाले वारिस किसी वरदान से कम नहीं है क्योंकि किसानों को ऊपर के पानी से पूरी एक सिंचाई का फायदा होता है वहीं दूसरी ओर जिन किसानों की मूंग सूखे खेत में पड़ी है ऐसे किसानों के लिए हल्का बारिश आफत साबित हो सकती थी क्योंकि अपर्याप्त पानी से मिट्टी में दबी मूंग खराब होने का डर था.

मौसम से छाया अंधियारा : शनिवार शाम को मौसम का मिजाज बदलते हैं आसमान में घरा अंधियारा छा गया। ठंडी हवाएं जोर जोर से चल रही थी। इस दौरान सड़कों पर धूल उड़ रही थी। धूल भरी हवाओं के कारण वाहन चलाने में दिक्कत हो रही थी। इसी दौरान बिजली की आंख मिचौली भी शुरू हो गई।

फसल बचाने में जुटे किसान : इधर कई किसानों की फसलें खुले में रखी हुई है। बारिश का मौसम बनते ही किसानों की चिंताएं बढ़ गई है। शनिवार शाम को किसान अपनी अपनी फसलों को सुरक्षित करने में जुटे हुए थे।

जिला स्तरीय मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम स्थापित

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार क्षीरसागर द्वारा कोविड-19 से पीड़ित मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक वस्तु मेडिकल ऑक्सीजन का जिले में संचालित अस्पतालों में सुलभ वितरण तथा परिवहन सुनिश्चित करने हेतु जिला स्तरीय मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिले में मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम के कार्यों के सफल क्रियान्वयन हेतु श्रीमती ऋष्वा ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर (91656-02767) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा जिला स्तरीय मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम स्थापित कर, समिति गठित किया गया है।

समिति में एसके सिंग, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र गरियाबंद (9826755444) , श्री शैलाभ साहू जिला परिवहन अधिकारी, गरियाबंद (7771841777) , डॉ नेतराम नवरत्न, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, गरियाबंद (9479005735) , श्रीमती मीनाक्षी, वैष्णव सहा. औषधि नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रसाधन विभाग गरियाबंद (81034078 83) सदस्य है। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष का दूरभाष कमांक 07706 - 241288 है। उक्त गठित समिति जिले में संचालित अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन की आवश्यकता का नियमित रूप से निगरानी करते हुए उसकी उपलब्धता एवं निरंतरता सुनिश्चित करेंगे एवं आपूर्ति न होने की स्थिति में राज्य स्तरीय समिति से समन्वय स्थापित कर कार्य करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

अमृत एवं मुकेश ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को ऑक्सीजन एवं सिलेंडर सौंपा

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

शहर सहित अंचल मे कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एवं आम नागरिकों के सेहत को ध्यान में रखते हुए कोरोना संक्रमित जिंन मरीजों को तत्काल ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से नगर पालिका अध्यक्ष अमृत पटेल द्वारा 4 नग ऑक्सीजन कास्ट्रेटर व छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल द्वारा 5 नग ऑक्सीजन सिलेंडर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बी एस मरकाम की उपस्थिति में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ नारायण साहू को भेंट किया गया। इस संबंध में बीएमओ ने आभार व्यक्त करते हुए कहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता कोरोना मरीजों के लिए संजीवनी साबित होगा एवं एसडीएम ने आभार प्रकट करते हुए अन्य सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिकों से कोरोना महामारी के दौरान विकासखंड में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर बनाने हेतु ऑक्सीजन सिलेंडर व अन्य संसाधन की उपलब्धता में सहयोग करने की अपील किया है।

इस अवसर पर कार्यक्रम प्रबंधक शीतल सिंह ,मुख्य नगरपालिका अधिकारी जफर खान ,जिला जीवनदीप समिति के सदस्य प्रदीप गुप्ता, पार्षद गुंजन अग्रवाल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेंद्र बाघ, डॉक्टर जनक कुमार जेरी, एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य स्टाफ गण उपस्थित रहे । स्वास्थ्य विभाग के मीडिया प्रभारी टी आर धृतलहरे द्वारा दिया गया है।

बचाव का तरीका : दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी की अहमियत समझे जनता

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

कोविड-19 कोरोना वायरस का संक्रमण शहर सहित अंचल में तेजी से फैल रहा है। कोरोना संक्रमितो का ग्राफ प्रतिदिन बढ़ने से आमजन सहित प्रशासनिक अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग भी चिंतित है लेकिन उसके बाद भी मास्क को फैशन की तरह उपयोग किया जा रहा है। अभी तक कोरोना की रोकथाम के लिए कोविड का वैक्सीनेशन आया है। लेकिन वैक्सीन के साथ ही संक्रमण से बचाव का तरीका सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क पहनना जरूरी है। मगर क्षेत्र में मास्क का सही तरीके से उपयोग नहीं किया जा रहा। ज्यादातर लोग मास्क को सही तरीके से ना पहन कर गले में हार की तरह उपयोग कर रहे हैं। कोविड-19 कोरोना संक्रमण काल में जिंदगी बचाने चेहरे पर मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जीवन रक्षक दवाई का काम कर रहे हैं। यह दोनों ही उपाय कोरोना महामारी से बचाव में अहम भूमिका निभा रहा है। मगर शहर में बिना मास्क के कईयों को सड़कों पर देखा जा सकता है। तो कई जगह मास्क की दुकानें सजने और आम आदमी द्वारा गंदे मास्क पहन कर अपनी ही जिंदगी को दांव लगाते लोग देखे जा सकते हैं। जबकि एक मास्क एक लंबे समय तक उपयोग करना सेहत के लिए नुकसानदायक है। लोग हद दर्जे की लापरवाही बरत एक ही मास्क को बिना हाथ धोए लंबे समय तक उपयोग कर रहे हैं। इस विषय में विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है। कि मास्क लगाने की अनदेखी विशेष तौर पर अपनी और परिवार की जान खतरे में डालने से कम नहीं है। घर जाने पर अगर आपके पास सर्जिकल मास्क है।

प्रतीक्षा सूची एवं चयन सूची जारी एक वर्ष तक के लिए वैद्य

महासमुंद। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थय मिशन अंतर्गत विज्ञापित विभिन्न पदों की पूर्ति के लिए भर्ती की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। भर्ती प्रक्रिया के तहत 8 अप्रैल 2021 को संविदा पर सीनियर नर्सिंग ऑफिसर एवं नर्सिंग ऑफिसर तथा 12 अप्रैल 2021 को प्रोग्राम एसोसिएट (पी एच एन), स्टाफ नर्स (एनआरसी) एवं एएनएम (एनयूएचएम) के पदों के लिए कौशल परीक्षा लिया गया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कोविड-19 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए त्वरित कार्यवाही कर इन पदों के लिए अंतिम मेरिट सूची एवं मेरिट सूची के आधार पर चयन तथा प्रतीक्षा सूची जारी किया गया है। वर्तमान कोविड-19 की स्थिति के कारण चयन उपरांत समस्त पात्र अभ्यर्थियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। प्रतीक्षा सूची जारी दिनांक से 01 वर्ष तक के लिए वैद्य रहेगा। इन पदों के अंतिम मेरिट सूची चयन एवं प्रतीक्षा सूची जिले की वेबसाइट में एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महासमुंद की सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

खाद्यान्नों के परिवहन, भण्डारण, वितरण, लोडिंग, अनलोडिंग के लिए दिशा निर्देश जारी

■ शासकीय उचित मूल्य की दुकान के सामने क्रेताओं के लिये चुने का घेरा कराना आवश्यक होगा

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार क्षीरसागर ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत हितग्राहियों को खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये खाद्यान्नों के परिवहन, भण्डारण, वितरण, लोडिंग, अनलोडिंग एवं उससे संबंधित सहायक गतिविधियां के लिए दिशा निर्देश जारी किये है। आदेश में शासकीय उचित मूल्य दुकानें/भण्डारण/भण्डारगृह एवं उसमें प्रयुक्त वैयक्तिकों का संचालन सम्मिलित है। गरियाबंद जिले में नागरिक आपूर्ति निगम के गरियाबंद/राजिम/मैनपुर/ देवभोग प्रदाय केन्द्र स्थित राज्य भण्डारगृह निगम गोदामों से जिले की उचित मूल्य दुकानों में माह अप्रैल 2021 का शेष एवं मई 2021 का आबंटन का पूर्व भण्डारण निर्धारित समय-सीमा पर पूर्ण किया जाना है। भण्डारण के दौरान गोदामों में मास्क/साबुन/सेनेटाईजर की पूर्ण व्यवस्था भण्डारगृह निगम द्वारा की जावेगी। उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण के लिये भौगोलिक क्षेत्र जैसे वार्ड/मोहल्ला/ग्रामवार हितग्राहियों को टोकन जारी कर नियंत्रित तरीके से राशन वितरण किया जावे। शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन के समय दुकान के सामने रस्सी/बांस-बल्ली का घेरा लगाना आवश्यक होगा। दुकान संचालक को वितरण के समय हितग्राहियों के मास्क एवं सेनेटाईजर का उपयोग करना आवश्यक होगा तथा क्रेता को भी मास्क का उपयोग के साथ ही साथ 02 गज की दूरी बनाये रखना अनिवार्य होगा। शासकीय उचित मूल्य की दुकान के सामने क्रेताओं के लिये चुने का घेरा कराना आवश्यक होगा। शासन द्वारा जारी कोविड-19 के समस्त दिशा निर्देशों का पालन करना आवश्यक होगा। उपरोक्तानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आने वाले सभी प्रतिष्ठानों यथा भण्डारण गृहों में सामाजिक दूरी का अनुपालन करते हुए कार्य संपादित किया जावे। उपरोक्त आदेश का कड़ाई से पालन करना होगा। निर्देशों का उल्लघंन किये जाने की स्थिति में कठोर कार्यवाही की जायेगी। जिसकी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।

नगर में किया जा रहा संक्रमण मुक्ति के लिए सेनेटाइजर का छिड़काव

नगर पालिका अध्यक्ष ने अनावश्यक घर से बाहर न निकलने की अपील की

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

नगर पालिका योजनांतर्गत वार्डो में कोरोना संक्रमण से बचाव व नियंत्रण के लिये नगर पालिका के कार्यवाही एवं सफाई अमला सहित स्वच्छता से जुड़े कर्मचारियों द्वारा नगर में नियमित सेनेटाईजर का छिड़काव कर संक्रमण से मुक्त करने का प्रयास करने में विभाग अग्रणी भूमिका निभा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल के प्रयास व दिये गये निर्देशो के अनुरूप नगर की नितियों एवं पानी जमाव स्थलों पर ब्लिचींग पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है, व वाहन में लगाये गये सेनेटाइजर पंप के माध्यम से नगर के मुख्य मार्ग व गलियों सहित लोगो के मकान के मुख्य दरवाजों पर सेनेटाईजर का छिड़काव नियमित किया जा रहा है व दुपहिया वाहनों में स्प्रिंकलर स्प्रे के माध्यम से भी संक्रमण क्षेत्र के मकान में सेनेटाईजर का छिड़काव किया जा रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल ने कोरोना के संक्रमण अवधि में लगाये गये इस नगर कन्टेनमेन में सभी को सहनशीलता का परिचय देते हुये अपने-अपने घरों में रहना है, कुछ समय की परेशानी होगी पर इससे संभव है संक्रमण से छुटकारा भी मिलेगा। नगर पालिका हर संभव लोगो के सहयोग है, व अपनी सेवा कार्य में तत्परता से आपके साथ जुड़ा हुआ है, इसलिये नगर में अनावश्यक बाहर न निकले तभी हम सब इस महामारी से लड़ने में कामयाब होंगे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश्वरी पटेल के द्वारा नगर पालिका के कर्मचारियों को आदेशित कर संक्रमण से बचाव के लिए शासन निर्देशों के अनुरूप नगर पालिका कार्यालय में टीम के माध्यम से ड्यूटी लगाकर कोरोना से बचाव के हर संभव प्रयास किये जा रहें

कोरोना की लड़ाई में औद्योगिक प्रतिष्ठानों का मिल रहा सहयोग

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर ने सहायता के लिए दिया धन्यवाद

कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई में जिला प्रशासन को जनप्रतिनिधियों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों का भरपूर सहयोग एवं समर्थन मिल रहा है। संसदीय सचिव एवं विधायक चन्द्रदेव राय ने असज अपने क्षेत्र में स्वास्थ्यगत बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए 25 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। सांसद सुनील सोनी ने कल कोरोना संकट से निपटने 20 लाख रुपये की राशि प्रदान की थी। विधायक श्री प्रमोद शर्मा ने नये कोविड अस्पताल में सेंट्रलाइज्ड एसी सुविधा के लिये जरूरी राशि देने की घोषणा पूर्व में ही कर दी है। वहीं जिले की निजी क्षेत्र में संचालित सीमेंट एवं इस्पात कम्पनियां भी सहायता के पुनीत काम में पीछे नहीं हैं। उनके द्वारा 93 लाख रुपये की सहायता राशि जिला प्रशासन को दी गई है। इसमें छह सीमेन्ट कम्पनियों द्वारा 90 लाख रुपये और अनिमेष इस्पात कम्पनी खजूरी द्वारा 3 लाख रुपये की सहायता राशि शामिल है। प्रत्येक सीमेन्ट कम्पनी प्रबंधन ने 15-15 लाख रुपये की राशि दान में दिया है। इनमें श्री सीमेन्ट कम्पनी भरूवाडीह, नुवोको कम्पनी सोनाडीह, न्यूविस्टा सीमेन्ट कम्पनी रिसदा,अंबुजा सीमेन्ट कम्पनी रवान, अल्ट्राटेक सीमेन्ट कम्पनी हिरमी एवं रावन के प्रबंधन द्वारा सहयोग राशि दिया गया है। नई मण्डी परिसर में तैयार हो रहे कोविड केयर अस्पताल में इस दान राशि का उपयोग किया जाएगा। प्रमुख रूप से वेंटीलेटर, छोटा और बड़ा ऑक्सीजन सिलेन्डर, ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर, आईसीयू बेड आदि बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएगी। कलेक्टर सुनील कुमार जैन एवं अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता ने उदार सहयोग के लिए सभी जनप्रतिनिधियों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जनभागीदारी से हम कोरोना को मात देने में जरूर कामयाब होंगे।

कलेक्टर एवं एसपी ने शक्ति क्षेत्र में स्थित चेक पॉइंट का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता < शक्ति
www.dailypioneer.com

जिले में कोरोनावायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए कोरोना वायरस के संक्रमण के बचाव एवं रोकथाम एवं आमजन की सुरक्षा की दृष्टिकोण से जिले में 13 अप्रैल मंगलवार की शाम 6.00 से 23 अप्रैल की रात 11.59 तक कंटेनमेंट जोन लॉक डाउन जारी है, इसी क्रम में 16 अप्रैल शुक्रवार को दोपहर 2ः00 बजे जिले के कलेक्टर यशवंत कुमार और एसपी पारुल माथुर जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह ठाकुर ने आज जनपद मुख्यालय शक्ति के अग्रसेन चौक में चेक पोस्ट, फिक्स चेकप्वाइंट का निरीक्षण किया। कलेक्टर और एसपी ने निरीक्षण के दौरान आने जाने वाले लोगों से घर से बाहर निकलने का कारण पूछा। बिना कारण अथवा बिना ई-पास के सफर करने वालों को वापस घर जाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर यशवंत कुमार ने थाना प्रभारी रविंद्र अनंत से सभी चेकप्वाइंट की स्थिति की जानकारी लेते हुए कड़ाई से नियमों का पालन करने हेतु निर्देश दिया,कलेक्टर ने कहा कि स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए कंटेनमेंट के नियमों का कड़ाई से पालन करें। स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से घर पर ही रहे केवल स्वास्थ्य गत कारणों से ही बाहर निकलें। कलेक्टर ने कहा कि कोविड-19, टीकाकरण के लिए घर से केन्द्र तक जाने और वापस घर आने की छूट है। इस दौरान उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी नगर पालिका परिषद के अधिकारी कर्मचारी को ड्यूटी के दौरान स्वयं की स्वास्थ्य की सुरक्षा का भी गंभीरता से ध्यान रखें। मास्क पहनें, सैनिटाइजर का समय समय पर उपयोग करें, फिजिकल डिस्टेंस का भी पालन अवश्य करें। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बीएस मरकाम, प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस रजत नाग ,शक्ति थाना प्रभारी रविंद्र अनंत, खंड चिकित्सा अधिकारी, डॉ. अनिल सिंह चौधरी, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी एवं जिले के आला अधिकारी कर्मचारी जिले के कलेक्टर एवं एसपी के के द्वारा किए जा रहे निरीक्षण के दौरान शक्ति क्षेत्र में उपस्थित रहे।

पूर्व महापौर किशोर राय भी संक्रमित हुए ले रहे स्वास्थ्य लाभ

बिलासपुर। पूर्व महापौर किशोर राय जीबी कोविड पॉजिटिव हुए। चिकित्सकों की सलाह पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं विगत दिनों संपर्क में आए साथियों से उन्होंने निवेदन किया है वे अपना टेस्ट कराएं स्वयं भी सुरक्षित रहें औरों को भी सुरक्षित रखें। राय ने पिछले 3 अप्रैल को कोरोना वेक्सिन लगवाया था। उल्लेखनीय है कि कल ही पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल और उनकी धर्मपत्नी शशि अग्रवाल भी कोरोना संक्रमित होने पर अपोलो अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती हुए है। तीन दिन पूर्व भाजयुमो पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पदाधिकारी श्रवण सोनी का कोरोना सं मित होने के बाद निधन हो गया था। कोरोना संक्रमित लोगो की रफ्तार अब इतनी तेज हो गई है कि राजनैतिक दलों के नेता वी कार्यकर्ता भी अब इसके चपेट में आने लगे है।

सांसद ने स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 11 लाख देने की स्वीकृति प्रदान की

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

कोरोना से बिगड़े हालात को देखते हुए बिलासपुर सांसद अरुण साव ने मुंगेली जिला के नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 11 लाख रुपए देने की स्वीकृति प्रदान की है। कोरोना आपदा के समय में जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, अन्य दवाई आदि आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके, इसके लिए सांसद अरुण साव ने अपने मद से 11 लाख रुपए की राशि देने की स्वीकृति मुंगेली कलेक्टर को लिखे पत्र में प्रदान की है। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष कोरोना आपदा के लिए उन्होंने 28 लाख रुपए की राशि सोनोग्राफी मशीन व कीचन शेड तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए प्रदान की थी बिलासपुर सांसद अरुण साव ने नागरिकों से अपील की है कि बिना किसी आवश्यक कारण घर से बाहर ना निकलें जरूरी काम से निकलना हो तो कोवीड नियमों का पालन करते हुए मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखें।

घर परिवार का संबल बनाए रखें ,उनका आत्मविश्वास बनाए रखें। टीकाकरण अवश्य कराएं ,खराब लगे तो जांच भी अवश्य कराएं और सावधानी बरतें। सांसद साव ने आगे कहा कि भारत के नागरिकों ने अनेक लड़ाइयां लड़ी है,और हम सब जीतते रहे हैं इस कोरोना आपदा से भी हम सब अवश्य जीतेंगे।

कोविड अस्पताल से 4 कोरोना मरीज फरार हो गए

मुंगेली। छत्तीसगढ़ में कोरोना का कोहराम जारी है। वहीं जिले में फिर एक बड़ी खबर सामने आई है। जब मुंगेली के एक कोविड अस्पताल से 4 कोरोना मरीज फरार हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग से लेकर प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार मुंगेली के क्रिश्चन हॉस्पिटल में इलाज के लिए आये थे, ज्ञात हो लगातार बढते कोरोना संक्रमितो के आकडो को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा 4 निजी अस्पतालो को कोविड संक्रमित मरीजो के लिए चिन्हांकित किया है, जिसमें से एक अस्पाला क्रिश्चन हॉस्पिटल में 4 संक्रमितो द्वारा उक्त घटना को अंजाम दिया गया है, अस्पताल प्रबंधन के अनुसार 4 लोग बीते कल काउंसलिंग के लिए आये थे, जो बिना प्रबंधन को सूचना दिये चले गये, मामले की जानकारी होते ही प्रबंधन ने जिला प्रशासन को अवगत कराते हुए सीटी कोतवाली में सूचना दी थी, सूचना मिलने के बाद सीटी कोतवाली पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

78 वर्षीय थवाईत ने सपत्निक लगवाया कोरोना से सुरक्षा का टीका

सक्ती। जांजगीर-चांपा जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोविड, टीकाकरण को लेकर विभिन्न माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर यशवंत कुमार के मार्गनिर्देशन में टीकाकरण के लिए विभिन्न ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में 168 टीकाकरण केन्द्र बनाए गए हैं। टीकाकरण केन्द्रों में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है,न्यायालयीन कार्यो से सेवानिवृत्त 78 वर्षीय जांजगीर के अमृत लाल थवाईत और उनकी पत्नी गुलाब देवी ने जिला अस्पताल परिसर में बनाए गए टीकाकरण केन्द्र में टीका लगवाया। उन्होंने सभी पात्र लोगों से टीका लगवाने का अनुरोध किया है, जिससे कि हमारे साथ हमारे परिवार एवं अन्य लोग भी सुरक्षित रह सकें। शासन द्वारा कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए यह टीका 45 वर्ष से अधिक की आयु वाले सभी लोगों को लगाया जा रहा है। अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण होने से हमारा जिला, राज्य व देश कोरोना संक्रमण मुक्त होगा। तब हम सभी स्वस्थ और सुरक्षित रह सकेंगे।

तोरवा मुक्ति धाम के बाहर शववाहनों की लग रही लंबी कतार

बिलासपुर। किसी साथी ने हमें तोरवा मुक्तिधाम का एक दर्दनाक वीडियो भेजा है। इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि मुक्तिधाम की चहारदीवारी के भीतर कोविड-19 के संक्रमण की चपेट में आकर जान गवाने वाले मरीजों की लाशों को किस तरह जलाना पड रहा है। चहारदिवारी के भीतर इतनी अधिक लाशों का अंतिम संस्कार किया गया है कि वहां अब जगह ही नहीं दिखाई दे रही है। जबकि चहारदीवारी के बाहर,ऑटो में, एंबुलेंस में,मारुति वैन में कोरोना संक्रमित मृतकों की लाशें इस इंतजार में रखी हुई है कि कब मुक्तधाम के भीतर धधक रही किसी चिता की आग ठंडी होगी और कब उनका नंबर लगेगा.. यहां अंतिम संस्कार के लिए क्षमता से अधिक लाशें रोज लाई जा रही हैं। लाशों को पहले जलाने के लिए मृतको के परिजनों में तू तू मैं मैं भी होने लगी है। इसे देखते हुए ही एसडीएम बिलासपुर के द्वारा तोरवा मुक्तिधाम में लाशों को जलाने के लिए टोकन सिस्टम लागू किया गया है। मतलब अब जिसका नंबर लगेगा।

सीएमपीएफ ब्याज दर में वृद्धि तत्काल श्रमिकों को देने की मांग

पायनियर संवाददाता < कोरिया
www.dailypioneer.com

संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक हसदेव क्षेत्र के अध्यक्ष अध्यक्ष उमेश कुमार पाठक ने एक पत्र क्षेत्रीय आयुक्त कोल माइंस प्रोविडेंट फंड संगठन जबलपुर को प्रेषित करते हुए यह मांग की है कि सीएमपीएफ द्वारा वर्ष 2018-19 तथा 2019-20 में श्रमिकों के लिए जो ब्याज दर में वृद्धि हुई है उसका लाभ तत्काल प्रभाव से बिना किसी औपचारिकता पूर्ण किए सभी श्रमिकों को दिया जाए.उन्होंने अपने पत्र में यह बतलाया है कि क्षेत्रीय आयुक्त कार्यालय द्वारा कुछ चुने हुए श्रमिकों को इसका लाभ देकर उन्हें लाभान्वित किया गया है।

यह उल्लेखनीय है कि सीएमपीएफ द्वारा इसके पूर्व प्रत्येक खदान में आकर श्रमिकों की पासबुक पोस्टिंग की जाती थी तथा उनके सीएम के खाते में कितनी राशि शेष है इसकी जानकारी अंकित की जाती थी तथा कार्यालय द्वारा एक ऑडिट शीट उपलब्ध कराई जाती थी जिसके कारण श्रमिकों को यह जानकारी हो जाती थी कि उनके खाते में कितनी राशि शेष बची है.यह विडंबना है कि विगत कुछ वर्षों से सीएमपीएफ कार्यालय के लोग खदानों में नहीं आ रहे हैं और श्रमिकों की सीएमपीएफ पासबुक की प्रविष्टियां नहीं कर रहे हैं ,जिसके परिणाम स्वरूप श्रमिकों को यह जानकारी नहीं हो पा रही है कि उनके खाते में कितनी राशि शेष बची है। सूत्रों द्वारा यह भी ज्ञात हुआ है कि विगत 4 वर्ष पूर्व सीएमपीएफ द्वारा श्रमिकों को जो ब्याज दी जाती थी उस में कटौती की गई, जिसके परिणाम स्वरूप प्रत्येक श्रमिक के सीएमपीएफ खाते से बहुत सारी राशि काट ली गई है जिसकी जानकारी ना तो श्रमिकों को दी गई ना श्रमिक प्रतिनियुक्ति गई ना ही प्रबंधन को दी गई यह कटी हुई राशि को जो सेवानिवृत्त होते हैं उन्हें भुगतान कर दिया गया। इस प्रकार श्रमिक संगठनों का यह कहना है कि जब ब्याज दर घटती है तो आप बिना कुछ बताए राशि काट लेते हैं उसी प्रकार जब ब्याज दर में बढ़ोतरी होती है तो बिना किसी औपचारिकता पूर्ण किए इन राशियों का भी भुगतान श्रमिकों को किया जाना चाहिए.गत वर्षों में जो श्रमिक सेवानिवृत्त हुए हैं उन्होंने अपनी समस्त औपचारिकता पूर्ण करके अपना भविष्य निधि की बात वापस प्राप्त कर लिया है और वह भारत के विभिन्न प्रांतों में जाकर निवास कर रहे हैं.अब यह कहा जा रहा है कि वह लोग गैलरी के कार्यालय में आए और एसआर फॉर्म भरे आवेदन करें कि औपचारिकता पूर्ण करें जिसके पश्चात ही यह राशि उन्हें वापस की जाएगी जबकि पाठक ने बताया है कि कुछ श्रमिकों को इस बढ़े हुए ब्याज दर की भुगतान कर दिया गया है यह एक भेदभाव पूर्ण कार्य है।

नवरात्रि में रामकुमारी साहू ने शरीर में फुलवारी उपजा कर माता की कर रही है सेवा

मुंगेली। चैत्र नवरात्रि के पर्व पर ग्राम गीधा के भाठापारा में भक्त रामकुमारी ने अपने शरीर के ऊपर फुलवारी उपजा कर माता के आराधना कर रही है। रामकुमारी ने बताया कि नवरात्र के प्रथम दिन घटस्थापना कर नवरात्र की प्रारम्भ किया। उन्होंने ने बताया कि अंग में फुलवारी वर्ष 2015 से शुरू किया गया है। नवरात्र के प्रथम दिन से लेकर नवरात्र के अंतिम दिन तक वह किसी भी प्रकार के फल फूल के सेवन नहीं करती तथा दिनभर में गले सूखे होने के वजह से एक दो चम्मच पानी का सेवन करती है। रामकुमारी ने बताया कि वहां बचपन से ही मातारानी की भक्ति भावना से जुड़ी हुई है घर के मुखिया जिराखन लाल साहू ने कहा कि पूरे परिवार मिलजुल कर माता की सेवा कर आशीर्वाद लेते है और घर के सुख शान्ति एवं खुशहाली की कामना करते है।

जिले के ग्राम बिरगांव कंटेनमेंट जोन घोषित

मुंगेली। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी तीर्थराज अग्रवाल ने कहा है कि वर्तमान में वैश्विक स्तर पर फैले कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु युद्धस्तर पर प्रयास किये जा रहे है। जिले के संदिग्ध मरीजों का सैंपल जांच नियमित रूप से किया जा रहा है। इसी कडी में विकास खण्ड मुंगेली के ग्राम बिरगांव में संदिग्ध मरीजो की जांच की गई। जॉच रिपोर्ट पॉजीटिव पाये गये। जिसके कारण विकास खण्ड मुंगेली के ग्राम बिरगांव को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। कंटेनमेंट घोषित ग्राम बिरगांव के पूर्व दिशा में तोतांकापा मार्ग, पश्चिम में दाऊकापा खार, उत्तर में बरेला खार और दक्षिण में पथरिया मार्ग स्थित है। घोषित कंटेनमेंट जोन में सभी दुकाने एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान आगामी आदेश पर्यन्त तक बंद रहेंगे। कंटेनमेंट जोन में प्रभारी अधिकारी द्वारा घर पहुँच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तु की आपूर्ति उचित दरों पर की जाएगी। सभी प्रकार के वाहनो का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

सब्जियों के कोचियों और बाड़ी वालों की निकल पड़ी, मुंह मांगे दाम वसूले

पायनियर संवाददाता < भिलाई
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए लाकडाउन को कुछ व्यापारी अवसर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। मनाही होने के बाद भी कुछ व्यापारी सब्जी बेच रहे हैं। खास बात ये है कि वे लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर दोगुने से ज्यादा कीमत पर सब्जी बेच रहे हैं। 12 दिनों से बाजार न खुलने के कारण लोगों के घर पर सब्जी खत्म हो चुकी है। लिहाजा वे भी मजबूरी में ज्यादा कीमत पर सब्जी खरीद रहे हैं। कालाबाजारी में सिर्फ चिल्हर या फेरीवालों की ही भूमिका नहीं है। बाड़ी वाले भी उन्हें ज्यादा कीमत पर सब्जी बेच रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने जिले में छह अप्रैल से नौ दिनों का लाकडाउन लगाया था। लेकिन, इस अवधि में भी कोरोना संक्रमितों के आंकड़ों में कोई खास कमी नहीं आई। लिहाजा लाकडाउन की अवधि को पांच दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया। नौ दिनों के लाकडाउन की घोषणा के पहले लोगों ने अपनी जरूरत के हिसाब से राशन और सब्जी खरीदकर रख ली थी। लेकिन अब कई लोगों के यहां वो स्टाक खत्म होता जा रहा है। कुछ फेरीवाले देहात से सब्जी लाकर बेच रहे हैं। लेकिन, वे भी इसकी ज्यादा कीमत ले रहे हैं। घूम-घूमकर ठेले से सब्जी का व्यापार करने वाले हर सब्जी का दो से तीन गुना तक कीमत वसूल कर रहे हैं।

कंटेनमेंट जोन में भी चल रहा व्यापार

दुर्ग का गयानगर कोरोना का हाटस्पाट बना हुआ है। जिला प्रशासन ने इसे कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। इसके बाद भी यहां पर धड़ल्ले से सब्जी और अन्य सामान का कारोबार जारी है। इसके अलावा ब्राह्मणपारा और गोड़पारा में भी सब्जी की बिक्री जा रही है। दुर्ग से लगे देवादा, महमरा, कोटनी, जेवरा सिरसा और करंजा

भिलाई की बाड़ी से सब्जी की खेप लाकर बेची जा रही है। हालांकि शुक्रवार को पुलिस ने दुर्ग क्षेत्र में सब्जी बेचने वाले कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी की है।

20 रुपये की भिंडी 40, गोभी 50 रुपये

यहां उल्लेखनीय है कि लाकडाउन के पहले हरी सब्जियों की कीमत काफी कम थी। जैसे भिंडी 10 से 20 रुपये प्रति किलो बिक रही थी। लेकिन, अभी व्यापारी उसे 40 रुपये प्रति किलो बेच रहे हैं। इसी तरह से 15 से 20 रुपये किलो बिकने वाली गोभी की कीमत अभी 50 रुपये हो गई है। लौकी 20 रुपये किलो बेचा जा रहा है। जबकि लाकडाउन के पहले ये पांच रुपये किलो बिका है। मौके का फायदा उठाने वाले नींबू की भी जमकर कालाबाजारी कर रहे हैं। दो रुपये में बिकने वाले नींबू को 10 रुपये में बेचा जा रहा है।

मास्क नहीं लगाने वालों से 27 हजार का वसूला जुर्माना

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

जांजगीर-चांपा जिले में कोविड-19, संक्रमण को नियंत्रित करने और आम जनता की सुरक्षा के मद्देनजर कलेक्टर यशवंत कुमार के निर्देश पर पूरे जिले में कोविड-19, प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने और सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने में कोताही बरतने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है।

जिले में अब तक दर्ज 27 हजार 886 प्रकरणों में 30 लाख 89 हजार 20 रुपए का जर्माना वसूला गया। कलेक्टर ने मास्क नहीं पहनने वालों पर कार्यवाही करने के लिए पुलिस एवं स्थानीय नगरीय निकाय के कर्मचारियों का दल गठित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरपालिका जांजगीर-नैला में दर्ज 3,188 प्रकरणों में 3,29,290 रुपए का जुर्माना वसूला गया है। इसी प्रकार चांपा में 2,180 प्रकरणों में 2,87,500 रुपए, अकलतरा में 1,345 प्रकरणों में 1,33,400 रुपए, सक्ती - 2,711 प्रकरणों में 3,12,600 रुपए, नगर पंचायत नवागढ़- 1,737 प्रकरण में 1,87,000 रुपए, शिवरीनारायण - 2,079 प्रकरण में 2,15,550 रुपए, बलौदा- 1,515 प्रकरणों में 2,18,940 रुपए, सारागांव - 1,089 प्रकरणों में 1,11,359 रुपए, नया बाराद्वार - 841 प्रकरणों मे 1,26,600 रुपए, जैजैपुर - 1,033 प्रकरणों में 81,140 रुपए, अड़भार-1,477 प्रकरणों में 1,76,930 रुपए, डभरा-2,978 प्रकरणों में 2,39,921रुपए, चन्द्रपुर -2,200 प्रकरणों में 2,02,460 रुपए, राहौद-1,704 प्रकरणों में 2,10,520रुपए, खरौद- 1,764 प्रकरणों में 2,51,310रुपए और मालखरौदा - 45 प्रकरणों में 4,500 रुपए का जुर्माना वसूला गया है।

जिले के 113 टीकाकरण केंद्रो में कल 15 अप्रैल तक 1 लाख 11 हजार 467 लोगों ने लगवाया कोविड-19 का टीका

लॉक डाउन की अवधि में टीकाकरण की पात्रता रखने वाले लोगों में भारी उत्साह

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले में लॉक डाउन की अवधि में भी कोविड-19 का टीकाकरण हेतु पात्रता रखने वाले लोगों में भारी उत्साह है। कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए पात्रता रखने वाले लोगों द्वारा टीका लगवाया जा रहा है। इन लोगो द्वारा सोषल डिस्टेंसिंग का पालन और मास्क का उपयोग कर कतारबद्ध होकर टीका लगवाया जा रहा है। इसी कड़ी में 16 जनवरी 2021 से कल 15 अप्रैल 2021 तक जिले में संचालित 113 टीकाकरण केंद्र में पहुँचकर 1 लाख 11 हजार 467 लोगों ने कोविड-19 का टीका लगवाया। इनमें मुंगेली विकास खण्ड के 41 टीकाकरण केंद्र में 41 हजार 234, विकास खण्ड लोरमी के 38 टीकाकरण केंद्र में 39 हजार 824 और विकास खण्ड पथरिया के 34 टीकाकरण केंद्र में 37 हजार 409 लोगों ने टीका लगवाया। इन लोगों ने शासकीय टीकाकरण केंद्र में निःशुल्क टीका लगवाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महादेव तेंदवे ने बताया कि लॉक डाउन की अवधि में भी जिले में संचालित 113 टीकाकरण केंद्र में पहुँचकर लोगों द्वारा कोविड-19 का टीका निशुल्क लगवाया जा रहा है। उन्होने बताया कि निजी अस्पताल में टीका लगवाने हेतु अधिकतम 250 रूपये का भुगतान करना होगा। उन्होने बताया कि कोविड-19 का टीका लगवाने से पहले संबंधित व्यक्ति का पंजीयन किया जाना अनिवार्य है।

इसके लिए टीका लगवाने वाले के पास पहचान पत्र के रूप में स्वयं के आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट, पेनकार्ड, डायविंग लायसेंस, एनपीआर स्मॉर्ट कार्ड, एवं फ'ोटोयुक्त पेंशन प्रमाण पत्र में से कोई एक प्रमाण पत्र होना चाहिए।

लॉकडाउन का फायदा उठाकर शराब बेचने की कोशिश

अवैध शराब बिक्री करने वाला गिरफ्तार मनेन्द्रगढ़ पुलिस की कार्यवाही

पायनियर संवाददाता < कोरिया
www.dailypioneer.com

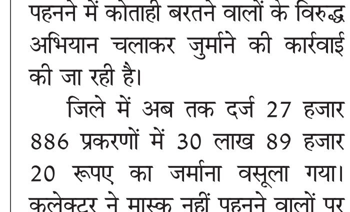

जिले के मनेन्द्रगढ़ में लाकडाउन के बीच अवैध शराब की तस्करी और बिक्री करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है जिससे बड़ी मात्रा में अवैध शराब भी जप्त किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 16 अप्रैल को मनेन्द्रगढ़ पुलिस को पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम चौघड़ा की ओर से मनेंद्रगढ़ की ओर एक व्यक्ति अपनी स्कूटी मे शराब बिक्री करने आ रहा है। मुखबिर की सूचना पर तत्काल पुलिस द्वारा घेराबंदी कर स्कूटी चालक को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मो.गफ्फार अंसारी पिता स्व. मीर दिन अंसारी उम्र 43 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 10 बस स्टैंड के पीछे मनेंद्रगढ़ बताया। स्कूटी को चेक करने पर एक प्लास्टिक बोरी में अंग्रेजी शराब गोवा 3 पेटी कुल 144 पाव कुल शराब 25.920 लीटर कीमत 18720 रुपए व स्कूटी की कीमत 45000 रूपये कुल रकम 63720 रुपए को जप्त किया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

आज 168 केंद्रों में होगा कोविड का टीकाकरण

जांजगीर-चांपा। 18 अप्रैल को जिले के सभी -168 टीकाकरण केंद्रों में कोविड-19, के टीके लगाए जाएंगे। कोविड वैक्सीन जिले के सभी सामुदायिक, प्राथमिक, उपस्वास्थ्य केन्द्रों, हेल्थ वेलनेस सेंटर लगाए जाएंगे। सीएमएचओ डॉ एस आर बंजारे ने जिले के 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों से 17 अप्रैल को कोविड-19, का टीकाकरण कराने की अपील की है। उन्होंने सभी लोगों से अपील कर कहा है कि वे कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने कोविड-19, के नियत प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करें। 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगवाने घर से टीकाकरण केंद्र तक जाने और घर से आने की अनुमति रहेगी।

संपादकीय

नेताओं का कर्तव्य कोविड मानकों का पालन

केवल जुबानी बयानबाजी के बजाय नेताओं को हमेशा कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करना चाहिए। हम जानते हैं कि कोरोनावायरस वैश्विक महामारी ने राष्ट्रीय जीवन के सभी पक्षों को बुरी तरह प्रभावित किया है जिसमें व्यक्तिगत स्वच्छता से लेकर सामाजिक व्यवहार तथा अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य तक शामिल है। लेकिन ऐसा लगता है कि इसने राजनेताओं को सोचने और काम करने पर बाध्य नहीं किया है। बढ़ती महामारी से निपटने के लिए दुहरे मानक कदापि नहीं होने चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से यह परिघटना हमारे अधिकांश राजनेताओं के मामले में स्पष्ट दिखाई देती है। हालांकि, सरकार कोविड-19 के बढ़ते मामलों से पूरी दृढ़ता के साथ निपटने में लगी हुई है, पर उसने चुनाव वाले राज्यों में बनी स्थिति के प्रति आंखें बंद कर ली हैं जहां कोविड-उपयुक्त व्यवहार का धड़ल्ले से मजाक उड़ाया जा रहा है। अपनी सार्वजनिक रैलियों, रोड शो व अभियानों में लगभग सभी राजनेता और उनके समर्थक मास्क पहनने, शारीरिक दूरी बनाए रखने तथा अन्य कोविड-उपयुक्त व्यवहारों का पालन नहीं करते हैं। सत्ता के भूखे इन नेताओं के लिए किसी व्यक्ति का वोट उसके जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण है, इसलिए उनको अपने वोट पाने के रास्ते में कोविड-उपयुक्त व्यवहारों की जरा भी चिन्ता नहीं है। निर्वाचन आयोग की बार-बार चेतावनियों के बीच जमीनी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। हालांकि, अधिकांश विदेशी राजनेताओं ने अच्छे व्यवहार का परिचय दिया है और सत्ता से बाहर किए गए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा ब्राजील के वर्तमान राष्ट्रपति जैल बोलसोनारो इनमें अपवाद हैं। उदाहरण के लिए, ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जान्सन ने इस वर्ष के प्रारम्भ में अपनी भारत यात्रा रद्द की थी जब उनको इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि बनाया गया था। उस समय उनके देश में कोविड-19 संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे थे और उन्होंने जनता की आशंकाओं का ध्यान रखते हुए घर में ही रहना उचित समझा था। इंग्लैंड में वायरस की स्थिति के कारण बोरिस जान्सन ने इस महीने भी अपनी प्रस्तावित भारत यात्रा संक्षिप्त करने का निर्णय किया है।

बोरिस जान्सन ने कहा है कि ब्रिटेन में कोविड-19 से होने वाली मौतों में टीकाकरण के बजाय तीन महीने के लाकडाउन का असर पड़ा है। हम नहीं जानते कि क्या उनके कथन के पक्ष में समुचित प्रमाण हैं, लेकिन यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि उनके देश की स्थिति में लगातार सुधार हुआ है जबकि भारत वर्तमान समय में सर्वाधिक कोरोना-प्रभावित देशों में ऊपर चढ़ रहा है। केवल अमेरिका को आगे छोड़ कर वह दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसे देखते हुए मतदाताओं का सामना करते समय हमारे नेताओं को शर्मिन्दा होना चाहिए, लेकिन इसके बजाय वे केवल वोट बटोरने में लगे हुए हैं। इसके लिए ईश्वर उनको माफकरे। लेकिन जैसे ही उनको वायरस संक्रमण होता है, जैसा कि अनेक नेताओं को हो चुका है, वे फौरन स्वयं को अलग कर लेते हैं तथा सर्वोत्तम चिकित्सा संस्थानों द्वारा चिकित्सकीय देखभाल का लाभ उठाते हैं। निश्चित रूप से यह सब करदाताओं के पैसे से होता है। लेकिन उस गरीब जनता का क्या होगा जिसे वे पीछे छोड़ देते हैं और जो संक्रमण से प्रभावित हो सकती है। ऐसे अनेक कारणों से ही कोविड के खिलाफलड़ाई लगभग जीतने के बावजूद हम फिर दलदल में फंस गए हैं। हालांकि, आंशिक रूप से इसमें हमारी अपनी भूमिका भी है, लेकिन ज्यादातर राजनेता भी इसके जिम्मेदार हैं। लोकतंत्र के उत्सव समेत सभी त्योहारों का आनन्द केवल उसी समय उठाया जा सकता है, जब देश की जनता स्वस्थ रहे तथा जीवन के मूलाधिकार का आनन्द उठाने की स्थिति में बनी रहे।

भारत-चीन गतिरोध जारी

जबकि भारत पूर्वी लद्दाख में तनाव घटाने पर जोर देता है, चीनी यथास्थिति पसंद करते हैं। जैसा कि प्रतीत होता है कि दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

अनिल गुप्ता
लेखक सुरक्षा एवं रणनीतिक मामलों के विश्लेषक हैं)

लगभग दो महीने के अंतराल के बाद आयोजित पूर्वी लद्दाख में तनाव को कम करने के लिए भारत-चीन सैन्य वार्ता का 11 वां दौर फिर से बिना किसी बड़ी सफलता के समाप्त हो गया है। मैराथन वार्ता 13 घंटे तक चली क्योंकि अतीत में यह प्रवृत्ति रही है, लेकिन इस बार चीनी पक्ष कठोर और असंसदीय था। इस साल फरवरी में झील क्षेत्र और कैलाश रेंज से सैनिकों के सफल विस्थापन के बाद से, एक गतिरोध मौजूद है, जहां तक आगे की स्थिति हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा, डेमचोक और देपसांग में भारतीय गश्ती दल के रुकने से संबंधित है।

विघटन पूरा होने के तुरंत बाद, दोनों राष्ट्रों के सैन्य कमांडरों के बीच 10 वें दौर की वार्ता हुई। लेकिन यह किसी भी आम सहमति पर पहुंचने में विफल रहा क्योंकि शेष क्षेत्रों से आगे विघटन का संबंध था। हालांकि, वार्ता को रचनात्मक के रूप में करार दिया गया था और दोनों पक्षों को एक सार्थक परिणाम की उम्मीद थी। वार्ता के बाद दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से जारी बयान में झील क्षेत्र से होने वाली असंगति को सकारात्मक रूप से बताया गया है, यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो पश्चिमी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ अन्य शेष मुद्दों के समाधान के लिए एक अच्छा आधार प्रदान करेगा।

हालांकि बहुप्रतीक्षित 11 वां दौर एक बार फिर गतिरोध में समाप्त हो गया है, दो ध्यान देने योग्य अंतर हैं। अतीत के विपरीत, दोनों देशों द्वारा कोई संयुक्त बयान जारी नहीं किया गया है। एक अन्य मामले में, चीनी पक्ष ने पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक बयान के साथ अपने रक्षा मंत्रालय के बजाय अपने पश्चिमी थिएटर कमांड के प्रवक्ता द्वारा जारी किए गए प्रेस बयान का जवाब दिया है। पीएलए द्वारा जारी किया गया बयान लफ्फाजी से भरा था और कूटनीतिक बारीकियों से भरा था, यह दर्शाता है कि इसे मंत्रालय के स्तर पर मसौदा तैयार किया गया था, लेकिन पीएलए द्वारा जारी किया गया था। यह किसी प्रकार की नाखुशी या असहमति का संकेत देता है जिसे उच्चतम स्तर पर हस्तक्षेप की आवश्यकता हो सकती है। पीएलए के बयान में कहा गया है, ''हमें उम्मीद है कि भारत चीन-भारत सीमा क्षेत्रों में डे-एस्केलेशन की वर्तमान सकारात्मक स्थिति को भांप सकता है'', दोनों देशों द्वारा संबंधित समझौतों और पिछली बैठकों में दोनों सेनाओं द्वारा किए गए समझौतों का पालन करते हुए, चीन के आधे रास्ते को पूरा करने और शांति की रक्षा के लिए और सीमा क्षेत्रों में एक साथ स्थिरता लाने के लिए; अतीत में भारत द्वारा एक बार फिर खारिज किए गए आधे-अधूरे प्रस्ताव को दोहराया गया। जब चीन ने वादा किया हुआ असंगति भी पूरा नहीं किया है, तो डी-एस्केलेशन के बारे में बात करने का क्या मतलब है?

कुछ हफ्ते पहले, भारतीय सेना के प्रमुख जनरल नरवाना ने माना था कि पूर्वी लद्दाख में खतरा पूरी तरह से दूर नहीं हुआ हैख क्योंकि पीएलए अभी भी पीछे के क्षेत्रों में अपनी सेना की काफी ताकत बनाए हुए था। उन्होंने कहा, डी-एस्केलेशन तभी होगा, जब ये तत्व वापस अपने गैरीनों में जाएंगे। बहु-आवश्यक डी-एस्केलेशन अभी भी दोनों पक्षों को हटाता है।

जबकि भारतीय पक्ष ने हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा, कोंगका ला और डेमचोक से पूरी तरह से विघटन पर जोर दिया, जिसमें डिप्संग का मुद्दा भी शामिल था, चीनी ने इन घर्षण स्थलों से पुलबैक को हटाने के लिए मना नहीं किया था, लेकिन पहले से सहमत थे, डीपसांग की चर्चा करते हुए अकेले चले गए। माना जाता है कि डेपसांग मैदानी इलाकों से होने वाली कटाव को विवाद की हड्डी माना जाता है क्योंकि यह सीधे पिछले साल की आक्रामकता से संबंधित नहीं है। हेक्टिक राजनयिक गतिविधि ने शांति और शांति बनाए रखने और द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति के लिए स्थितियां प्रदान करने के लिए वार्ता के 11 वें दौर की शुरुआत की थी। भारतीय विदेश मंत्री ने अपने चीनी समकक्ष के साथ टेलीफोन पर बातचीत में, एलएसी के साथ शेष मुद्दों के शीघ्र समाधान और सभी घर्षण बिंदुओं पर विघटन पर जोर दिया था।

मार्च के अंतिम सप्ताह में आयोजित भारत चीन सीमा मामलों (डब्ल्यूएमसीसी) पर कार्य तंत्र और समन्वय की कार्य प्रणाली की एक आभासी बैठक में, कोर कमांडरों के बीच 11 वें दौर की वार्ता जल्द से जल्द आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जमीन पर स्थिति को कम करने के लिए और सीमा क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कठिन शांति और स्थिरता की रक्षा करना।

इस प्रकार सभी निगाहें 11 वें दौर की वार्ताओं पर टिकी हुई थीं, न केवल शेष क्षेत्रों से विस्थापन के लिए, बल्कि डेपसांग इम्ब्रॉलीगियो के संकल्प के लिए भी। तो, बड़ा सवाल यह है कि चीनी इस क्षेत्र को लेकर इतने संवेदनशील क्यों हैं और स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं? देपांग के मैदान अक्साई चिन और सियाचिन ग्लेशियर के बीच स्थित हैं। समुद्र तल से 16,000-17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह क्षेत्र बख्तरबंद वाहनों को अच्छी गतिशीलता प्रदान करता है। काराकोरम दर्रा और सासर कानून दर्रा, जो भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और अपने क्षेत्र के भीतर स्थित है, इसके किनारों पर हैं।

इनमें से अधिकांश मैदान 1950 के दशक के मध्य से चीनी नियंत्रण में थे। दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) भी मैदानी इलाकों से सटे हुए हैं। 1962 में, चीन ने डीबीओ के पश्चिम में डेपसांग मैदानों पर कब्जा कर लिया, जिसमें भारत एक छोटा सा उभार था। डीबीओ को श्योक क्षेत्र और उससे आगे जोड़ने के लिए हमारे द्वारा बनाई गई नई सड़क चीनी के अवलोकन के तहत है और इसकी तोपखाने की आग की चपेट में बनी हुई है। यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन और पाकिस्तान संयुक्त रूप से भारत को एक रणनीतिक मिलीभगत में एक पिनर आंदोलन के साथ धमकी दे सकते हैं और लद्दाख के बाकी हिस्सों से महत्वपूर्ण क्षेत्र को काट सकते हैं। इसके विपरीत, भारत अक्साई चिन और चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की धमकी दे सकता है, हालांकि किसी भी बड़े पैमाने पर आक्रामक के लिए बिल्ड-अप गंभीर चुनौतियों का सामना करेगा।

एलएसी की अलग-अलग धारणा के अलावा, क्षेत्र में एक और अजीब कारक सीमा गश्ती (एलओपी) है। भारत और चीन रूक्कके संरेखण पर भी भिन्न हैं। एलओपी की चीनी धारणा हमारे क्षेत्र के अंदर हमारी धारणा से लगभग 20 किमी दूर है। इस क्षेत्र में तनाव हाल ही में नहीं हैं। चीन ने 2013 में और फिर 2015 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यात्रा के दौरान और फिर 2017 डोकलाम संकट के दौरान इस क्षेत्र में घुसपैठ की थी।

समस्या का सार दोनों पक्षों द्वारा एलओपी पर स्थित पैट्रोलिंग पॉइंट्स तक एक-दूसरे की पहुंच से इनकार किए जाने में निहित है। इससे पहले भारतीय सैनिक पीपी 11, 12, 12 ए और 13 तक गश्त कर चुके थे और कथित एलएसी तक इससे आगे नहीं बढ़े थे। लेकिन, हाल ही में, भारतीय सैनिकों को इन पीपीएस तक भी गश्त करने से रोक रहा है और डोकलाम गतिरोध के बाद घटना अधिक स्पष्ट हो गई है। फिंगर्स एरिया (फिंगर फोर-आठ के बीच) में चीनी घुसपैठ के विपरीत, चीनी भौतिक रूप से इस क्षेत्र में नहीं गए।

भारतीय गश्ती वाहन केवल अड़चन नामक क्षेत्र तक ही जा सकते हैं जिसके आगे उनका आवागमन पैदल होता है। अड़चन से एक किलोमीटर दूर या आगे वाई-जंक्शन है, जहां मार्ग द्विभाजित है, जिसमें एक रास्ता पीपी10 के लिए और दूसरा पीपी13 की ओर जाता है। जब भारतीय गश्ती वाई-जंक्शन के पास पहुंचते हैं, तो पीएलए के सैनिक पास की चौकी से वाहनों में आते हैं और उन्हें एलओपी तक जाने से रोकते हैं। एक समर्थक के रूप में, भारतीय सेना पीएलए के लोगों को उनके कथित एलओपी के लिए टोंटी क्षेत्र के आगे जाने से रोकती है।

दक्षिण भारतीय इतिहास व संस्कृति को जानें

> यदि हम वास्तविक एकीकरण चाहते हैं, तो उत्तर भारतीयों को दक्षिण भारत के इतिहास और साहित्य का अध्ययन करना चाहिए।

मार्कंडेय काटजू
(लेखक सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं)

दक्षिण के लोगों सहित सभी भारतीयों ने महान मौर्य साम्राज्य, गुप्त साम्राज्य, हर्षवर्धन के साम्राज्य, मुग़ल साम्राज्य आदि के बारे में अपने स्कूल के इतिहास की किताबों में पढ़ा है। लेकिन, कितने उत्तर भारतीयों ने विजयनगर साम्राज्य के कृष्णदेव राय (जिनकी दो रानियों के साथ प्रतिमा, अभी भी तिरुपति मंदिर में खड़ी है), या महान चोल और पांड्य राजाओं के बारे में सुना है? अफसोस है कि बहुत कम उत्तर भारतीय दक्षिण के इन महान राजाओं के बारे में जानते होंगे। अधिकांश भारतीयों ने रामायण 'और महाभारत' को पढ़ा है, जो उत्तर भारतीय राजाओं के बारे में महाकाव्य हैं, और अधिकांश भारतीयों ने सूरदास, तुलसीदास, कबीर और मुंशी प्रेमचंद की कहानियों को पढ़ा है। लेकिन कितने ही उत्तर भारतीयों ने तिरुवल्लूवर के महान तमिल महाकाव्यों ''सलप्पथिकारम'', ''मणिमेक्कलई'', या महान तमिल ग्रंथ ''तिरुक्कुरल'' को पढ़ा है, जिनके बारे में महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भरत ने लिखा था : ''तमिलनाडु पूरी दुनिया में जाना जाता है क्योंकि तिरुक्कुरल जो पूरे तमिलनाडु में जनवरी के महीने में गाया जाता है, कवि संत अंदल द्वारा ''तिरुप्पावई'' कितने ही सुने गए हैं, या सुब्रमण्य भारती की महान कविता, जिसने 1940 के आसपास महिलाओं की मुक्ति के लिए शक्तिशाली छंद लिखे थे। देश में और किसी ने ऐसा साहस किसा? बहुत कम लोगों ने

उत्तर भारतीयों को हिंदुस्तानी संगीत का पता है लेकिन कर्नाटक संगीत, और त्यागराज, मुथुस्वामी दीक्षित और श्यामा शास्त्री को इसकी कितनी जानकारी है? शायद ही कोई। कितने उत्तर भारतीयों ने महान केरलवासी समाज सुधारक नारायण गुरु के बारे में सुना है, जो निम्न जाति के ईज़्हा समुदाय से थे और निडर होकर अमानवीय जाति व्यवस्था के खिलाफ अभियान चला रहे थे? व्यावहारिक रूप से कोई नहीं। लंबे समय तक, उत्तर भारतीयों ने दक्षिण भारत को असभ्य लोगों द्वारा आबादी वाली एक अंधेरी भूमि माना है और विभिन्न क्षेत्रों में दक्षिण की महान उपलब्धियों से अनजान हैं। वास्तव में द्वठु रामायण 'में, किष्किंधा, जो कि वर्तमान कर्नाटक राज्य में मानी जाती है, को बंदरों द्वारा आबादी वाली भूमि माना जाता था जहाँ से भगवान राम ने श्रीलंका पर आक्रमण करने के लिए एक ड्डु वानर सेना (वानर सेना)' खड़ा किया था। अफसोस है कि आज भी, दक्षिण की संस्कृति और उपलब्धियों की अनदेखी के कारण कई उत्तर भारतीय दक्षिण भारतीयों की ओर देखते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण भारतीय मंदिर विशाल और अविश्वसनीय रूप से सुंदर हैं। वे प्राचीन और मध्ययुगीन दक्षिण भारतीयों के वास्तुकला और ज्यामिति के उच्च स्तर का ज्ञान प्रकट करते हैं। उदाहरण के लिए, तंजौर का बृहद्धेश्वर मंदिर बस अचरज में है और एक आश्चर्य की बात है कि इसे बनाने के लिए बिल्डर इतने बड़े पत्थरों का उपयोग कैसे कर सकते थे। वास्तव में, यह मिस्र के पिरामिडों में से एक की याद दिलाता है। पल्लव साम्राज्य की राजधानी महाबलिपुरम के प्राचीन बंदरगाह शहर में गंगा की विशालकाय चट्टान राहत 'उतरती है, वास्तव में आश्चर्यजनक है।

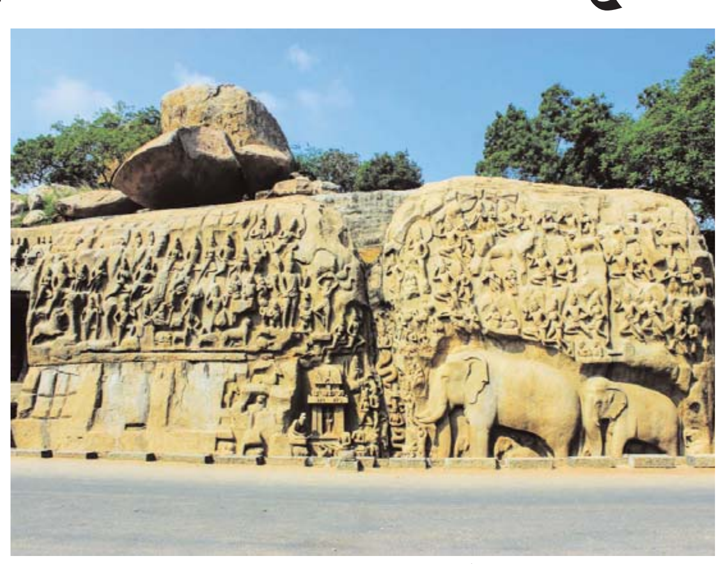

दक्षिण भारत में पाए जाने वाले रोमन सिक्कों की बड़ी संख्या सम्राट ऑगस्टस (जिन्होंने 27 ईसा पूर्व से 14 ईस्वी तक शासन किया) के समय से इसके और प्राचीन रोम के बीच व्यापक व्यापार को दर्शाता है। यह इंगित करता है कि दक्षिण और एशिया में व्यापक वाणिज्यिक संपर्कों के साथ, उत्तर भारतीयों के विपरीत, प्राचीन और मध्ययुगीन दक्षिण भारत में अर्थव्यवस्था कितनी विकसित थी। माना जाता है कि चोल राजा राजेंद्र चोल ने दक्षिण पूर्व एशिया (श्रीलंका, सुमात्रा, और इसी तरह) में सैन्य अभियानों को अंजाम दिया था, जो केवल एक शक्तिशाली नौसेना की सहायता से संभव हो सकता था। इलंगो के महाकाव्य ''सिलप्पाथिकाराम'' में इन पंक्तियों में एक है : पांड्य राजा समृद्ध हो सकते हैं, जिन्होंने उत्तर में गंगा और हिमालय पर विजय प्राप्त करने के बाद दक्षिण पर शासन किया था।

पहले मुझे लगा कि यह केवल काव्यात्मक अतिशयोक्ति है, हालांकि, बाद में मैंने एक दक्षिण भारतीय राजा (शायद राजेंद्र चोल) के विश्वसनीय विवरणों का अध्ययन किया, जिसने उत्तर भारत में गंगा के मैदान और उससे भी आगे तक आक्रमण के अभियान का नेतृत्व किया (श्रीलंका के आक्रमण के अलावा) मलाया प्रायद्वीप, दक्षिणी थाईलैंड और इतने पर)। यदि हम भारत का वास्तविक एकीकरण चाहते हैं, तो उत्तर भारतीयों को दक्षिण भारत के इतिहास, संस्कृति और साहित्य का अध्ययन करना चाहिए, वह भी स्कूल से और दक्षिण भारतीयों को वह सम्मान देना चाहिए जिसके वे हकदार हैं।

फरमाया

टीका उत्सव 10-12 दिनों तक जारी रहेगा। लॉकडाउन कोविड-19 का समाधान नहीं है बल्कि टीकाकरण, सामाजिक गड़बड़ी और मास्क पहनना है।

- प्रमोद सावंत
गोवा के मुख्यमंत्री

यह लॉकडाउन ही है जो संक्रमण और मौतों को कम करने में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह टीकाकरण कार्यक्रम द्वारा हासिल नहीं किया गया है।

- बोरिस जॉनसन
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश की सरकार आंकड़ों के साथ नहीं बल्कि लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है। राज्य में स्थिति विस्फोटक हो गई है।

- प्रियंका गांधी
कांग्रेस महासचिव

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

www.dailypioneer.com

फिर मजदूरों का पलायन

विगत वर्ष से देश दुनिया मे कोरोना महामारी से शायद ही कोई अछूता रहा हो। गतवर्ष कोरोना काल मे मजदूरों की हृदय स्पर्शी व्यथा आज भी हम सभी को अवगत है। फिर वर्ष भर बाद दो जून की रोजी रोटी कमाने निकले मजदूरों का पुनः पलायन जारी हो गया। वर्तमान दौर में कोरोना के 2 लाख तक को छूने वाले भयावह आकड़ो ने फिर मजदूरों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर किया है। और लोग अपने गांव, अंचलों में वापसी रुख कर रहे है। मुबई , दिल्ली रेल्वे स्टेशनों पर , बस अड्डो पर भीड़ तंत्र की असहाय परिस्थितियों की गवाही एक बार फिर मजदूरों के दर्द भरे प्याले को छलकाने में पीछे नही है। इसमे कोई दो मत नही रोज कमाने खाने वाले मजदूरों के लिए कोरोना से ज्यादा लॉक डाउन रूह कपाने वाला शब्द बन गया। जिंदगी की जदोहद में एक तरफ पेट की आग बुझाने की सोच दूसरी औऱ जानलेवा कोरोना संक्रमण से बचने की कोशिश में घरों में पहुंचना चाहते है। दिल्ली बस स्टेंड रेलवे स्टेशन पर मजदूरों के जत्थे देखने को मिल जाते है। कुछ कम्पनियों के बन्द होने की औऱ छटनी की खबरों से मजदूरों का पलायन जारी है। इसमे कोई दो मत नही पिछले साल का मजदूर का दर्द आंखों में आंसू ला देता है।

- योगेश जोशी, बड़वाह, मप्र

महामारी का कहर

आपदा व महामारी ना तो आम देखती है, न खास, न अमीर ना गरीब ना राजा को देखती है न रंक न सेठ को देखती है ना नौकर को, इससे कोई भी नहीं बच सकता है। लेकिन आपदा व महामारी के समय बीमारू का ईश्वर के बाद अगर कोई दूसरा भगवान है तो वह है अस्पताल, डॉक्टर, नर्स, दवा दारू व उसकी समर्पित भाव से देखरेख। लेकिन कोरोना महामारी ने हमारे देश प्रदेश के अस्पतालों की पोल खोल के रख दी है। इतने विकास व तरक्की के बाद भी आज अस्पतालों में जगह नहीं है, जीवन उपयोगी दवाइयों का अभाव है, मरीज मर रहे हैं। ऐसे संकट के समय में अस्पतालों में आवश्यक दवा दारू का अभाव है तो यह कैसी तरक्की, कैसा विकास। यह महामारी हमारी केंद्र व राज्यों की सरकारों को सबक सिखा रही है कि सरकार की प्राथमिक सूची में स्वास्थ्य सेवाएं होनी चाहिए। इन सेवाओं के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य सेवाएं ना केवल चुस्त-दुरुस्त, चाक-चौबंद हो,बल्कि दवा दारू व जीवन रक्षक आवश्यक दवा दारू पर्याप्त मात्रा में हो। जब संकट में ही अस्पताल बीमारू होकर दम तोड़ने लगे तो फिर यह कैसे अस्पताल। सोचने, समझने व नसीहत लेने का भी समय है।

- हेमा हरि उपाध्याय, उज्जैन

बच्चों का बिगड़ता भविष्य

कोरोना महामारी के संक्रमण ने छात्रों का भविष्य अंधकार में कर दिया है। लॉकडाउन के चलते साल भर तक स्कूलों पर ताले जड़े रहे तो ऑनलाइन पढ़ाई के प्रयास भी कुछ खास सार्थक नहीं हुए। ऐसे में प्रतिभावान विद्यार्थियों का मानसिक स्तर भी गिरा है। इस वर्ष औपचारिक परीक्षाओं के भी कोई दूरगामी परिणाम निकलते नहीं दिख रहे हैं। परीक्षाएं रद्द हो रही हैं और स्कूलों के बंद पड़े रहने से विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर लगातार गिरता भी रहा है। यह चिंता का विषय है। इससे बच्चों की दैनिक दिनचर्या भी अस्त-व्यस्त हो गई है। आज अगर थोड़ी बहुत पुस्तकों में दिलचस्पी दिखी है तो वह ऑनलाइन पढ़ाई के कारण लेकिन उसको भी अधिकतर विद्यार्थियों ने गंभीरता से नहीं लिया। हालातों को देखते हुए इस बार सरकार ने घर बैठे परीक्षा लेने की योजना बनाई वह भी बच्चों के मानसिक स्तर में बढ़ोतरी के लिए आज से बिल्कुल कारगर नजर नहीं आ रही है। बहरहाल इस प्रयास से बच्चों में पुस्तकों के प्रति दिलचस्पी अवश्य रहेगी।

- अमृतलाल मारू, दसई, मप्र

क्षेत्रीय सांसद जिले की गंभीर स्थिति को देखते हुए कलेक्टर व स्वास्थ्य अधिकारी के साथ ली बैठक, जताई चिंता

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

क्षेत्रीय सांसद विजय बघेल ने जिले में कोरोना महामारी के विकराल होते रूप से चिंतित होकर जिले के कलेक्टर शिव अनंत तायल एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से जिला प्रशासन द्वारा महामारी को रोकने और प्रभावित मरीजों के इलाज के संबंधी जानकारी ली। इस दौरान जिले में कोरोना महामारी की अनियंत्रित स्थिति को लेकर सांसद बघेल ने चिंता जताई। कलेक्टर द्वारा सांसद विजय बघेल को जिले में कोरोना की स्थिति के बारे में जिला प्रशासन द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने सांसद को यह बताया कि जिले में दूसरी लहर पर वर्तमान में 10876 से अधिक मरीज पीड़ित हो चुके हैं इनमें से 6351 लो उपचार के बाद ठीक हो चुके हैं वर्तमान में 4492 एक्टिव मरीज के रूप में उपचार किया जा रहा है अब तक पहली और दूसरी लहर मिलाकर 1 लाख 63 हजार 191 सिंपल जिले में लिए जा चुके हैं, सांसद विजय बघेल ने पूछा कि होम क्वारंटाइन मरीजों को इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए फल और प्रोटीनयुक्त आहार आवश्यक होता है और इस सबके बिना होम क्वारंटाइन मरीजों की कोरोना से जल्द रिकवरी कैसे संभव हो सकेगी। जबकि लॉकडाउन के चलते प्रोटीनयुक्त आहार, फल, दूध नहीं मिल पा रहा है, जिससे प्रोटीनयुक्त आहार, फल, दूधरी से मुक्त होने में उन्हें बाधा आ रही है और उनकी इम्यूनिटी कमजोर हो रही है जो कि बेहद घातक है। इसके बारे में जिला प्रशासन गंभीरता से विचार करे और लॉकडाउन को शिथिल किये बगैर होम क्वॉरेंटाइन मरीजों को उनकी इम्यूनिटी बढ़ाने हेतु प्रोटीनयुक्त आहार, फल, दूध इत्यादि की आपूर्ति के वैकल्पिक उपाय करे। कलेक्टर तायल ने विस्तार पूर्वक वैक्सीनेशन के बारे में जानकारी दी बताया कि प्रथम डोज के बाद दूसरा डोज का लक्ष्य की ओर अग्रसर है और जिला प्रशासन का पूरा जोर वैक्सीनेशन बढ़ाने पर है। साथी कलेक्टर ने करुणा का इलाज करने वाले अस्पतालों के बारे में बताया! कलेक्टर ने सांसद विजय बघेल को आश्वस्त किया कि लॉक डाउन होने के कारण आने वाले कुछ दिनों में कोरोना प्रभावितों की संख्या में कमी आएगी और लॉकडाउन के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। जिले में लॉकडाउन कारण कुछ ही दिनों में स्थिति नियंत्रित हो जाएगी। सांसद बघेल ने कहा कि दुर्ग जिले में कोरोना से बढ़ती मृत्यु दर को कम करने के लिए विशेष प्रयास करें क्योंकि प्रत्येक जीवन कीमती है किसी की भी मृत्यु उसके पूरे परिवार को उजाड़ कर रख देती है। जिला प्रशासन की टीम संवेदनशीलता और तत्परता के साथ काम करते हुए मृत्यु दर को रोकने का हर संभव प्रयास करें। सांसद विजय बघेल ने कोरोना महामारी के लिए फंड की उपलब्धता के बारे में जानकारी मांगी और कहा कि किसी प्रकार की कोई कमी होने पर केंद्र सरकार हर प्रकार की सहायता करने के लिए तत्पर है, जिस पर कलेक्टर ने कहा कि उनके पास महामारी से निपटने के लिए पर्याप्त फंड है, जिसके बाद सांसद विजय बघेल ने कलेक्टर से कहा कि यदि पर्याप्त फंड है तो कोरोना मरीजों के उपचार संबंधी व्यवस्थागत दोषों एवं कमियों को जल्द से जल्द दूर करें और मानव संसाधन का उचित प्रबंधन करते हुए लोगों को तत्परता के साथ सहायता पहुंचाएं। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सतीश शर्मा संयुक्त कलेक्टर संदीप ठाकुर उपस्थित रहे।

आठ वेंटिलेटर पर इसका उपयोग नहीं सांसद ने कहां केंद्रीय मंत्री से बात करूंगा

वेंटीलेटर के बारे में कलेक्टर से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया बताया कि हमारे पास शासकीय 8 वेंटीलेटर हैं परंतु हम इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं इसका कारण यह है कि वेंटीलेटर का संचालन शासकीय नियमानुसार सिर्फ़ पीजी डॉक्टर और एमडी मेडिसिन वाले डाक्टर्स ही कर सकते हैं। इस वजह से हम इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। सांसद ने कहा कि इस विषय में स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा कर वह निवेदन करेंगे कि नियम में संशोधन कोरोनाकाल की स्थिति को देखते हुए किया जाए किसमें एमबीबीएस डॉक्टर व प्रशिक्षित टेक्नीशियन को भी वर्चुअल प्रशिक्षण कर इसके संचालन किया जा सके।

बेसहारा छोड़ अपनी कुर्सी बचाने में लगे सीएम राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी : सांसद बघेल

कोरोना महामारी के संबंध में जिला प्रशासन की तैयारियों और गतिविधियों की जानकारी लेने के बाद विजय बघेल ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी से लड़ने के लिए छत्तीसगढ़ में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। संक्रमणकाल में प्रदेश के सीएम अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ कर अपनी कुर्सी बचाने के लिए छत्तीसगढ़ की जनता को बेसहारा छोड़ कर दूसरे राज्य में एक-एक महीना चुनाव प्रचार करने चले जाते हैं। महामारी के दौर में हजारों लोगों को राजधानी के इंटरनेशनल स्टेडियम में इकट्ठा कर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का मैच आयोजित करवाते हैं। मुख्यमंत्री दुर्भावना के साथ सोनिया गांधी के सामने वैक्सीन की कमी का रोना रोते हैं लेकिन सोनिया गांधी को अपने स्वास्थ्य मंत्री के कारनामे नहीं बताते, जिन्होंने जानबूझकर वैक्सीन को तीन-तीन महीने तक डंप करके रखा और उसे जनता तक नहीं पहुंचने दिया जाता है यहां तक कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने स्वयं ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर वैक्सीन नहीं भेजने को कहा। जब राज्य स्वयं ही वैक्सीन भेजने के लिए केंद्र को मना करे और पुरानी वैक्सीन डंप करके रखे तो केंद्र सरकार द्वारा वैक्सीन की अगली खेप भेजे जाने का प्रश्न ही नहीं उठता था। छत्तीसगढ़ प्रदेश एक अ?ियल, अनुभवहीन और अकर्मण्य स्वास्थ्य मंत्री होने का खामियाजा भुगत रहा है और प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने स्वास्थ्य मंत्री की गलती को नजरअंदाज कर केंद्र सरकार पर दोषारोपण कर रहे हैं। प्रदेश में वैक्सीन की कमी के लिए स्पष्ट रूप से राज्य सरकार ही जिम्मेदार है लेकिन इसके बाद भी जैसे ही छत्तीसगढ़ से वैक्सीन भेजे जाने की मांग गई, केंद्र सरकार ने तत्परता के साथ वैक्सीन की आपूर्ति की है।

सूने मकान से घरेलू सामान व जेवर चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता < भिलाई
www.dailypioneer.com

खुर्सीपार के जोन-2 में एक सूने मकान में चोरी करने वाले दो बदमाशों को खुर्सीपार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों में एक अपचारी है। दोनों आरोपित खुर्सीपार के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी का घरेलू सामान और जेवर जब्त किया है। आरोपितों के खिलाफ चोरी की नीयत से भीतर प्रवेश करने और चोरी की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने जोन-2 खुर्सीपार निवासी राजन के घर के पर चोरी हुई है। वो बीते आठ अप्रैल को अपने आंख के आपरेशन के लिए दिल्ली गया हुआ था। उसने अपने घर के देखरेख की जिम्मेदारी अपने दोस्त शिकायतकर्ता एन मोहन राव को दी थी। शिकायतकर्ता ने 10 अप्रैल की रात को घर में जाकर देखा था तो वहां का सारा सामान ठीक था। अगली सुबह उसे जानकारी हुई कि राजन के घर का ताला टूटा हुआ है। शिकायतकर्ता ने वहां जाकर देखा तो घर में लगी एलईडी टीवी, इनवर्टर की बैटरी, गैस सिलिंडर, कूलर और सोने-चांदी के जेवर व कुछ नकदी नहीं थे। घटना की शिकायत के बाद खुर्सीपार पुलिस ने आरोपितों की पतासाजी शुरू की। पुलिस को जानकारी मिली कि खुर्सीपार के दो लड़के कुछ सामान बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। इस पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया। दोनों में से एक अपचारी था। वहीं दूसरा युवक खुर्सीपार निवासी हरिश कुमार साहू (20) था। पूछताछ में दोनों आरोपितों ने 10 अप्रैल की रात को जोन-2 में चोरी करने की बात स्वीकार की।

समाज के प्रति अपना दायित्व निभा रहे लोगो को प्रोत्साहित करने की जरुरत : योगेश तिवारी

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए किसान नेता योगेश तिवारी ने बेमेतरा शहरी क्षेत्र समेत ग्रामीण इलाकों को सेनेटाइज करने का बीड़ा उठाया है। अभियान के तहत पांच फील्ड टीम का गठन किया गया है। किसान नेता ने कहा कि सोमवार से सेनेटाइज करने के अभियान शुरू किया जाएगा। शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों को सेनेटाइज करने के लिए पांच वाहनों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि बेरला ब्लॉक में 2 टीम, रायपुर मार्ग स्थित गांवो के लिए 01 टीम, बेमेतरा व देवरबीजा क्षेत्र के गांवो के लिए 02 टीम एवं 01 टीम को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल की अवधि में बीते साल भी किसान योगेश तिवारी की ओर से बेमेतरा विधानसभा के शहरी व ग्रामीण इलाकों को सेनेटाइज किया गया था। इसलिए क्षेत्र की जनता के लिए अपने सामाजिक दायित्वों को समझते हुए इस बार भी सेनेटाइज करने का अभियान शुरू किया जा रहा है। ताकि संक्रमित स्थलों के सेनेटाइज होने से संक्रमण फैलने की संभावना खत्म हो जाए। सोडियम हाइपोक्लोराइट से सेनेटाइज किया जाएगा। महामारी में पिता को खोया, जनता के आशीर्वाद व दुआओं से बचा, किसान नेता ने बताया कि इस अभियान में महिला कमांडो, समाजसेवी व युवाओ का सहयोग लिया जाएगा। गांवो को सेनेटाइज करने रोजाना फोन आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस महामारी के कारण बीते साल अपने पिता को खोया है। बेमेतरा की जनता की सेवा करने के दौरान खुद पॉजिटिव हो गया था। क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद व दुआओं के कारण स्वस्थ्य होकर तन, मन व धन से फिर जनता की सेवा में लग गया हूं। बीते साल शहर समेत विधानसभा के सभी गांवो को किया गया सेनेटाइज योगेश तिवारी ने बताया कि बीते साल विघानसभा के सभी गांवो को सेनेटाइज किया गया था। उन्होंने कहा कि इस बार संक्रमण काफी तेज गति से फैल रहा है। प्रशसानिक स्तर पर शहर व गांवो को सेनेटाइज करने अब तक प्रभावी कदम नही उठाए गए हैं। पंचायतो को आदेश जारी कर खानापूर्ति कर ली जा रही है, इसके लिए अलग से कोई फण्ड जारी नही किया जा रहा है। अपना दायित्व निभा रहे लोगो को प्रोत्साहित करे, ना कि हतोत्साहित। किसान नेता ने बताया कि बीते साल सेनेटाइज अभियान पर कुछ जनप्रतिनिधियों ने सवाल उठाए थे। इससे अभियान से जुड़े ग्रामीण, समाजसेवी व महिला संगठन में खासी नाराजगी थी। उन्होंने कहा कि हर समय राजनीति करना ठीक नही है। समाज के प्रति अपना दायित्व निभा रहे लोगो को प्रोत्साहित करने की जरुरत है, ना कि हतोत्साहित। ऐसे जनप्रतिनिधि इस अभियान के साथ जुड़कर जन सेवा में अपनी भागीदारी निभाए।

स्वास्थ्य केंद्रों में कोविड-19 किट की कमी : जपं अध्यक्ष

पॉजिटिव मरीजों के परिजनों को दवा के लिए भी भटकना पड़ रहा

पायनियर संवाददाता < छुरिया
www.dailypioneer.com

जनपद अध्यक्ष किरण वैष्णव ने अपील करते हुए कहा कि कोविड से घबराने की जरुरत नही है। कोरोना गाइड लाइन का पालन करते हुए कोरोना मत देने की आवश्यकता है मीडिया से चर्चा करते हुए वैष्णव ने कहा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उपस्वास्थ्य केन्दों में कोविड जांच किट का अभाव है। कोरोना दवाई किट के लिए भी पॉजिटिव मरीजो को भटकना पड़ रहा है। मरीजों की जांच जरुर किया जा रही है लेकिन किट पर्याप्त मात्र में उपलब्ध नहीं हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि जांच में पाजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। कोविड की दवाई किट नही होने के कारण 25 किलोमीटर छुरिया तक सफर तय करना पड़ रहा है। छुरिया ब्लाक की सीमा महाराष्ट्र सीमा से लगी हुई है। जहां पुरी तरह लॉक डाऊन होने के कारण अन्य प्रांत मजदूरों की वापसी हो रही है। किट नही होने कारण सुबह से शाम तक जांच कराने में इंतजार करना पड़ा रहा। शासन द्वारा कोविड गाईड लाईन पालन करते हुए मजदूरों का कोविड टेस्ट किया जा रहा है। जिसमें अधिकांश लोग पाजिटिव पाए जा रहे हैं। इसके चलते गांव में दशहत का मौहाल बना हुआ है।

वैष्णव ने आगे कहा कि छुरिया ब्लॉक के कई गांव रेड जोन की स्थिति में आ गए हैं। वही कोविड सेंटरो में बेड का अभाव है। ब्लाक मुख्यालय में 50 बेड के स्थान पर 100 बेड का कोविड सेंटर होना चाहिए। वैष्णव ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि कोविड टेस्ट बढ़ाया जाये। स्वास्थ्य केन्द्रों में कोविड टेस्ट किट एवं दवाई पर्याप्त मात्रा में इंतजाम किया जाना जरुरी है। कोविड सेन्टर में डॉक्टर का इंतजाम किया जाये। साथ ही जिनकी उम्र 45 वर्ष पूर्ण हो चुकी है वे वैक्सीन सेंटर जाकर टीका अवश्य लगवाये।

चार कांग्रेसी पार्षद कोरोना संक्रमित

राजनांदगांव। नगर निगम राजनादगांव के पार्षद दल के प्रवक्ता ऋषि शास्त्री ने कई पार्षदो के कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में नगर निगम के चेयरमैन विनय झा, मधुकर बंजारी, भागचंद साहू एवं पार्षद शरद पटेल कोरोना संक्रमित पाए गए है जिन्हों ने खुद को होमाइसोलेट कर लिया है। पार्षदो के पॉजिटिव आने की सूचना जैसे ही महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख को मिली उन्होंने फोन के जरिये सभी से तबियत का हाल जाना साथ ही शीघ्र स्वस्थ होने कामना की है। पार्षदो ने सम्पर्क में आये लोगो को जांच करना एवं होमाइसोलेट होने का अनुरोध किया है। आम जनता से अपील की है कि सभी स्वस्थ रहे घर में सुरक्षित रहे वे जल्द ही ठीक होकर जनसेवा अपनी भूमिका निभाएंगे।

कलेक्टर ने सैम्पल देते समय सही मोबाइल नम्बर व पता बताने की अपील की

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जिलेवासियों से अपील की है कि कोरोना टेस्टिंग के दौरान सैम्पल देते समय अपना सही मोबाइल नम्बर व पता बताए। टेस्टिंग के दौरान भराए जाने वाले फार्म को गंभीरता और सावधानी के साथ भरें।

कई बार मोबाइल नंबर और पता सही नहीं होने की वजह से ट्रेसिंग में बहुत अधिक परेशानी होती है। मरीजों से तत्काल संपर्क नहीं हो पाता है साथ ही कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति अनेक व्यक्तियों के संपर्क में आ जाता है। गलत जानकारी देने के कारण प्रशासनिक अमले को भी कांटेक्ट ट्रेसिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कोविड-19 टेस्ट रिपोर्ट पॉजीटिव आने के उपरांत कम से कम समय में कांटेक्ट टेऐसिंग हो इसके लिए आवश्यक है कि मरीज अपना सही पता व मोबाइल नंबर फार्म में अंकित करें। कलेक्टर ने अपील कर कहा है कि टेस्टिंग के दौरान सैंपल देते समय सभी नागरिक अपनी जागरूकता का परिचय दें तथा कोरोना के लक्षण दिखने पर तत्काल अपना टेस्ट कराएँ ताकि समय रहते इलाज प्रारंभ हो सके तथा कोरोना के बढ़ते मामलों में नियंत्रण पाया जा सके।

जिले में अब तक 2 लाख 58 हजार 498 लोगों ने लगाया वैक्सीन

कोविड-19 से बचाव के लिए जिले में बढ़ी जागरूकता

राजनांदगांव। कोरोना की रोकथाम के लिए जिले के सभी विकासखंडों में वैक्सीनेशन का कार्य प्रगति पर है। जिले में कोविड-19 के केस बढ़े हैं। कोविड-19 से बचाव के लिए वैक्सीन रक्षा कवच की तरह है। बुजुर्गों एवं 45 वर्ष की आयु के नागरिक बड़ी संख्या में वैक्सीनेशन के लिए आगे आ रहे हैं और लोगों में जागरूकता बढ़ी है। जिले में अब तक 2 लाख 58 हजार 498 लोगों ने वैक्सीन लगा लिया है। जिले में अब तक 73.82 प्रतिशत लोगों ने वैक्सीन लगवा लिया है।

अंबागढ़ चौकी विकासखंड में 23 हजार 124, छुईखदान विकासखंड में 27 हजार 541, छुरिया विकासखंड में 36 हजार 961, डोंगरगांव विकासखंड में 26 हजार 67, डोंगरगढ़ विकासखंड में 30 हजार 595, खैरागढ़ विकासखंड में 27 हजार 306, मानपुर विकासखंड में 15 हजार 718, मोहला विकासखंड में 19 हजार 753, घुमका में 28 हजार 361 तथा राजनांदगांव विकासखंड में 23 हजार 72 लोगों ने वैक्सीन लगाया है।

उतई मुक्तिधाम में बाहर से शवों को लाने पर विवाद

पायनियर संवाददाता < उतई
www.dailypioneer.com

नगर के मुक्तिधाम में शव दाह करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं होने के बावजूद बाहर से कोरोना से मृतकों के शव को उतई मुक्तिधाम में दाह संस्कार करने के लिए लाया जा रहा है। इसका वार्डवासियों ने विरोध भी किया। इसके बाद किसी तरह से छह शवों को जलाया गया। वार्ड में मुक्तिधाम है उस वार्ड में रहने वाले रहवासी काविड-19 के शवों के लाने एवं यहां जलाने की जानकारी पर विरोध किया। उनका कहना है कि कोविड 19 पूरे प्रदेश में भयावह रूप से पैर पसार रहा है जिससे ज्यादा प्रभावित अनेक लोग मौत के आगोश में समा रहे है । जिससे मुक्तिधामों में भीड़ का माहौल देखते बनता है। लोग कितने दुखी व भयभीत है। जानकारी के अनुसार यह बात भी खुलकर आई है कि कोविड हवा के माध्यम से भी फैलकर आमजन को प्रभावित कर सकता है। ऐसी स्थिति में कोविड से ज्यादा प्रभावित मृतकों की बढ़ती संख्या के कारण उनका दाह संस्कार शहरों व आवासीय क्षेत्रों के बीच स्थित मुक्तिधामों में करना बीमारी को और ज्यादा बढ़ावा देना है और ऐसा करने से मुक्तिधाम के आसपास के रहवासी भी भय के माहौल में रहने व जीने को मजबूर है। जिला प्रशासन को चाहिए कि कोरोना से प्रभावित मृतकों का दाह संस्कार शहरी व आवासीय क्षेत्रों से दूर खुले क्षेत्रों में करें जहां से कम से कम ढाई किलोमीटर तक कोई आवासीय क्षेत्र ना हो। इसके लिए उतई अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधीश दुर्ग भूरे से मौखिक चर्चा हुई की, इस मामले पर भविष्य में कोई परेशानी ना बढ़े उसके मद्देनजर जिला प्रशासन व सरकार फैसला पूरे प्रदेश के मामले में ले। मृतकों का दाह संस्कार आवासीय क्षेत्र से बाहर करें।

उतई में भिलाई इस्पात संयंत्र की वाहन से आई छह लाशों के अंतिम संस्कार किया गया। दाह संस्कार में लगे शासकीय कर्मचारी व प्लेसमेंट कर्मचारी जान जोखिम में डाल कर शासन के आदेशों का पालन कर रहे है।

दाह संस्कार के समय नोडल अधिकारी अंकालू राम साहू, रोहित पटेल, राकेश साहू तोषण साहू प्लेसमेंट कर्मचारी रवि पटेल, झंकार साहू, दिलीप ढीमर लोकनाथ मौजूद थे। देर शाम और शव आने की जानकारी मिल रही है। इस विषय पर आमजनों में रोष व्याप्त है खासकर मुक्तिधाम से लगे आवासीय क्षेत्र के लोगों में ज्यादा ही डर व भय देखने को मिल रहा हैं।

कोविड केयर सेंटरों में आवश्यक व्यवस्था रखने दिए निर्देश

कलेक्टर महोबे ने टॉस्क फोर्स समिति की ली बैठक

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने कहा कि जिले में कोविड-19 हॉस्पिटल एवं कोविड केयर सेंटरों में आवश्यक व्यवस्था बनाए रखें। ऑक्सीजन सिलेण्डर, पर्याप्त दवाईयाँ, पल्स ऑक्सीमीटर सहित अन्य आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। महोबे शुक्रवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक में निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड हॉस्पिटल एवं कोविड केयर सेंटरों में अनावश्यक व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित है, जिसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो। कोविड-19 हॉस्पिटल एवं कोविड केयर सेंटरों में भर्ती मरीजों को दी जाने वाली भोजन गुणवत्तापूर्ण हो। उन्होंने पल्स ऑक्सीमीटर की उपलब्धता की जानकारी ली तथा बीपीएल श्रेणी के कोरोना संक्रमित मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों के स्वस्थ होने के उपरांत उनसे ऑक्सीमीटर वापस लिया जाए, ताकि अन्य मरीजों को ऑक्सीमीटर उपलब्ध हो सके। कलेक्टर ने कहा कि मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से कंटेनमेंट क्षेत्र एवं जहाँ अधिक संख्या में मरीज होम आइसोलेशन मे रह रहे हो, वहाँ पहुँचकर लोगों का काउंसलिंग कर उन्हें आवश्यक परामर्श दें। उन्होंने कहा कि मोबाइल मेडिकल यूनिट में पर्याप्त मेडिसिन, ऑक्सीमीटर सहित अन्य जॉच उपकरण उपलब्ध हो।

उन्होंने कहा कि 45 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को कोविड वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक करें। साथ ही लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु मास्क का उपयोग व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन दैनिक व्यवहार में लाने जागरूक करें। कलेक्टर ने दल्लीराजहरा में तैयार किए जा रहे कोविड केयर सेंटर की भी जानकारी ली और आवश्यक मूलभूत सुविधाए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिले में कोविड-19 की जॉच व टीकाकरण की प्रगति की भी जानकारी ली। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एसके सोनी ने बताया कि 45 वर्ष से अधिक उम्र के एक लाख 72 हजार 26 व्यक्तियों के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक एक लाख 30 हजार 825 व्यक्तियों का टीकाकरण किया जा चुका है, जो कि लक्ष्य का 76.05 प्रतिशत है। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं कोविड-19 टीकाकरण के जिला नोडल अधिकारी अभिषेक दीवान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपी मेश्राम, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

85 स्थलों में 45 वर्ष से अधिक उम्र के सभी नागरिकों का किया जाएगा टीकाकरण

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

जिले में कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 18 अप्रैल को कुल 85 सत्र स्थलों में 45 वर्ष से अधिक उम्र के सभी नागरिकों का कोविड टीकाकरण किया जावेगा। जिसमें विकासखण्ड बालोद अन्तर्गत टाउन हॉल, दल्ली रोड बालोद, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करहीभदर, पीपरछेड़ी, लाटाबोड़, ज. सांकरा व हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर परसदा, जमरूवा, पोण्डी, भोथली, हर्राठेमा, निपानी, बरही, तरौद, कोहंगाटोला, बघमरा,बेलमाण्ड, दरबारी नवागांव, शासकीय प्राथमिक शाला पाररास, बालमंदिर स्कूल बालोद, विकासखण्ड डौण्डी में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डौण्डी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिखलाकसा, घोटिया, सुरडोंगर, आमाडुला, उपस्वास्थ्य केन्द्र गुजरा, कुसुमकसा, नर्राटोला,मिरीटोला, साल्हे, बीएसपी अस्पताल दल्लीराजहरा व शहीद अस्पताल दल्लीराजहरा, विकासखण्ड डौण्डीलोहारा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डौण्डी लोहारा, देवरी बंगला, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुरेगांव, अरजपुरी, मंगचुआ, दुबचेरा, नाहंदा, संजारी, पिनकापार, भंवरमरा तथा हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर खेरथाबाजार, घीना व रानीतराई रोड, विकासखण्ड गुण्डरदेही में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुण्डरदेही, अर्जुन्दा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुरदी, सांकरी, माहुद बी, बेलोदी, रनचिरई, कलंगपुर, गुरेदा, भरदाकला, खुरसुनी, उप स्वास्थ्य केन्द्र कचांदुर, सिकोसा, पैरी, चंदनबिरही, तवेरा, गब्दी, देवरी द, कोटगांव, डुण्डेरा, मटिया, भाठागांव, जोरातराई, रजोली, खप्परवाड़ा, गोरकापार व सकरौद में सत्र आयोजित किया जावेगा। इसी प्रकार विकासखण्ड गुरूर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुरूर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पुरूर, पलारी, बोड़रा, अरमरीकला तथा हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पेण्डरवानी, हितेकसा, करेंझर, सोरर, अरकार, बासीन व दर्रा में कोविड टीकाकरण सत्र आयोजित किया जावेगा।

डेडिकेटेड कोविड केयर हास्पिटल और कोविड केयर सेंटर्स में-185 आक्सीजन युक्त बेड की सुविधा उपलब्ध

16 अप्रैल की स्थिति में- 75 बेड रिक्त - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जांजगीर

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

जांजगीर-चांपा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस आर बंजारे ने बताया कि जिले में कोविड मरीजों के इलाज के लिए जिला अस्पताल स्थित डेडिकेटेड कोविड केयर हास्पीटल और कोविड केयर सेंटर में कुल 185 आक्सीजन सुविधा युक्त बेड है। उन्होंने बताया कि इनमें से 16 अप्रेल शुक्रवार की स्थिति में 75 बेड खाली थे,डॉ बंजारे ने कहा कि जिले में कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए आक्सीजन युक्त बेड की फिलहाल कोई कमी नहीं है। कलेक्टर यशवंत कुमार के निर्देश पर जिले में कोविड मरीजों को बेहतर उपचार मुहैया कराने और उन्हें कोविड केयर सेंटर में आवश्यकतानुसार आक्सीजन युक्त बेड की सुविधा देने जि़ला स्तरीय आक्सीजन समिति का गठन किया गया है,कोविड अस्पताल और कोविड केयर सेंटर्स में- 938 बेड खाली,

288 मरीजों का उपचार जारी

कुल 185 आक्सीजन युक्त बेड में से - 75 बेड रिक्त है, कलेक्टर यशवंत कुमार के मार्गदर्शन में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए कोविड अस्पताल और 13 कोविड केयर सेंटर्स में कुल-1,300 बेड की व्यवस्था की गई है। इनमे से 185 बेड में आक्सीजनयुक्त है। आवश्यकतामंद - 110 मरीजों का आक्सीजन सुविधा युक्त बेड में उपचार किया जा रहा है। इस प्रकार कुल 288 मरीजों का उपचार किया जा रहा है, और अभी- 938 बेड खाली है। कलेक्टर यशवंत कुमार के मार्ग-दर्शन में आक्सीजन बेड की संख्या बढ़ाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए आक्सीजन समिति का गठन किया गया है,सीएमएचओ से जारी प्रेस नोट के अनुसार कि 16 अप्रैल की स्थिति में जिला अस्पताल परिसर के ईसीटीसी में 80 बेड हैं, इनमें कुल 76 मरीज भर्ती है शेष 3 बेड रिक्त है। ईसीटीसी में भर्ती मरीजों में से आयीसीयू में 08 एचडीयू में 17 और आक्सीजन बेड में 53 मरीजों का उपचार जारी है। इसी प्रकार आकांक्षा आवासीय परिसर में 100 बेड उपलब्ध है, इनमें 90 मरीज भर्ती हैं। इनमें 25 आक्सीजन बेड में से 15 बेड में उपचार किया जा रहा है ?। 10 आक्सीजन बेड रिक्त है। शेष 75 बेड सामान्य वार्ड में मरीज भर्ती हैं, शासकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास धौराभाठा डभरा में कुल बेड 100 उपलब्ध है 72 पर उपचार किया जा रहा है, 28 बेड रिक्त है, यहां उपलब्ध सभी 05 आक्सीजन बेड रिक्त हैं। आइशोलेसन सेंटर जेठा सक्ती में - 50 उपलब्ध है जिसमें 26 मरीज भर्ती हैं एवं 24 बेड रिक्त है, यहां आक्सीजनयुक्त उपलब्ध 10 बेड में सें 7 में मरीजों का उपचार किया जा रहा है। शेष 3 आक्सीजन बेड हैं। दिव्यांग छात्रावास जांजगीर में - 100 बेड उवलब्ध हैं। इनमें से 20 बेड आक्सीजनयुक्त है। यहां सामान्य वार्ड और आक्सीजन बेड में एक-एक मरीज भर्ती हैं। आईटीआई महुदा-बलौदा में 150 बेड उपलब्ध है जिसमें 69 पर मरीज भर्ती है, 71 रिक्त है। यहां उपलब्ध सभी 10 आक्सीजन बेड में मरीज भर्ती हैं। शासकीय बेदराम महाविद्यालय पिहरीद मालखरौदा में 100 बेड में से सामान्य वार्ड के 95 सभी बेड रिक्त है। आक्सीजन युक्त 05 बेड में से एक में मरीज का उपचार किया जा रहा है। कन्या छात्रावास बिर्रा बम्हनीडीह में उपलब्ध 100 में से 05 आक्सीजनयुक्त है। सभी रिक्त हैं। इसके अलावा कृषि महाविद्यालय छात्रावास जांजगीर में 35 बेड, शासकीय एमएमआर कॉलेज चांपा मे 100,एकलव्य विद्यालय पलारीखुर्द में 150, कन्या छात्रावास बिर्रा बम्हनीडीह में 100, बालक छात्रावास गुजकुलिया जैजैपुर में 70, आईटीआई कुलीपोटा में 100, और आईटीआई अकलतरा में 100 बेड की व्यवस्था कोविड संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए की गई है। सभी बेड रिक्त हैं। उक्त आशय की जानकारी जिला जनसंपर्क कार्यालय जांजगीर चांपा द्वारा दी गई है।

मेडिकल कॉलेज में अव्यवस्था के चलते मौत का लग रहा आरोप, पत्रकारों ने की जांच की मांग

पत्रकार रंजीत सिंह का निधन

पायनियर संवाददाता ◀ रायगढ़
www.dailypioneer.com

सारंगढ़ के युवा पत्रकार, समाजसेवी, प्रखर वक्ता, ईमानदार और सच्चाई का मिशाल कहलाने वाले रंजीत सिंह ठाकुर का निधन देर रात मेडिकल कॉलेज में हो गया। कोरोना संक्रमित होनें के चलते पहले वह घर में तीन दिन तक होम आईसोलेशन में रहे। उसके बाद तबियत ज्यादा खराब होनें के चलते उन्हें रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया और दो दिन बाद उनकी मौत हो गई। मौत से पहले उन्होंने जिले के वरिष्ठ पत्रकार नरेश शर्मा सहित अपने साथियों को व्हाट्सअप पर मैसेज के जरिए मेडिकल कालेज में सही ढंग का खाना नहीं मिलने सहित ईलाज में भारी लापरवाही से अवगत कराया था और यह भी कहा था कि उसके हाथ पैर कांप रहे हैं। ऑक्सीजन लगाने के बाद कोई उसके पास दवा व सुई लगाने नहीं आ रहा है और आखिरकार रंजित की मौत हो गई। इस मौत के बाद सारंग? के पत्रकारों में गहरा रोष व्याप्त है। वहीं प्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष नरेश शर्मा ने भी जिला प्रशासन से इस मामले में जांच की मांग की है। चूंकि अगर रंजित की मौत ईलाज में लापरवाही के चलते हुई है तो मेडिकल कॉलेज में खराब व्यवस्था को दुरूस्त करने की आवश्यकता है। उनका कहना है कि रायगढ़ जिले में तेजी से कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है और लॉकडाउन का भी असर न के बराबर हो रहा है और ऐसे में मरीजों का इलाज भी सही ढंग से न हो तो सवाल उठना लाजमी है। रायगढ़ में व्हाट्सअप पर रंजित के बीते दोपहर को भेजे गए मैसेज में यह बात भी सामने आई थी कि उसकी तबियत लगातार खराब हो रही है, हाथ पैर कांप रहे हैं जिसको लेकर मेडिकल कॉलेज स्टाफ से उनकी बहस भी हुई थी। रंजीत सिंह ठाकुर की मौत की खबर से सारंग? स्तब्ध हो गया है। वैसे ही हृदय विदारक घटना पवन केजरीवाल के चले जाने से हुई थी। स्वर्गीय रंजीत सिंह ठाकुर को चाहने वालों ने व्हाट्सएप, फेसबुक में अपना भाव प्रकट करते रहे।

पत्रकार रंजित के निधन के बाद रायगढ़ प्रेस क्लब के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष नरेश शर्मा, पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष यशवंत सिंह ठाकुर, भरत अग्रवाल, ओमकार केशरवानी, गोपेश रंजन द्विवेदी, मिलाप बरेठ, गोल्डी नायक, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष विजय तिवारी, प्रकाश चौधरी और अन्य अधिवक्ता व पत्रकार सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित किया। इन सभी पत्रकारों ने जिला कलेक्टर भीम सिंह से यह अपील की है कि पत्रकार रंजित की मौत इस बात को इशारा कर रही है कि मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों की हालत काफी खराब है, सही वक्त में इलाज तो दूर उनको खाना भी नहीं मिल पा रहा है।

कलयुगी बेटे ने की वृद्ध मां की हत्या

पीएम रिपोर्ट से हुआ खुलासा, आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया रिमांड पर

पायनियर संवाददाता ◀ रायगढ़
www.dailypioneer.com

महज घर में पूजा कराने की बात को लेकर मां से विवाद के बाद नसड़ी बेटे ने क्षुब्ध होकर डंडे से पीट-पीटकर मां की निर्मम हत्या कर दी। कलयुगी बेटे ने हत्या के बाद घटना को छिपाने का भी प्रयास किया। पूछताछ में खुलासा होनें के बाद पुलिस ने आरोपी पुत्र को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गत 12 अप्रैल को थाना सारंगढ़ अन्तर्गत ग्राम मौहाढोडा में रहने वाली मोदो बाई सांवरा पति स्व. आंनदराम सांवरा उम्र 80 वर्ष को इलाज के लिए सीएचसी सारंगढ़ में लाया गया था, डॉक्टर द्वारा मोदो बाई को चेक करने पर मौत हो जाना बताने पर अस्पताली तहरीर पर थाना सारंगढ़ में मर्ग कायम कर जांच पंचनामा कार्रवाई में लिया गया। मर्ग जांच दौरान मृतिका के बेटे नंद गोपाल सांवरा (35) द्वारा उसकी मां की मृत्यु गिरने से सिर में चोट लगाने से होना बताया था।

शव के पीएम रिपोर्ट पर सिर में आई गंभीर चोंट से अधिक रक्तस्त्राव होने एवं प्रकृति हत्या होना लेख किए जाने पर थाना प्रभारी सारंगढ़ निरीक्षक गौरीशंकर दुबे द्वारा संदेह के आधार पर मृतिका के बेटे नंद गोपाल सांवरा से पूछताछ किया, नंद गोपाल पहले कि तरह उसकी मां की मौत गिरने से आई चोट के कारण बताकर पुलिस को गुमराह कर रहा था, जब उससे कड़ी पूछताछ की गई तो उसने अपनी मां की हत्या करना कबूल कर बताया कि उसकी मां मृतिका मोदो बाई सांवरा घर में सुख शांति के लिए कई दिनों से पूजा पाठ कराने के लिए बोल रही थी, मां की बात को अनसुना कर देता था। 12 अप्रैल को शराब पिया हुआ था, जिसे पर मां कहने लगी कि पूजा कराने कह रही हूं, मान नहीं रहे हो और शराब पीकर गांव में घूम रहे हो। मां की बातों को सुनकर गुस्से में जाओ पूजा नही कराऊंगा कहकर झगडा विवाद किया और डंडा से उसकी मां के सिर में मारकर उसकी हत्या कर दिया। मर्ग जांच में घटना के बाद हत्या को दुर्घटना का रूप देने मृतिका की मौत गिरने से सिर मे चोंट आना कहकर आरोपी द्वारा साक्ष्य छिपाया गया।

मर्ग जांच पर से 15 अप्रैल को आरोपी नंद गोपाल सांवरा के विरूद्ध धारा 302, 201 ताहि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

महामारी से लड़ने भूपेश सरकार नाकाम : प्रशांत सिंह ठाकुर

सरकार की असफलता के विरोध में प्रशांत ने किया अनोखा प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ में कोरोना के बढ़ते मामले और सरकार की भूमिका से असंतुष्ट जांजगीर के भाजपा नेता प्रशांत सिंह ठाकुर ने 16 अप्रैल को एक अनोखा प्रदर्शन कर विरोध व्यक्त किया, कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए उन्होंने अपने निवास में ही सरकार विरोधी प्रदर्शन किया, प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने बताया कि सरकार अपनी भूमिका से विमुख हो किस प्रकार सो रही है, उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में कोरोना का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। मृत्यु दर और पाजिटिव्ह मरीजों के मामले में हमारा प्रदेश देश के प्रमुख राज्यो में गिना जा रहा है और दुर्भाग्य है कि सरकार जन अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखा रही है। प्रदेश के हर जिले से प्रतिदिन महामारी के इलाज में लापरवाही बरतने सम्बन्धी समाचार सामने आ रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कल ही जांजगीर में ऑक्सीजन की कमी के चलते मौत हुई है। बाकी जिलों में भी ऑक्सीजन, बेड, दवाई के साथ स्वास्थ्य कर्मियों की कमी बनी है। लगभग 2 माह से दुर्ग-रायपुर में केस बढ़ रहे थे, तब सरकार क्रिकेट करा रही थी। जब लोगों को मुखिया की जरूरत थी वो चुनाव कराने असम गए थे। अभी जब केस बड़ गया तब वे लौटे हैं, पर हालत देखकर लगता नहीं कि वो सक्रिय हैं। ऐसा लगता है कि चुनाव की थकावट के चलते वे गहरी निंद्रा में हैं,उन्होंने आगे कहा कि सरकार गहरी निंद्रा से जागे और अपनी भूमिका में आये।

वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष के कोठार से 14 बल्ली लकड़ी जप्त ग्रामीणों की शिकायत पर वनविभाग की कार्रवाई

रायगढ़। रायगढ़ पूर्वी अंचल के वन प्रबंधन समिति महापल्ली के अध्यक्ष शिशुपाल गुप्ता द्वारा जंगल से कटे हुए बल्ली 14 नग लाए जाने की शिकायत पर वन विभाग रायगढ़ के वनपरिक्षेत्राधिकारी आरके साहू व उनकी टीम ने मौके पर जाकर जप्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस सम्बंध में वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने वन समिति के अध्यक्ष शिशुपाल गुप्ता को महापल्ली जंगल से अपने ट्रेक्टर में 14 नग बल्ली लोड करते पकड़ लिया। जिसे अध्यक्ष ने यह कहकर अपने घर कोठार में ले आया कि यह अज्ञात व्यक्तियों द्वारा काट दिया गया था। जिसे वन रक्षक को जानकारी देकर इसे उठवा रहा हूं। ग्रामीणों ने इसे सिरे से खारिज करते हुए अध्यक्ष द्वारा कटवा कर बेचने का आरोप लगाया। वहीं वन विभाग के कर्मचारियों ने विधिवत कार्रवाई करते हुए ट्रेक्टर सहित 14 नग बल्ली को जप्त कर रायगढ़ डिपो में लाया गया है। वहीं समिति अध्यक्ष के खिलाफ ग्रामीणों में रोष व्याप्त है तथा पद से पृथक कर नए वन प्रबंधन समिति के गठन की मांग भी कर रही है।

छत्तीसगढ़ के नवगठित जीपीएम जिले में कोविड का बढ़ता संक्रमण

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश व इसके अन्य जिलों के साथ-साथ नवगठित गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही आदिवासी बाहुल्य जिले में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है। इसके परिणामस्वरूप शासन-प्रशासन पूरी तीव्रता के साथ कोरोना के प्रसार को रोकने में लगा हुआ है, किंतु जिले में आपातकालीन स्थिति के लिए वेन्टीलेटर की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

इस संबंध में कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने अपने संसदीय क्षेत्र के जीपीएम जिला चिकित्सालय हेतु वेन्टीलेटर की स्वीकृति प्रदान करने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव को पत्र लिखा है। सांसद ने सिंहदेव को अवगत कराया है कि पूर्व में दूरभाष के माध्यम से शासन-प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से जिले की स्वास्थ्य संबंधी अद्यतन जानकारी ली थी और उस समय भी वेन्टीलेटर की मांग की गई थी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज गुप्ता के द्वारा भी जिला चिकित्सालय हेतु मुझे पत्र लिखकर वेन्टीलेटर की मांग की गई है। सांसद ने वर्तमान समय एवं जिले में आपातकालीन सुविधा के अभाव को देखते हुए जिला चिकित्सालय हेतु वेन्टीलेटर की अविलंब स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया है। उक्त पत्र आवश्यक कार्यवाही हेतु जीपीएम कलेक्टर को भी सांसद द्वारा प्रेषित किया गया है।

चोड़ा में 200 बेड का कोविड अस्पताल बनकर है तैयार

कलेक्टर ने निरीक्षण कर ऑक्सीजन सिलेंडर सहित जरूरी संसाधन व्यवस्थित करने के दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता ◀ रायगढ
www.dailypioneer.com

खरसिया से पांच किलोमीटर दूर चोड़ा में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए 200 बेड का अस्पताल बनकर तैयार है। कलेक्टर ने निरीक्षण कर यहां ऑक्सीजन सिलेंडर सहित जरूरी संसाधनों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ डॉ.रवि मित्तल भी इस दौरान साथ रहे।

चोंड़ा में हाल ही में आदिवासी बालक छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। हॉस्टल के भूतल और प्रथम तल में 2 हॉल सहित 15 से ज्यादा कमरे हैं। वर्तमान में कोरोना वायरस संक्रमित की संख्या बढने और उन्हें इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर सिंह ने बालक छात्रावास को कोविड अस्पताल बनाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए थे। नवनिर्मित कोविड अस्पताल तैयार होने पर उन्होंने कोविड अस्पताल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने भूतल के हाल और कमरों का निरीक्षण करने के साथ प्रथम तल के हॉल और कमरों का निरीक्षण किया। हॉस्टल में हॉल के अलावा भूतल में एक बड़ा किचन भी है। इसी तरह कमरों की साइज और हॉल के साइज को देखते हुए यहां 200 बेड का अस्पताल बनाया जा सकता है। कलेक्टर ने कहा कि ऊपर और नीचे हॉस्टल में किचन के साथ कमरे होने के कारण या कोविड अस्पताल के लिए पर्याप्त सुविधा है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में प्रथम तल के हाल और कमरों में मरीजों के लिए 100 बेड लगा दिया गया है। कलेक्टर ने ऑक्सीजन सिलेंडर, दवाइयां सहित मरीजों के इलाज के लिए जरूरी संसाधन अस्पताल में व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि खरसिया क्षेत्र से कोविड संक्रमित मिलने पर उन्हें यही एडमिट कर इलाज किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने 100 बेड के साथ इलाज मरीजों का इलाज शुरू करने और 100 बेड अतिरिक्त रखने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में ही कुछ दूरी पर नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टर भी बनकर तैयार है।

रजघट्टा वासियों को फरवरी का नहीं मिला राशन सोसायटी संचालक की मनमानी से त्रस्त ग्रामीण

पायनियर संवाददाता ◀ रायगढ़
www.dailypioneer.com

कलेक्टर भीम सिंह जरूरतमंदों को अपने हाथों से राशन वितरण कर असहायों की मदद के लिए प्रेरणा दे रहे हैं। वहीं उन्हीं के जिले में जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को फरवरी माह का पीडीएस राशन भी नहीं मिल पाया है। यह मामला खरसिया ब्लॉक के ग्राम पंचायत रजघट्टा का है।

यहां पीडीएस राशन वितरण को लेकर अक्सर विवाद की स्थिति बनी रहती है। बताया जा रहा है कि पूर्व में पंचायत के रहवासियों को अन्य पंचायत द्वारा राशन वितरण किया जाता था। वहीं लापरवाह पीडीएस संचालक ने किन्हीं कारणों से फरवरी माह का राशन लगभग आधे ग्रामीणों को वितरित ही नहीं किया। हालांकि अब राशन वितरण का जिम्मा रजघट्टा पंचायत को ही दे दिया गया है, लेकिन यह समझना कठिन है कि जब मार्च और अप्रैल का राशन वितरित कर दिया गया तो फरवरी माह का बकाया राशन ग्रामीणों को क्यों नहीं दिया जा रहा है।

फूड इंस्पेक्टर ने दी सफाई

इन विसंगतियों को लेकर जब फूड इंस्पेक्टर शैलेंद्र एक्का से बात की गई तब उन्होंने फरवरी माह के राशन का वितरण पूर्ण रूप से ना होना स्वीकार किया। वहीं कहा कि प्रयास किया जाएगा कि मई माह में बकाया वितरण कर दिया जाए। साथ ही बताया कि भंडारण के लिए अक्सर सरपंच पति एवं सचिव उपलब्ध नहीं होते, ऐसे में राशन वितरण प्रभावित हो रहा है।

मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा ने की थी लोगों से ऑक्सीजन सिलेंडर देने अपील

मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा को शहर के सेवाभावी परिवारों ने दिए 5 ऑक्सीजन सिलेंडर

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ति
www.dailypioneer.com

शक्ति शहर में सेवा कार्य एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाली संस्था मारवाड़ी युवा मंच को शहर के सेवाभावी परिवारों ने पांच ऑक्सीजन सिलेंडर दान दिया है, तथा विगत दिनों मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा के अध्यक्ष मनीष कथूरिया एवं ऑक्सीजन सिलेंडर प्रभारी कैलाशचंद्र अग्रवाल द्वारा वर्तमान कोविड-19 की परिस्थितियों को देखते हुए ऑक्सीजन सिलेंडर सेवा को विस्तारित करने की बात कही थी, जिस पर शहर के सेवाभावी परिवार खुशीराम गोवर्धन प्रसाद अग्रवाल के संचालक एवं कट्टर महंत समर्थक उगेंद्र अग्रवाल पप्पू ने अपने पूज्य पिता स्व. गोवर्धन प्रसाद अग्रवाल की स्मृति में एक नग ऑक्सीजन गैस सिलेंडर, शक्ति एवं रायपुर शहर के प्रतिष्ठित सिंघल ब्रदर्स के संचालक नागरमल अग्रवाल, कैलाश चंद्र अग्रवाल एवं सजन अग्रवाल ने अपने पूज्य पिता स्व. गोपीराम अग्रवाल एवं माता स्व. चमेली देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में एक नग ऑक्सीजन सिलेंडर, शक्ति शहर के प्रतिष्ठित साई बाबा बोरवेल्स एवं अभिषेक फ्लेक्स के संचालक ठाकुर राजेश सिंह ने अपनी पूज्य दादी स्व. चमेली देवी की स्मृति में एक नग ऑक्सीजन सिलेंडर, शक्ति शहर की प्रतिष्ठित फर्म खुशीराम बेनी प्रसाद अग्रवाल के संचालक बेनी प्रसाद अग्रवाल, निलेश अग्रवाल एवं सी एस शैलेष अग्रवाल की तरफ से एक नग ऑक्सीजन सिलेंडर तथा शक्ति शहर की प्रतिष्ठित फर्म प्रेमनारायण गुप्ता के संचालक शिव कुमार गुप्ता, सौरभ गुप्ता एवं गौरव गुप्ता की ओर से स्व. प्रेमनारायण गुप्ता जी एवं स्व. रुकमणी देवी की स्मृति में एक नग ऑक्सीजन गैस सिलेंडर मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा को देने की घोषणा की है, तथा मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा द्वारा अपनी ऑक्सीजन सिलेंडर एवं ऑक्सीजन मशीन की सेवा को विस्तारित करते हुए सेवाभावी परिवारों के सहयोग से यह सकारात्मक पहल की गई है, तथा मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा में व्हीलचेयर, हॉस्पिटल बेड, पानी वाला गद्दा, वाकर भी निशुल्क सेवाओं के रूप में उपलब्ध करवाया जा रहा है। मारवाड़ी युवा मंच शाखा के व्हीलचेयर प्रभारी गजेंद्र डालमिया गज्जू द्वारा 17 अप्रैल को एक नया वाकर मंच की ओर से खरीद कर इस वाकर सेवा को भी विस्तारित किया गया है, तथा मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा ने लोगों से आग्रह किया है कि जरूरत पड़ने पर लोग मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा के अध्यक्ष मनीष कथूरिया संपर्क नंबर 7000863563, ऑक्सीजन गैस सिलेंडर प्रभारी कैलाशचंद्र अग्रवाल के संपर्क नंबर 9300273316 एवं व्हीलचेयर प्रभारी गजेंद्र डालमिया गज्जू के मोबाइल नंबर 7691968541 पर संपर्क कर उपरोक्त समस्त सेवाओं का निशुल्क लाभ ले सकते हैं।

रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर घबराहट न फैलाएं- कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार ही करें उपयोग

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. ओ पी सुंदरानी ने कहा कि हर कोविड पॉज़िटिव मरीज को रेमडेसिविर इंजेक्शन की आवश्यकता नही होती है । इस से केवल मॉडरेटली सीवियर और सीवियर कोविड मरीजों को लाभ हो सकता है-पर यह भी दावे से नही कह सकते कि रेमडेसिविर लगाने से मरीज ठीक ही हो जाएगा या नही लगेगा तो ठीक नही होगा। ऐसा किसी रिसर्च में प्रमाणित नही हुआ है। बिना रेमडेसिविर के भी बहुत मरीज़ ठीक होते हैं और रेमडेसिविर लगा कर भी कई मरीज ठीक नही हो पाते हैं। इसलिए इस इंजेक्शन को लेकर ज्यादा घबराने की जरूरत नही है। इस दवाई से कुछ मरीजों में रिकवरी तेज हो जाती है यह पता चला है- पर ऐसा कुछ ही मरीज़ों में हुआ है। उन्होंने कहा कि मरीज़ अपनी मर्जी से यह इंजेक्शन न लगाएं, यह चिकित्सक के ऊपर छोड़ दें, जो उन्हे बेहतर इलाज लगेगा वे करेंगे। डॉ. प्रणीत फटाले, सब रिजनल टीम लीडर विश्व स्वास्थ्य संगठन -एन पी एस पी का कहना है कि रेमडेसिविर इंजेक्शन का उपयोग कोविड 19 के मरीजों पर कितना प्रभावी होता है और किन मरीजों पर इसका असर सकारात्मक होता है, इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कराए गए परीक्षण में यह पाया गया कि इस इंजेक्शन के उपयोग से मरीजों की मृत्यु दर, मेकेनिकल वेंटीलेशन ,क्लिनिकल सुधार ,अस्पताल में रूकने की अवधि आदि पर भी कोई महत्वपूर्ण परिणाम नही दिखा है। उपलब्ध डाटा के आधार पर यह नही कहा जा सकता कि यह मरीज की संपूर्ण स्थिति में सुधार लाता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी एक स्टडी अनुसार कोविड-19 के उपचारों के संबंध में किए गए सबसे बड़े ट्रायल में भी रेमडेसिविर से बीमारी के दौरान या मृत्यु पर कोई परिमेय प्रभाव देखने को नहीं मिला है। केन्द्र शासन ने भी हाल ही में इस दवाई के अंधाधुध उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि डॉक्टरों को इसका उपयोग नैशनल कोविड प्रोटोकाल के अनुसार एवं केवल आक्सीजन सपोर्ट वाले मरीजों पर सोच-समझ कर करना चाहिए। यह एक इंवेस्टिगेशनल दवाई है।

महामारी के बीच तत्काल यात्रा की योजना बना रहे हैं तो टिकट बुक करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें

आपकी यात्रा सुरक्षित हो

दिनेश कुमार कोठा

भारत विभिन्न संस्कृतियों वाला देश है और इसकी सुंदरता का पता लगाने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है ट्रेन की सवारी जो इसकी सुंदरता को जानने का अद्भुत अनुभव प्रदान करती है। जैसे ही आप रेलवे स्टेशन में प्रवेश करते हैं, आपको कई विक्रेताओं द्वारा अपने उत्पादों को बेचते, विभिन्न प्रकार की गाड़ियों को प्लेटफार्मों से निकलते और प्रवेश करते और आगे-पीछे चलने वाले लोगों को अपने रिश्तेदारों को छोड़ने / अगवानी करने के अद्भुत नजारे नजर आते हैं। आधुनिक समय की जरूरतों को पूरा करने के लिए, भारत में ट्रेनें सीसीटीवी कैमरे, बायो-टॉयलेट और इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस हैं, जिससे यात्रियों को सबसे अधिक आराम मिलता है। हालांकि यह सब आपको अभी से ट्रेन में चढ़ने के लिए उत्साहित कर सकता है, मगर कोविड-19 के कारण ट्रेन यात्रा का अधिकांश अनुभव बदल गया है।

महामारी के कारण धड़कने तक के लिए तैयार नहीं, भारतीय रेलवे को सामाजिक दूरी को बढ़ावा देने व संक्रमण के प्रसार पर निगरानी रखने के लिए कुछ नियमों को लेकर आना पड़ा। इस वजह से, ट्रेन की यात्रा का ग्लैमर और आकर्षण वो नहीं रहा जो हुआ करता था। इसका मतलब है कि खाने की बिक्री करने वाले फेरीवालों के प्रवेश पर प्रतिबंध, आनंददायी सवारी के बीच में कुछ व्यवधान आदि होना नयी उभरती सहजता हैं। यह सब जानने के बाद भी, यदि आपके पास तत्काल यात्रा की योजना है और आपने सवारी के लिए 'ट्रेन' को अपना माध्यम चुना है, तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको टिकट बुक करते समय करने या जानने की आवश्यकता है।

■ समय से पहले अपनी यात्रा की योजना बनाएं

कोविड छद्म नहीं है और इसे अन्यथा नहीं माना जाना चाहिए। यदि आप अपने चुने हुए गंतव्य पर एक होटल में रहना चाहते हैं, तो आपको कोविड प्रोटोकॉल के माध्यम से जांच करना चाहिए और सबसे सुरक्षित विकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए। भारी भीड़ के साथ घुलने-मिलने से बचने के लिए ऑफ-सीजन की तारीखों (सप्ताह के दिनों) में जाने की भी सिफारिश की गई है। इसके अलावा, आपको उन स्थानों का मानचित्रण करना चाहिए जहां आप यात्रा करना चाहते हैं और एक विजेता की तरह संक्रमण से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

■ अब 'अनारक्षित यात्रा' की सुविधा नहीं रही

अत्यधिक भीड़भाड़ वाली ट्रेनों से बचने और संक्रमण के प्रसार को घटाने के लिए, ट्रेनें अब बिना आरक्षण कराए यात्रा की अनुमति नहीं देती हैं। अनारक्षण वाली ट्रेनों में सवार होने का एकमात्र तरीका है, कि आपके आप ट्रेन में सीट आरक्षित हो, जिसमें आपके सामने नो एंट्री लिखा होता है। इसलिए, सुनिश्चित करें कि आपके पास अपने गंतव्य की यात्रा करने के लिए एक कन्फर्म ट्रेन टिकट है।

■ कोविड प्रोटोकॉल के बारे में जानें

अपने नागरिकों व यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, कई राज्य सरकारों ने अपने कोविड प्रोटोकॉल अपडेट किए हैं। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु सरकार ने राज्य में आने से कुछ दिन पहले अनेक भारतीय क्षेत्रों के यात्रियों को ऑनलाइन पंजीकरण करने के लिए प्रशिक्षित किया है। किसी भी नियम को तोड़ने और अपनी यात्रा के खराब होने से बचने के लिए आपको अपने चयनित गंतव्य द्वारा सूचीबद्ध समस्त दिशानिर्देशों की जांच करनी चाहिए।

■ अपना पूरा पता बताएं

इससे पहले, ट्रेन टिकट बुक करते समय अपना पता विवरण बताने की कोई आवश्यकता नहीं होती थी। लेकिन अब हमारे सिर पर कोविड के मंडराने से, गाड़ियों पर भी प्रकोप / नए रेड जोन का खतरा काफी आसन्न है। इसलिए, यात्रियों को भारतीय रेलवे को अपना सही और पूर्ण पता विवरण प्रदान करना होगा ताकि वे जरूरत पड़ने पर उनका पता लगा सकें।

■ अपना आरटीपीसीआर टेस्ट करवाएं

जैसा कि अधिक से अधिक कोविड संक्रमित मामलों ने हमारे देश को घेर लिया है, ऐसे में भारतीय रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे ट्रेन में सवार होने के 72-96 घंटों के भीतर अपना आरटी-पीसीआर परीक्षण करवाएं, जो गारंटी देता है कि व्यक्ति, अन्य यात्रियों के लिए एक स्वास्थ्य जोखिम प्रस्तुत किए बिना, यात्रा करने के लिए सुरक्षित है (नकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के बाद)। एक भारतीय राज्य से दूसरे भारतीय राज्य में सूचीबद्ध समयसीमा भिन्न होती है। यह नियम इस बात की अनुशंसा करता है कि प्रत्येक यात्री किसी भी परेशानी से बचने के लिए चयनित गंतव्य द्वारा निर्धारित नियमों से परिचित हो।कोविड महामारी ने वास्तव में ट्रेन यात्रा उद्योग में कुछ कठिनाइयां प्रस्तुत की हैं। लेकिन जैसा कि हम इन पर काबू पाने और एक कोविड उपरांत दुनिया के लिए तैयार होने के लिए प्रयासरत हैं, यात्रियों को सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का ध्यानपूर्वक पालन करना होगा। इसलिए, चाहे आप काम के लिए यात्रा कर रहें हों या खुशी के लिए यात्रा कर रहे हों, बस सुरक्षित यात्रा को अनुभव करने के लिए अपने ट्रेन टिकट को बुक करते समय उपरोक्त विवरण को याद रखना सुनिश्चित करें।

(लेखक, दिनेश कुमार कोठा, कन्फर्म टिकट के सह-संस्थापक और सीईओ हैं।)

अस्पताल में भर्ती हुए अभिनेता विवेक

भाषा। चेन्नई

लोकप्रिय तमिल अभिनेता विवेक को शुक्रवार को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अचेत होने पर यहां अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिल्म उद्योग और अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभिनेता को शहर के एक अस्पताल में सघन देखभाल इकाई (आईसीयू) में रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि हास्य अभिनेता (59) ने बृहस्पतिवार को कोविड रोधी टीके की खुराक ली थी। उन्होंने कहा कि अभिनेता ने सीने में दर्द की शिकायत की और बेहोश हो गए जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके प्रचार का काम देखने वाले निकिल मुरुगन ने संवाददाताओं को बताया कि अभिनेता का एंजियोग्राम (एक्स-रे के जरिए रक्त वाहिकाओं की तस्वीर लेने की प्रक्रिया) किया गया है और वह ठीक हैं। उन्होंने बताया, अभिनेता होश में हैं और बात कर रहे हैं। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित विवेक ने रजनीकांत, विजय और अजित कुमार समेत कई बड़े तमिल अदाकारों के साथ काम किया है। वह कुछ फिल्मों में मुख्य कलाकार के तौर पर भी नजर आए और पर्यावरण के प्रति जागरुकता फैलाने में भी वह सक्रिय रहे हैं।

तेलुगु फिल्म अभिनेता और जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण कोविड-19 से संक्रमित

अमरावती। तेलुगु फिल्मों के अभिनेता और जन सेना पार्टी के प्रमुख के. पवन कल्याण कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं लेकिन अब उनकी हालत स्थिर है। यह जानकारी शुक्रवार को उनके राजनीतिक सचिव पी. हरिप्रसाद ने दी। हरिप्रसाद ने एक बयान जारी कर कहा, कल्याण पर उनके निजी चिकित्सक नजर रखे हुए हैं, साथ ही अपोलो अस्पताल के विशेषज्ञों की टीम भी उनकी निगरानी कर रही है। उनके फेफड़े में दिक्कत है और उन्हें बुखार भी आ रहा है। लेकिन उनकी हालत स्थिर है। कल्याण तिरूपति में तीन अप्रैल को उपचुनावों से लौटने के बाद हैदराबाद के बाहर स्थित अपने फार्म हाउस में गृह पृथक-वास में रहे। शुरूआत की जांच में कोविड-19 की रिपोर्ट निगेटिव थी लेकिन उन्हें हल्का बुखार और बदन दर्द बना रहा। हरिप्रसाद ने कहा, दूसरी जांच में वह कोविड-19 से संक्रमित पाए गए।

बच्चों के लिये नया धमाका तारक मेहता का छोटा चश्मा

अप्रैल के महीने में सिर्फएक ही ठिकाना होगा, क्योंकि सोनी याय! नये शो तारक मेहता का छोटा चश्मा के साथ गोकुलधाम सोसाइटी की एनिमेटेड दुनिया का स्वागत कर रहा है। हंसी और मनोरंजन से भरपूर इस संपूर्ण पैकेज में जेठालाल, बापूजी, दया, टप्पू और पूरा गोकुलधाम परिवार आपको अपने बेशुमार एडवेंचर से गुदगुदाने वाला है। इस शो में ढेर सारी मौज.मस्ती और मनोरंजन से भरपूर नई कहानियां होंगी।

बापूजी और जेठालाल की मजेदार जोड़ी अपने चिरपरिचित अंदाज में और अपनी नोंकझोंक से थोड़ा और ड्रामा और एक्शन का तड़का लगायेंगे। तारक मेहता का छोटा चश्मा की यह नई दुनिया कॉमेडी का पूरा संसार रचने वाली है जहां बेहतरीन एडवेंचर का कभी भी अंत नहीं होगा। इसका टाइटल ट्रैक लेकर आया है। जिससे इस शो के किरदार इस कमाल की नई दुनिया में क्या कारनामा कर रहे हैं उसकी एक झलक मिलती है। पैरों को थिरकने को मजबूर करने वाला यह ट्रैक उस चश्मे के सफर के साथ शुरू होता है। जिसमें उसके उल्टा से छोटा होने के सफर को दिखाया गया है। इससे इस नये गोकुलधाम सोसाइटी की मजेदार योजनाओं का भी पता चलता है। निश्चित तौर पर यह आगे आने वाले नये सफर को लेकर आपका उत्साह बरकरार रखेगा और आपके रोमांच को भी! ये एनिमेटेड किरदार ष्तारक मेहता का उल्टा चश्मा के किरदारों पर आधारित हैंए जिन्हें लिखा और तैयार किया है असित कुमार मोदी ने। चैनल ने वॉच पाटी के माध्यम से एक फैन.प्रीमियर भी रखा है, जिसे को.होस्ट कर रहे हैं।

लोमोटिफ भारतीयों के लिये लेकर आया है डांस ऑफ चैलेंज

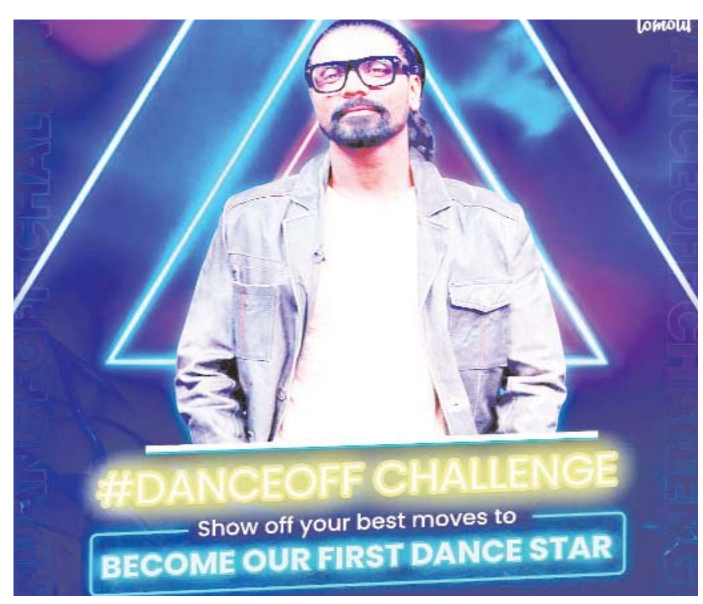

भारतीयों में जिस तरह की लचक, अभिव्यक्ति और मूवमेंट देखने को मिलती है, ऐसा लगता है जैसे मछलियां पानी में अटखेलियां कर रही हों। प्रमुख वीडियो-शेयरिंग सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लोमोटिफ देशभर के डांसर्स को अपना हुनर दिखाने का एक मंच प्रदान कर रहा है। यह प्लेटफार्म डांस के दीवाने देशवासियों के लिये लेकर आया है अपना रुडांस ऑफचैलेंज। 2 मई तक चलने वाले इस कॉन्टेस्ट में सबकी निगाहें ईनाम पर टिकी हुई हैं।

इसमें उन तीन टॉप प्रतियोगियों को पेश किया जायेगा, जिन्हें सबसे ज्यादा वीडियो लाइक्स और कमेंट मिले होंगे, जिसमें कुल नकद पुरस्कार 3 लाख रुपये तक है। रोमांच के स्तर को और बढ़ाने और डांसर्स को हिस्सा लेने का प्रोत्साहन देने के लिये, इस कॉ पीटिशन में जाने-माने कोरियोग्राफर, एक्टर और डायरेक्टर रेमो डिसूजा कैम्पेन के चेहरे के रूप में नज़र आयेंगे। उनके साथ होंगे जानी-मानी इं लूएंसर तान्या शर्मा, डांसर्स वर्तिका झा और सुशांत खत्री। रेमो प्रतियोगियों का हौसला बढ़ाते और उन्हें इस कॉ पीटिशन में अपना सबसे बेहतर देने के लिये प्रोत्साहित करते नज़र आयेंगे। कै पेन के बारे में पॉल यांग, को-फाउंडर एवं चीफ एक्जीक्यूटिव लोमोटिफकहते हैं, आज की ज़ेड जेनरेशन और नई पीढ़ी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है। उन्हें खुद को अनूठे रूप में पेश करना पसंद आता है। यह रुडांस ऑफ चौलेंज हमारे यूजर्स को पूरी दुनिया के दर्शकों को अपना हुनर दिखाने का मौका देता है। यह उन्हें अलग-अलग फॉर्मेट के साथ प्रयोग करने, अपनी रचनात्मक कल्पनाओं को पूरी तरह दिखाने और उन्हें अभिव्यक्त करने का अनूठा मौका देगा। इंटरनेशनल डांस डे करीब है और ऐसे में हमें उ मीद है कि देश के बेहतरीन डांसर्स हमारे साथ अभिव्यक्ति के तौर पर डांस का जश्न मनायेंगे।

डांस ऑफ चौलेंज के लिये अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए रेमो डिसूजा कहते हैं लोमोटिफ इंडिया डांस ऑफ चौलेंज के पहले एडिशन से जुड़कर बेहद खुशी महसूस हो रही है। मुझे पता है कि टैलेंटेड डांसर्स को अपना हुनर दिखाने के लिये एक मौका तथा एक प्लेटफॉर्म मिलना कितना जरूरी है। भारत के दूर-दराज के इलाकों से काफी सारा टैलेंट उभरकर सामने आ रहा है।

डर हैसियत नहीं, हिम्मत देखता है माउंटेन ड्यू

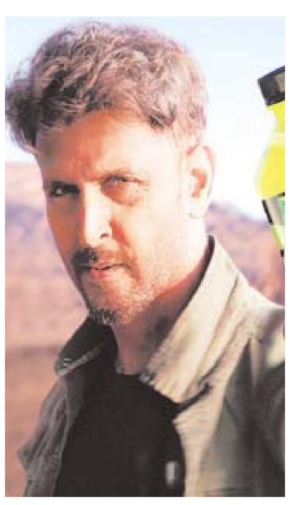

नई दिल्ली। माउंटेन ड्यू हमेशा ही डर और खुद पर शक किए बिना जोखिम लेने और सफलता पाने के लिए सीमाओं से परे जाने की भावना को सलाम करता है। रोमांचक फिल्मों के माध्यम से भारत के युवाओं को डर से पार पाने के लिए प्रेरित करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए माउंटेन ड्यू ने आज 2021 के गर्मियों के सीज़न के लिए बिल्कुल नया अभियान लॉन्च किया। इस अभियान में ब्रैंड के डर के आगे जीत है दर्शन को नए सिरे से दोहराया गया है और इसमें बॉलीवुड सुपरस्टार और माउंटेन ड्यू के ब्रैंड एंबेसडर ऋतिक रोशन नज़र आते हैं। डर हैसियत नहीं, हि मत देखता है, इस नए टीवीसी के पीछे की दमदार थीम है जो आज के युवाओं को असाधारण सफलता हासिल करने के लिए सामाजिक दबावों से आगे निकलने और अपने डर से पार पाने के लिए प्रेरित करता है। इस नए अभियान के साथ ड्यू यंग स्टाइवर इंडिया का निर्माण करते हुए डर के आगे जीत है के दर्शन पर कायम है जो जीतने का सपना देखते हैं और कोशिश करते हैं। इस फिल्म में माउंटेन ड्यू की धारणा को दर्शाया गया है कि कोई व्यक्ति कितने काम का हैए यह इससे पता चलता है कि वह व्यक्ति कितनी ताकत और साहस दिखाता है न कि इससे कि उसके पास क्या चीज़ें हैं। इस फिल्म में ऋतिक रोशन के डर और उनकी प्रतिबद्धता दोनों को दर्शाया गया है। इसकी शुरुआत में ही कुछ प्रोफेशनल रेसर्स के ग्रुप के सामने अपनी बाइक लेकर आते दिखाई देते हैं। उस ग्रुप में शामिल रेसर्स हीरो का मज़ाक उड़ाते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ऋतिक की बाइक उनकी बेहतरीन बाइक का मुकाबला नहीं कर पाएगी। अचानक होने वाले भूस्खलन की वजह से यह रेस रुक जाती है और रेस में हिस्सा ले रहे लोगों के सामने दो विकल्प रह गए। या तो वे डर के सामने घुटने टेक दें और वापस लौट जाएं या डर का सामना करें और आगे बढ़ें। हालांकि, सभी लोग हतोत्साहित कर रहे थे लेकिन ऋतिक रोशन ने अपने डर का सामना करने का फैसला किया और चुनौती स्वीकार की। माउंटेन ड्यू की एक घूंट लेते हुए उनकी मज़बूत इच्छाशक्ति की झलक उनके चेहरे पर दिखी, इसी भावना के साथ वह आगे बढ़ते हैं और विजेता के तौर पर उभरे। इस टीवीसी की शूटिंग करने के अपने अनुभव के बारे में ब्रैंड एंबेसडर ऋतिक रोशन ने कहा, असली हीरो अपनी ताकत से जाने जाते हैं न कि इससे कि वे कहां से ताल्लुक रखते हैं। माउंटेन ड्यू की डर हैसियत नहीं, हि मत देखता है की कहानी मेरे से काफी मिलती-जुलती है। क्योंकि मेरा भी मानना है कि किसी व्यक्ति का साहस डर का सामना करने में है जो उसे असली हीरो बनाता है।

मुझे पूरा भरोसा है कि यह नई फिल्म भारत के युवाओं को प्रेरित करेगी और उनमें यह भरोसा देगी कि वे अपने डर का सामना करने के आत्मविश्वास के साथ बेहद आसानी से किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं।

कोविड-19 महामारी के बावजूद बांग्ला नववर्ष उल्लास से मना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के बढ़ते मामले भी बांग्ला नववर्ष के उत्साह को फीका नहीं कर सके। बृहस्पतिवार को पूरे उत्साह से 1428 बंगाब्दो मनाया गया। पिछले साल लॉकडाउन की वजह से उत्सव नहीं मनाया जा सका था। हालांकि, इस साल कालीघाट, दक्षिणेश्वर, थानथानिया कालीबाड़ी के मंदिरों में लोग कतारों में खड़े नजर आए और कारोबारी नए बहीखाता वर्ष की शुरुआत के मौके पर भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए हाथ में हालखाता (बहीखाता)के साथ मंदिर में नजर आए। कई लोगों ने मास्क पहना था लेकिन कई स्थानों पर सामाजिक दूरी के नियम का उल्लंघन होते हुए देखा गया। मंदिर समितियों की ओर से श्रद्धालुओं के प्रवेश को नियंत्रित किया गया।

एशियाड सर्कस ने संचालन रोकने संबंधी पशु कल्याण बोर्ड के पत्र को रद करने की अदालत से की मांग

नई दिल्ली। एशियाड सर्कस ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) की ओर से दिसंबर 2020 में जारी एक पत्र को रद्द करने की मांग की है। उक्त पत्र में विभिन्न पशु सुरक्षा कानूनों के कथित उल्लंघन के कारण सर्कस के संचालन को रोकने की बात है। याचिका में सर्कस की ओर से कहा गया है कि पशुओं को किन परिस्थितियों रखा जाता है यह पता लगाने केलिए बोर्ड ने जिस स्थान का निरीक्षण किया था।

कार्यालय नगर पंचायत खरौद-जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
Email id-cmonpkharod@rediffmail.com

क्र./388/न.पं./संशो.नि.सू./2021-22 खरौद, दिनांक 13.4.2021

संशोधित ई-प्रोक्युमेन्ट निविदा सूचना

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 339 दिनांक 25.03.2021 सिस्टम टेण्डर क्रमांक 74810 जारी निविदा सूचना जांजगीर-चांपा जिले में दिनांक 13.04.2021 से लॉकडाउन होने के कारण संशोधन किया जाता है।

पूर्व सूचना अनुसार	संशोधित सूचना
ऑनलाईन निविदा प्राप्त होने 19.04.2021 समय 5.30 बजे	07.05.2021 समय 5.30 बजे की तिथि

उपरोक्तानुसार साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत खरौद
जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सुकमा, छ.ग.
(जिला, जल एवं स्वच्छता मिशन, जिला-सुकमा)

"ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना"

जल जीवन मिशन अंतर्गत डी.डब्ल्यू.एस.एम. के स्तर से समूह जलप्रदाय योजनाओं के टोपोग्राफिकल सर्वे-टोटल स्टेशन सर्वे/प्रचलित तकनीकी से सर्वेक्षण एवं डी.पी.आर. बनाने हेतु ई.ओ.आई. (रूचि की अभिव्यक्ति) प्रस्तुत करने हेतु ऑनलाईन Online निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र.	EOI क्रमांक	सिस्टम निविदा क्रमांक	योजना	अनुमानित लागत (लाख में)	Bid Due Date
1	02	76082	समूह जल प्रदाय योजना	10076.33	30.04.2021

नोटः- उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in पर दर्शित एवं डाउनलोड की जा सकती है।

जी-60265/5

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, सुकमा

26 तक बढ़ेगा लॉकडाऊन, कुछ राहत मिलने की संभावना, आज देर शाम तक आ सकता है आदेश

आदेश हुआ वायरल लेकिन नहीं थे कलेक्टर के दस्तखत, बैठक के बाद लिया आएगा आदेश

पायनियर संवाददाता ◀ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

जिले में लॉकडाऊन बढ़ाने की तैयारियों का इशारा मिल रहा है। न थमते दिख रहे संक्रमण की स्थिति को लेकर प्रशासन आज शाम तक इससे संबंधित आदेश जारी कर सकता है। शनिवार को एक ऐसा ही आदेश सोशल मीडिया में वायरल भी हो गया जिसमें 26 अप्रैल तक लॉकडाऊन बढ़ाए जाने के संबंध में आदेश हैं। लेकिन इसमें कलेक्टर के दस्तखत नहीं हैं। बाद में कलेक्टर ने भी इसे अनाधिकृत करार दे दिया। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया है। हालांकि उन्होंने लॉकडाऊन बढ़ाए जाने की ओर इशारा जरुर किया। उन्होंने कहा कि स्थिति अभी काबू में नहीं है। हम रविवार को बैठक में इस संबंध में चर्चा करने वाले हैं।

कलेक्टर टीके वर्मा ने कहा कि, लॉकडाऊन आगे बढ़ाए जाने के संदर्भ में 18 अप्रैल को बैठक में निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम रोजाना हालात की समीक्षा कर रहे हैं। कोविड के बढ़ते मामलों से अभी राहत मिलती नहीं दिख रही है। रविवार को होने वाली बैठक के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा।

दावा किया जा रहा है कि प्रशासन पहले ही लार्कडाऊन बढ़ाने की मंशा बना चुका है। प्रशासनिक तौर पर इसकी तैयारियां भी शुरु हो चुकी है। अंदेशा है कि लॉकडाऊन बढ़ाने के संदर्भ में आदेश जारी करने की प्रक्रिया के दौरान ही आदेश पत्र किसी मातहत ने लीक कर दिया। जिसके बाद यह तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हो गया। आदेश पत्र की शैली से यह तय माना जा रहा है कि आज शाम तक जारी होने वाले आदेश में 26 अप्रैल तक ही लॉकडाऊन बढ़ाने के आदेश जारी किए जा सकते हैं।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, राजनांदगांव (छ.ग.)
//आदेश//

गौरतलब है कि राज्य के कई हिस्सों में लॉकडाऊन पहले ही बढ़ाया जा चुका है। रायपुर और दुर्ग में यह आदेश पहले आए जिसमें 26 अप्रैल तक लॉकडाऊन बढ़ा दिया गया है। राजनांदगांव जिले में 10 अप्रैल की सुबह 12 बजे से 19 अप्रैल की सुबह 6 बजे तक संपूर्ण लॉकडाऊन लगाया गया था। सोमवार को यह मियाद खत्म होने वाली है।

थोड़ी ढील की जरुरत

बहरहाल, लॉकडाऊन बढ़ाए जाने की संभावनाओं के बीच लोग अब इससे थोड़ी राहत चाहते हैं। असल में रोजाना की जरुरतों के लिए लोगों को काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। सब्जी से लेकर किराना तक के लिए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जो सामान मिल भी रहा है तो उसकी किमतें काफी बढ़ा दी गई हैं। इन हालात में मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार परेशान हो रहे हैं। लोगों की मांगे सामने आ रही है कि दिन में कुछ वक्त के लिए किराना, डेली निड्स और सब्जी पसरा को अनुमति दी जाए ताकि झंझावतों और जरुरी सामनों की कमी से छूटकारा मिल सके।

खुल सकते हैं बैंक, मिल सकती है राहत

10 अप्रैल से लागू किए गए संपूर्ण लॉकडाऊन में बैंकों पर भी ताला जड़ दिया गया। तकरीबन 10 दिनों तक बैंक के बंद रहने से भी लोगों की परेशानियां बढ़ी हैं। लोगों को आपातकाल में पैसों की जरुरत पड़ रही है लेकिन उनके पास विकल्प बेहद सीमित हैं। तात्कालीक जरुरत पर लोगों को दूसरों से मदद लेनी पड़ रही है। वहीं व्यापारी वर्ग को भी लेन-देन के मसलों पर कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि 19 अप्रैल से बढ़ाए जाने वाले लॉकडाऊन में बैंको को राहत दी जाएगी और लेन-देन शुरु हो सकेगा।

अफसरों की वजह से ही शासन प्रशासन की हुई किरकिरी

- एसडीएम ने कलेक्टर को प्रतिवेदन में बताया मुनादी वाहन
- जिपं सदस्य व जनपद अध्यक्ष ने लिया स्थिति का जायजा

रज्जा राणा ◀ राजनांदगांव/डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

नगर के कोविड सेंटर में मृतकों को कथित कचरे वाहन से शव डिस्पोज से देशभर में चर्चा होने के बाद डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू के करीबी जिपंसदस्य महेंद्र यादव व जनपद अध्यक्ष डोंगरगांव विधानसभा मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का जायजा लेने पहुंचे। इन्होंने कोविड केयर सेंटर की व्यवस्थाओं को परखते हुए बीएमओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि बुधवार की घटनाक्रम 4 लाशों के डिस्पोज नजरिये से एक सामान्य व तत्कालिक व्यवस्था मात्र ही थी, लेकिन मीडिया में सीएमएचओ राजनांदगांव ने उक्त घटनाक्रम का ठीकरा निकाय पर मढ़ते हुए नगर निकाय की जिम्मेदारी निरूपित कर दिया था। इस घटनाक्रम से निकाय के जनप्रतिनिधिगण खासे नाराज हैं। कोविड दौर में जनसहयोग के लिए किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव को जिला कांग्रेस की ओर से डोंगरगांव प्रभारी व जनपद अध्यक्ष टिकेश साहू सहयोगी बनाए गए हैं।

जिपं सदस्य महेंद्र यादव के विज्ञप्ति में दैनिक पायनियर को बताया कि दोनों जनप्रतिनिधियों ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं कोविड सेंटर डोंगरगांव पहुंचकर बीएमओ रागिनी चंद्रा से मिलकर घटनाक्रम पर चर्चा की। कोरोना मृत शव को कचरा वाहन एवं ट्रैक्टर से मुक्तिधाम ले जाने को लेकर कड़ी नाराजगी की। वहीं आसरा में मरीजों के संबंध में जानकारी ली। जिपंसदस्य ने बीएमओ को कहा कि ऐसी लापरवाही की वजह से सरकार की बदनामी हो रही है।जनप्रतिनिधियों ने शव ले जाने हेतु स्थाई रूप से वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

निरीक्षण पर भारी प्रशासन का जुगाड़

एक ओर जहां सत्ता सरकार के जनप्रतिनिधिगण कचरे वाहन व ट्रैक्टर से शव डिस्पोज को नैतिक तौर पर त्रुटि स्वीकार रहे हैं, तो उधर प्रशासनिक तौर पर कचरे वाहन को मुनादी वाहन बताकर प्रतिवेदन दिया गया है। दरअसल शव डिस्पोज की जिम्मेदारी मूलतः विभाग की है, लेकिन नगर पंचायत ने सहयोग का प्रयास ही किया, तो सीएमएचओ ने निकाय पर दोष मढ़ दिया, अब प्रशासन के अजीब गजब प्रतिवेदन से मामले को पुनः हवा मिल सकती है।

ग्रामीणों की परेशानियों से रुबरु हुए एक्स सीएम

- करोना संक्रमण से सुरक्षित रहने एवं वैक्सीनेशन लगवाने हेतु प्रेरित किया

पायनियर संवाददाता ◀ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह प्रतिदिन अपने विधानसभा क्षेत्र में बढ़ते हुए करोना संक्रमण से चिंतित हैं। अपनी महती जवाबदारी निभाते हुए वे लगातार कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों से मोबाइल के माध्यम से संपर्क बनाए रखते हैं। जानकारी के अनुसार 17 अप्रैल को डॉ रमन सिंह ने ग्राम फुलझर के हरिशंकर देशमुख से बातचीत की। उनकी माता जी के देहांत पर शोक व्यक्त किया।

डॉ. सिंह ने फरहद के चंदन कश्यप व सुंदरा के कृष्ण कुमार दास से बातचीत कर कोरोना की स्थिति को जाना और गरीब वंचित परिवार की मदद की बात की। ग्राम घिरी के कल्याण साहू एवं सांकरा के बच्चन देशमुख से बातचीत की, तथा भेड़ीकला के सरपंच कृष्णा साहू से भी डॉ रमन सिंह ने लंबी बातचीत की और उन्हें 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए प्रेरित किया । मगरलोटा के सरपंच श्रीमती कनक दुबे एवं गठुला के सरपंच गौरव बोरकर तथा गातापार के गोगी राम साहू से भी डॉ सिंह ने मोबाइल के माध्यम से बातचीत की और बढ़ते हुए संक्रमण के लिए सजग और सावधान करते हुए सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क लगाने पर जोर दिया। इसी तरह से धनगांव के श्यामसाय ठाकुर से बातचीत की और सभी का उत्साहवर्धन भी किया।

डॉ रमन सिंह ने भनपुरी ग्राम से गुनीत राम साहू से बातचीत की जिसमें गुनीत राम ने बताया कि सरपंच को करोना हो चुका है, और सचिव 2 माह से नहीं आ रहा है जिसके कारण गांव की स्थिति खराब है। इसी तरह से भाजपा के कार्यकर्ता विवेक साहू,अशोक देवांगन एवं कृष्णा तिवारी से भी डॉ रमन जी ने बातचीत कर करोना के प्रति लोगों की सेवा के लिए मदद करे और 45 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगो को वैक्सिन लगवाने के लिए जागृत करने का आव्हान भी किया ।

डॉ रमन सिंह से फोन के माध्यम से बातचीत होने पर सभी ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के प्रतिनिधि होने की नैतिक जवाबदारी डॉ रमन सिंह भली भांति निभा रहे हैं वह हमारी चिंता घर के एक बुजुर्ग की तरह करते हुए न केवल हमें सावधान कर रहे हैं बल्कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर मदद का हाथ भी बढ़ा रहे हैं ।

रमन सिंह ने 25 लाख और 50 ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया कराए

- पहले भी भेजे थे 15 सिलेंडर

पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा राजनांदगांव के विधायक डॉ रमन सिंह ने विगत करोना संक्रमण में जिस मुस्तैदी से क्षेत्र की सेवा की थी। उसी मुस्तैदी से आज भी वे कोरोना के खिलाफ लड़ाई में डटे हुए हैं।

विदित हो कि डॉ रमन सिंह ने हाल में ही शहर की सभी सेवाभावी संस्थाओं को कोविड सेंटर के लिए प्रेरित किया था । आज डॉ रमन सिंह ने जिलाधीश को पत्र लिखकर विधायक निधि से 25 लाख रुपए की स्वीकृति वेंटीलेटर मशीन एवं कोविड संबंधित उपकरण खरीदने हेतु प्रदान की है। साथ ही डॉ रमन सिंह ने 50 बड़े ऑक्सीजन सिलेंडर विधायक कार्यालय में जनता के सेवा हेतु उपलब्ध कराएं ।

भाजयुमो के जिलाध्यक्ष मोनू बहादुर सिंह ने बताया कि उनके द्वारा जिला अध्यक्ष मधुसूदन यादव एवं पूर्व सांसद अभिषेक सिंह को कोरोना संक्रमण काल में सिलेंडर की भारी किल्लत की जानकारी दी गई थी। जिसके बाद 15 सिलेंडर पूर्व में भेजे गए थे जोकि कम पड़ रहे थे। उन्हें अभिषेक सिंह से बात करने पर तत्काल ही 50 बड़े ऑक्सीजन सिलेंडर शनिवार को विधायक कार्यालय पहुंचे।

डॉ रमन सिंह ने नगर की जनता को करोना संक्रमण काल की महत्वपूर्ण घड़ी में शासन के निर्देशों का पालन करते हुए घर पर रहने की सलाह दी है और कहा है कि राजनांदगाँव की जनता को सिलेंडर की जरूरत पड़ने पर भाजपा अध्यक्ष मधुसूदन यादव, तरुण लहरवानी,अतुल रायजादा, रोहित चन्द्राकर, मोनू बहादुर सिंह एवं किशुन यदु से मोबाइल में संपर्क कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने जनता से आह्वान भी किया कि ऑक्सीजन सिलेंडर का उपयोग होने पर तुरंत ही सिलेंडर वापस लौटाएं ताकि दूसरे लोगों की जीवन को बचाने में सहयोग मिल सके। सिलेंडर विधायक कार्यालय अनुपम नगर रोड से निशुल्क लिया जा सकता है,इस हेतु विधायक कार्यालय प्रभारी उत्तम कुमार,मोबाइल नो. 97553 32220 से आधार कार्ड जमा कर, ऑक्सीजन सिलेंडर निशुल्क ले जाया जा सकता है।

पूर्व बड़े नाला व नालियों की सफाई शुरु, जेसीबी व गैंग के माध्यम से चल रहा अभियान

पायनियर संवाददाता ◀ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस संक्रमण के साथ साथ संक्रामक बिमारियों के रोकथाम एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 को ध्यान में रखते हुये महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख एवं निगम आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बारिश के पूर्व शहर के सभी बड़े नालों व नालियों की सफाई कराने के साथ साथ साफ सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश प्र.स्वास्थ्य अधिकारी अजय यादव को दिये।

महापौर देशमुख एवं आयुक्त डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि कोरोना वासरस संक्रमण का कहर बढ़ते जा रहा है, इसके अलावा अन्य संक्रामक बीमारी के संक्रमण से भी बचना है। साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 का कार्य भी जारी है, इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये सफाई व्यवस्था दुरूस्त करना है तथा वर्षा ऋतु के पूर्व शहर के शंकरपुर, शांतिनगर, चिखली, प्रभातनगर, जीई रोड, ममतानगर, लखोली, नंदई, केशरनगर, स्टेशनपारा, बसंतपुर, राजीव नगर, मोतीपुर, बजरंगपुर नवागांव, नया व पुराना ढाबा, नारकन्हैया नाला, गुरूद्वारा के पीछे, भरकापारा तालाब पार नाला, मिरानी पुलिया नाला, पेन्ड्री नाला, चिखली नाला, डबरीपारा आदि क्षेत्रों के बड़े नाले व नालियों की सफाई बड़े नाले नालियों की सफाई जेसीबी व गैंग के माध्यम से कराना है उक्त कार्य अविलंब प्रारंभ किया जाये। निर्देश के परिपालन में स्वास्थ्य अमला द्वारा बसंतपुर जिला चिकित्सालय के पास एवं राजीव नगर के बड़ नाला की सफाई कार्य जेसीबी से करायी जा रही है तथा अन्य नाले की सफाई जहाँ जे.सी.बी. से कराना संभव नहीं है वहा 25 स्वच्छता कमांडों का गैंग बनाकर कराया जायेगा।महापौर देशमुख एवं आयुक्त डॉ. चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया है कि निगम सीमांतर्गत वार्डो में सेनेटाईजेशन कार्य के अलावा जल शुद्धिकरण, सड़े-गले फल सब्जियों का विनिष्टिकरण, फागिंग स्प्रे आदि कार्य ग्रीष्म ऋतु में बेहतर रूप से संपादित किया जाये। उन्होंने ग्रीष्म काल में होने वाले बीमारियों के रोकथाम व विभिन्न सफाई अभियान सम्पादित कराये जाने के अलावा जल शुद्धिकरण के अंतर्गत निगम सीमान्तर्गत तालाबों में डल्ला चूना व ब्लीचिंग पाउडर डालकर जलशुद्धिकरण कराया जाये। इसके अलावा वार्डो तथा कोरोना संक्रमण वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन साफ सफाई कर कचरा उठाना सुनिश्चित करे। लोगों को कोरोना के बचाव के संबंध में समझाइश देवें।

वार्ड में स्वास्थ्य निरीक्षण किये जाने हुआ निगरानी दल का गठन

पायनियर संवाददाता ◀ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

नगर निगम सीमाक्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डो में कोरोना पॉजिटिव (कोविड-19) मरीज पाये जाने के कारण निगम के समस्त वार्डो में स्वास्थ्य निरीक्षण कराये जाने के निर्देश जिलाधीश टी.के.वर्मा द्वारा दिये गये है। निर्देश के अनुक्रम में निगम आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने शिक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, सफाई दरोगा एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता की वृहद निगरानी दल का गठन किया है। दल के नोडल अधिकारी प्र.कार्यपालन अभियंता श्री जयनारायण श्रीवास्तव मो.नं. 94062 45292 को एवं सहायक नोडल अधिकारी मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग के शहरी कार्यक्रम प्रबंधक अनामिका विश्वास मो.नं. 94064 81643 को नियुक्त किया है। आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि कोरोना पाजिटीव मरीज के स्वास्थ्य निरीक्षण किये जाने सम्पूर्ण निगम क्षेत्र में सर्वेक्षण हेतु निगरानी दल का गठन किया गया, गठित दल में वार्ड नं. 01 से 10 तक के लिये नया ढाबा के संकुल समन्वयक वेदांता खोब्रागढे मो.नं. 91795 26837 को दायित्व सौपा गया है। वार्ड नं. 11 से 20 तक के लिये चिखली के संकुल समन्वयक लक्ष्मण लाल पाल मो. नं. 83059 17006 को, वार्ड नं. 21 से 30 तक के लिये कैलाश नगर के संकुल समन्वयक निर्मल कुमार खरे मो.नं. 70007 08735 को, वार्ड नं. 31 से 40 तक के लिये कन्हारपुरी के संकुल समन्वयक दीपक कुमार सिन्हा मो.नं. 94255 62914 को एवं वार्ड नं. 41 से 51 तक के लिये शासकीय उ.मा.शाल हल्दी के शिक्षक अमित कुमार शर्मा मो.नं. 93036 12264 को दायित्व सौपा गया है एवं इनके सहयोगी के रूप में शिक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, वार्ड प्रभरी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रहेंगे। उन्होंने बताया कि समस्त प्रभारी अधिकारी अपने निगरानी दल के सदस्यें के साथ आवश्यक समन्वयक दिग्विजय स्टेडियम में प्रातः 8:00 बजे उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूम में सर्वेक्षण कराकर प्रतिदिन समस्त रिर्पोट दिग्विजय स्टेडियम में ही शाम 4:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

जांच के अभाव में संक्रमण का खतरा बढ़ रहा, मेडिकल स्टोर संचालक की हो चुकी है मौत

पटेवा में फैल रहा है कोरोना, किट के अभाव में ग्रामीणों को लौटाया जा रहा

पायनियर संवाददाता ◀ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

घुमका क्षेत्र की बड़ी आबादी पटेवा में अब कोरोना का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। पांच दिन पहले एक मेडिकल स्टोर संचालक की कोरोना से मौत के बाद यहाँ संक्रमण की आशंका जताई जा रही है। हालांकि बड़ी और सघन आबादी होने के बावजूद पटेवा कोरोना के मामले में अब तक काफी महफूज रहा है। लेकिन सप्ताह भर में स्थिति बदल गई है।

मेडिकल स्टोर संचालक के पड़ोसी एक किराना व्यवसायी समेत कुल 4 परिजनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। वहीं पटेवा के ग्रामीणों की लापरवाही के चलते लॉक डाउन के उल्लंघन की शिकायतों और चौक चौराहे में अनावश्यक भीड़ लगाने के कारण कोरोना संक्रमण का अंदेशा बढ़ गया है। पटेवा में सर्दी खांसी बुखार की शिकायतों के बाद भी कोरोना टेस्ट में ग्रामीणों की रूचि भी नहीं है। प्रोटोकॉल के उल्लंघन और कोरोना जांच को लेकर जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी शून्य होने से स्थिति नाजुक हो सकता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अव्यवस्थाओं से पीड़ित इलाके के ग्रामीण कोरोना के कहर से दोहरी मार झेल रहे हैं। लगातार चार दिन से लैब टैक्नीशियन नही होने से आरटीपीसीआर और ट्रूू नॉट जांच बन्द है। एंटीजन किट की किल्लत से केवल लक्षण वाले मरीजों की जांच की जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रोजाना सैकड़ों ग्रामीणों की कतार कोरोना जांच के लगी रहती है। जहां अधिकांश मरीजों को वापस लौटाया जा रहा है। शनिवार को मात्र 22 लोगों की जांच की गई है। जिसमें12 पॉजिटिव पाये गये।

पूरे जिले में वेंटिलेटर ऑक्सीजन सिलेंडर, इंजेक्शन और जरूरी दवाईयों की कमी के साथ अस्पतालों में बेड तक खाली नहीं है। ऊपर से घुमका में कोविड टेस्ट की बदतर हालत से स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली का अंदाजा लगाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार कोविड नियंत्रण के नाम पर घुमका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तहत तमाम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और क्षेत्र में लाखों रुपए का खर्च भी बताया जा रहा है। बावजूद इसके कोरोना नियंत्रण में कोई विशेष उल्लेखनीय प्रयास बीएमओ समेत जिम्मेदार अधिकारियों की नहीं दिख रही है। पूरा अंचल कोरोना महामारी के खतरनाक चपेट में है और एंटीजन किट की कमी बनी हुई है। जबकि अभी तक आरटीपीसीआर जांच शुरू करने में नाकाम रहे बीएमओ के खिलाफ जनप्रतिनिधियों में भी काफी नाराजगी की खबर है।

स्वास्थ्य अमला और पुलिस के बीच अटकी कार्रवाई

क्षेत्र के अधिकांश गांवों में कोरोना का कोहराम मचा है। गांव गांव में धड़ल्ले से झोलाछाप डॉक्टरों के अवैध कारोबार के चलते कोरोना विस्फोट की स्थिति बन गई लेकिन एक भी अवैध क्लीनिक के खिलाफ कार्यवाही नहीं हो सकी। मेडिकल स्टोर्स की आड़ में चल रहे झोलाछाप डॉक्टरो को शह देने का आरोप भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के जिम्मेदारों पर लगाया जा रहा है। लगातार शिकायतों के बाद सप्ताह भर पहले औपचारिकता निभाने की गरज से मात्र दो अवैध क्लीनिक के खिलाफ कार्रवाई के लिए घुमका पुलिस को नामजद शिकायत सहित पत्र भी लिखा गया। खबर है कि पुलिस मामले में कार्रवाई के लिए अब तक अधिनियम की खोज में है। जबकि स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि विभाग ने महामारी अधिनियमों के उल्लंघन और अवैध क्लिनिक के खिलाफ कार्रवाई के लिये पत्र लिखा जा चुका है।

पूर्व महापौर सुदेश देशमुख को मातृ शोक

राजनांदगांव। नगर निगम राजनांदगांव के पूर्व महापौर एवं जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण राजनांदगांव के उपाध्यक्ष सुदेश देशमुख की माताजी एवं राजनांदगांव नगर निगम की महापौर श्रीमती हेमा देशमुख जी की सासू मां जमुना देवी देशमुख पति एनआर देशमुख का आज 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। श्रीमती देशमुख विगत 5 दिनों से सुंदरा अस्पताल में कोविड के इलाज के लिए भर्ती थी। श्रीमती जमुना देवी देशमुख सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में अग्रणी रहने वाली महिला थी। उनके निधन के सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक का वातावरण निर्मित हो गया उन्हें मुखाग्नि उनके पुत्र सुदेश देशमुख ने कोरोनाप्रोटोकॉल के तहत दी उनके निधन पर शहर सहित जिले के सामाजिक धार्मिक संगठनों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मार्निंग वॉक पर निकले लोगों को प्रभारियों ने कराई कसरत

पिछले तीन दिनों में 852 लोगों पर हुई बिना मास्क की कार्रवाई, 237 लोगों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्माना, लॉकडाउन के उल्लंघन पर 23 पर दर्ज एफआईआर

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

पिछले तीन दिनों से लगातार लॉकडाउन ड्यूटी पर मुस्तैद अधिकारी व जवानों द्वारा जिला मुख्यालय एवं अनुविभाग के थानों में बिना मास्क के घूम रहे लोगों तथा बाइक लेकर अनावश्यक बाहर निकले लोगों पर जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। प्रायः लोगों को सुबह के समय मार्निंग वॉक के बहाने निकलते देखा जा रहा है। जिन्हें चौक-चौराहों पर तैनात जवानों द्वारा जुर्माना के कार्रवाई करने के साथ कड़ी समझाइश दिया जा रहा है। शुक्रवार को कई थानाक्षेत्र में सुबह मार्निंग वॉक पर निकले लोगों को प्रभारियों द्वारा कान पकड़वा कर दुबारा अनावश्यक बाहर नहीं निकलने की समझाइश दी गई है। सुबह के बाद शाम तक सड़कों पर केवल आवश्यक सेवाओं में लोगों की आवाजाही रहती है। चौंक पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा वैक्सीनेशन व मेडिकल आदि के लिए जा रहे लोगों से पूछताछ कर जाने दिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा वैक्सीनेशन तथा मेडिकल के लिए निकले व्यक्तियों की मदद का निर्देश जवानों को दिया गया है। कार्रवाई में लगी टीम शाम को फिर इवनिंग वॉक में निकलने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। पिछले तीन दिनों में जिले के सभी थाना क्षेत्र अन्तर्गत 852 व्यक्तियों पर बिना मास्क की कार्रवाई की गई है। जबकि दुपहिया लेकर अनावश्यक बाहर निकले 237 व्यक्तियों पर मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई की गई है एवं समन शुल्क बतौर जुर्माना वसूल किया गया है।

23 लोगों पर हुआ नामजद एफआईआर

जुर्माने की कार्रवाई के साथ ही लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। अब तक 23 व्यक्तियों के विरुद्ध नामजद एफआईआर किए जा चुके हैं। थाना सारंगढ़, केडार कोतवाली खरसिया छाल पुसौर, भूपदेवपुर, कोतरारोड में एफआईआर दर्ज किया गया है, आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी।

जिले से बाहर जाने के लिये ऑनलाइन आवेदन लिये जाएंगे, जिला प्रशासन ने एप बनाया

बिलासपुर। लॉकडाउन अवधि में जिले से बाहर जाने के लिये ई पास जारी करने की ऑनलाइन व्यवस्था की गई है। घर बैठे आवेदकों को इसकी स्वीकृति या अस्वीकृति दी जायेगी। जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण के बचाव एवं रोकथाम के लिए 14 अप्रैल की सुबह से 21 अप्रैल रात 12 बजे तक जिले को कंटेनमेंट जोन घोषित है। इस अवधि में अत्यावश्यक सेवा के लिए बिलासपुर जिले से अन्य जिलों में जाने के लिए ई-पास की व्यवस्था की गई है। इसके लिए आवेदक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदक को ई-पास के लिए कार्यालय आने की जरूरत नहीं है। ऑनलाइन सीजी कोविड-19 ऐप के माध्यम से आवेदन किया जा सकेगा। आवेदन के बाद आवेदक को स्वीकृति और या फिर अस्वीकृति की जानकारी दी जाएगी। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि शहर के भीतर आवागमन, जैसे अस्पताल आने-जाने, दवाई खरीदी, दूध पहुंचाने या वितरित करने, टिफिन सेवा देने, होम डिलीवरी से संबंधित सेवा के लिए लॉकडाउन में छूट है। इसके लिए अलग से ई-पास आवेदन की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस कमेटी ने की जिला स्तरीय कोरोना हेल्प डेस्क समिति की घोषणा

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी जिलों में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आम जनता और स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन के सहयोग के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम के निर्देश पर सभी जिले, ब्लॉक एवं सेक्टर पर कोरोना संबंधित लक्षण, क्वारेंटीन सेंटर, भोजन एवं इलाज की निगरानी के लिए तीन स्तर पर समितियां गठित किया गया है, जिसमें जांजगीर-चांपा जिला प्रभारी अर्जुन तिवारी के मार्गदर्शन पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर द्वारा 13 सदस्यीय जिला स्तरीय कोरोना हेल्प डेस्क समिति का गठन किया गया है, आम जन कोरोना महामारी से संबंधित परेशानियों व आवश्यकताओं को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त सदस्यों को अवगत कराएंगे। सदस्यगण प्रशासन के संबंधित विभागों को अवगत कराएंगे। जिला स्तरीय समिति में प्रदेश कांग्रेस सचिव रमेश पैगवार जांजगीर 9826169537, नगर पालिका जांजगीर नैला अध्यक्ष भगवान दास गढ़ेवाल 9754001820, कांग्रेस नेता व्यास नारायण कश्यप नैला 9425220316, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव गिरधारी यादव जांजगीर 9826683126, पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश महामंत्री किशोर साव सरखों 9826151362, नगर पालिका चांपा के अध्यक्ष जय थवाईत 9755347027, युवा नेता बिपिन देवांगन चांपा 8839861007, नगर पालिका सक्ती के पूर्व अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल सक्ती 9406123456, संतोष सोनी सक्ती 9300621757, अनुसूचित जाति विभाग के सचिव राइस किंग खूंटे डभरा 9981818344, घासीराम चौहान पामगढ़ 9907156737, वरिष्ठ नेता टेक चन्द्र चन्द्रा जैजैपुर 9993276146, अनिल रत्थू चन्द्रा हसौद 7049024619 को सदस्य नियुक्त किया गया।

सेक्टर स्तर पर नियुक्त सदस्यगण ब्लॉक स्तर को एवं ब्लॉक स्तर के सदस्यगण जिला स्तरीय समिति को रिपोर्टिंग करेंगे। उक्त आशय की जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता शिशिर द्विवेदी ने दी है।

सरिता ठाकुर ने सामग्री खरीदने दिए 9 लाख 6852 रुपए

भाटापारा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता सत्यनारायण ठाकुर के द्वारा जिला पंचायत निधि से प्राप्त राशि से 9 लाख 6852 रुपए को कोविड-19 में खर्च करने हेतु दिया गया है जिससे ऑक्सीजन सिलेंडर बेड दवाई एवं इस महामारी बीमारी से संबंधित अन्य सामग्री खरीदने हेतु दिया गया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता सत्यनारायण ठाकुर ने कहा कि हमारा देश एवं प्रदेश इस भयंकर महामारी से जूझ रहा है और लोग इस महामारी से घबराए हुए हैं हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा प्रदेश के लोगों के लिए हर संभव मदद एवं प्रयास इस महामारी से निपटने हेतु किया जा रहा है इसी प्रयास एवं मदद को आगे बढ़ाते हुए 15 वे वित्त की राशि से जिला पंचायत से प्राप्त निधि से दिया जा रहा है। जिससे ऑक्सीजन सिलेंडर दवाइयां एवं अन्य सामग्री खरीदा जा सके एवं इस करोना महामारी से लड़ना है डरना नहीं है।

बीजाभाट नेवनारा,अमोरा में लाक डाउन नियम का उल्लधंन करने पर प्रशासन ने किया दुकान को किया सील

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन का जायजा लेने भ्रमण पर निकले बेमेतरा एसपी दिव्यांग पटेल, अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा विमल कुमार बैस, डीएसपी रामकुमार बर्मन, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा, एसडीओपी बेरला ममता देवांगन, डीएसपी तोमेश वर्मा, रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा, निरीक्षक राजेश मिश्रा, निरीक्षक पुष्पेन्द्र भट्ट, सउनि संतोष ध्रुर्वे व नगरपालिका बेमेतरा अशोक ठाकुर के साथ प्रशासनिक अधिकारियों के टीम ने आज दिनांक 16.04.2021 को सिग्नल चौक बेमेतरा, थाना बेरला, कंडरका, भिंभौरी, आनंदगांव क्षेत्र में लॉकडाउन का जायजा लिया। इस दौरान लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने वाले ग्राम बीजाभाट में एक फैंसी जनरल स्टोर्स सील और ग्राम नेवनारा में एक किराना दुकान को सील एवं 500 रूपये व ग्राम अमोरा में एक जनरल स्टोर्स सील व 500 रूपये समन शुल्क लिया गया। संक्रमण के बढते दायरा को रोकने के लिए लॉकडाउन के नियमों का पालन कराने जिले के सीमाओं के चेक पोस्ट पर जवानों को तैनात किया गया है साथ ही साथ शहर के विभिन्न चौक - चौराहों पर पुलिस अधिकारी व जवानों की ड्युटी लगाई गई है। दिनांक 15.04.2021 को जिले की पुलिस ने बेवजह वाहन में घुमने वाले 51 वाहन चालको के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही करते हुए उनसे 10,200 रूपये समन शुल्क लिया गया। तथा बिना मास्क लगाये 64 लोगो के विरूद्ध 32 हजार रूपये का समन शुल्क लिया गया। इधर लॉकडाउन के चलते जिले भर में चेक पोस्ट व पेट्रोलिंग कर पैनी नजर बनाए हुए है।

जिलाधिकारी ने कोरोना पीड़ित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से चर्चा कर बढ़ाया हौसला

कोरोना वारियर का काम करते 9 कार्यकर्ता संक्रमित

पायनियर संवाददाता ◄ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी स्तर पर कार्यरत 9 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कोरोना संक्रमित हो गए हैं। फिलहाल होम आइसोलेशन में उनका इलाज चल रहा है। विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं मुखिया एल. आर कच्छप ने आज सवेरे इन पीड़ित महिलाओं से चलित दूरभाष के जरिये चर्चा कर कुशलक्षेम जाना और उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने जल्द स्वस्थ होने के लिए शुभकामनाएं भी दी। गौरतलब है कि जिले की लगभग 2 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जिला प्रशासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर कोरोना वारियर के रूप में ग्रामीण इलाकों में काम कर रही हैं। कोरोना संबंधी जनजागरुकता फैलाने के साथ ही कांटेक्ट ट्रेसिंग और टीकाकरण अभियान में खुलकर सहयोग कर रही हैं। आंगनबाड़ी केन्द्रों के बंद रहने पर विभागीय योजनाओं के हितग्राहियों के द्वार-द्वार पहुंचकर पोषण सामग्री वितरित कर रही हैं। इस दौरान 9 कार्यकर्ता कोरोना की चपेट में आ गई। उन सभी से उनके संबंधित मोबाइल में कच्छप ने दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने सभी से अत्यधिक सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने बताया कि सभी कार्यकता ठीक हैं और जल्दी स्वस्थ हो रही हैं। उन्होंने चर्चा के दौरान उनके घर-परिवार सहित गांव के हालात की भी जानकारी ली। लॉकडाउन में आंगनबाड़ी केन्द्रों के बंद रहने पर ये महिलाएं 1 लाख 45 हजार हितग्राहियों को उनके घर तक पोषण सामग्री पहुंचाने का महत्वपूर्ण दायित्व निभा रहीं हैं। इतने बड़े जिला अधिकारी का प्रतिकूल हालात में पूछताछ करने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गदगद हैं।

कोविड 19 की दूसरी लहर का ऐसा भय, सगे-सम्बंधी भी अपनों का शव लेने से कर रहे इंकार

बिलासपुर। कोविड 19 की दूसरी लहर ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। इस संक्रामक महामारी ने सच्चे दोस्त व रिश्तेदारों के अपने पन की पोल भी खोल दी है। कोविड 19 से मरने वालों की स्थिति क्या है इस बात का पता सिर्फ श्मशान घाट में लगाया जा सकता है। इसका जीवंत उदाहरण आप को श्मशान घाट व अस्पताल से शव रिसीव करते समय मिल सकता है। शुक्रवार की दोपहर 1 बजे तक रेलवे कोविड अस्पताल से 7 शव को हैंडओवर किया गया। इसमे एक वाहन से तीन से चार शव डिस्पेच किये गये। मेने देखा कि एक शव को लेने मृतक की पत्नी, पुत्र व उसके आधा दर्जन दोस्त अस्पताल पहुचे थे। वही एक अन्य शव की पहचान करने अकेले एक युवक उपस्थित था। तीसरा शव डिपू पारा के एक सज्जन का था। उस शव को रिसीव करने कोई नही पहुँचा था। इस पर 2 घंटे से अन्य शवों को लेने के लिए अस्पताल में पहुचे लोगो ने हंगामा किया। हंगामें के बाद अस्पताल के एक जिम्मेदार कर्मचारी ने बताया कि मृतक के परिवार के तीन सदस्यों की कोविड से पहले ही मौत हो गई है। एक मात्र सदस्य 22 वर्षीय पुत्री भर है जो कि इसी अस्पताल में कोविड से जंग लड़ रही। परिवार के जिन सदस्यों का नम्बर दिया गया है। उस नंबर में फोन करने पर पिछले दो घण्टे से आने की बात कही जा रही पर कोई नही आ रहा है। मानवता के तहत उनका इंतजार किया जा रहा है। स्टाफ ने हंगामा करने वालो से थोड़ा और इंतजार करने की विनती की। इस पर मृतको के परिजन शांत हो गए। आधे घण्टे बाद एक व्यक्ति, एक बीमार युवती के साथ बाइक में आया व मृतक की पहचान की। इसके बाद तीन शवों को निगम के शव वाहन में लेकर श्मशान घाट पहुचाया गया। अब श्मशान घाट की कहानी अलग थी। तीन शव में एक मृतक का पुत्र व उसके आधा दर्जन मित्र उपस्थित थे। दूसरे शव के साथ एक व्यक्ति था, किंतु तीसरे शव को श्मशान घाट में उतारने के लिए उनका कोई परिजन नही था। बाद में निगम के कर्मचारियों ने शव को नीचे उतारा। किंतु परिजनों की अनुपस्थिति में लाश घंटो अंतिम संस्कार के लिए पड़ी रही।

लॉकडाउन में थी अवैध शराब खपाने की तैयारी

गार्डरुम से भारी मात्रा में देशी शराब जब्त

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

बरमकेला में लॉकडाउन का फायदा उठाकर शराब के अवैध बिक्री करने वाला देशी शराब भट्ठी का गार्ड 37 पाव प्लेन के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बरमकेला तहसीलदार अनुज पटेल को कुछ समय से सूचना मिल रही थी कि देशी शराब भट्ठी के गार्ड के द्वारा लॉकडाउन में शराब की अवैध रूप से बिक्री की जा रही है। जिस पर गार्ड रूम में छापेमार कार्रवाई करते हुए मौके से 37 पाव देशी शराब की जप्ती कर आरोपी गार्ड को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। जिसमें विवेचना जारी है।

बेमेतरा के 49 वैक्सीनेशन केंद्रों के लिए पहुंचा 28,000 डोज वैक्सीन का खेप

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कोविड-19 टीका लगवाने के लिए परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। कोविड वैक्सीन की 28,000 डोज की एक खेप शुक्रवार की शाम को जिले में पहुंच गई। इसे टीकाकरण केंद्रों के कोल्ड चैन पॉइंट्समें पहुंचा दिया गया है। 28,000 डोज में 22,000 डोज कोविशील्ड और 6,000 डोज कोवैक्सीन के प्राप्त हुए हैं। जिले के साजा में 7,000, बेरला में 6,000, बेमेतरा में 8,500व नवागढ़ में ब्लॉक में 6,500 वैक्सीन की डोज पहुंचा दी गई है। आज हवाई मार्ग से प्रदेश में वैक्सीन की 2 लाख डोज राजधानी के एयरपोर्ट पहुंचने के बाद जिलों के स्पेशल वाहनों से वैक्सीन को भेजा गया है। शनिवार से एक बार फिर से जिले के 48 शासकीय व एक नीजीटीकाकरण केंद्रों पर टीकाकरण किया जाएगा। इसमें 45 वर्ष से ऊपर के लोगों को अधिक से अधिक टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। गुरुवार से ही जिले में कोरोना वैक्सीन खत्म हो गई थी। इसके बाद से ही लोग टीकाकरण के लिए परेशान थे।

अब तक 1 लाख हितग्राहियों ने लगवाएं है कोविड का टीका –

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. शरद कुमार कोहाड़े ने बताया, 16 जनवरी से अब तक जिले में लगभग एक लाख हितग्राहियों ने टीका लगवा लिया है। जबकि 45 व 60 से अधिक आयु उम्र के लगभग 1.60 लाख लोगों को टीकाकरण करने का लक्ष्य 30 अप्रैल तक निर्धारित किया गया है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ कोहाड़े ने बताया, वैक्सीन का स्टॉक खत्म होने की वजह से आज सिर्फ जिले के एक मात्र टीकाकरण केंद्र कुसमी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 10 हितग्राहियों को टीके लगाए गए'।

टीके लगाने में महिलाएं व 45 से अधिक उम्र के हितग्राही सबसे आगे

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कोहाड़े ने बताया, 'अब तक जिले के 90,757 लोगों को पहला डोज व 9,241 लोगों को दूसरा डोज लगाया जा चुका है। प्रथम डोज के टीके लगवाने में महिलाएं सबसे आगे हैं जिसमें 46,622 महिला व 44,122 पुरुष सहित 13 थर्डजेंडर हितग्राहियों ने भी टीके लगवाएं हैं। अब जिले में 99,061 डोज कोवीशिल्ड और 937 डोज कोवैक्सीन का टीका लगे हैं। जिले में आयु वर्ग के अनुसार सबसे अधिक 45 उम्र से पार 50,640 लोगों ने प्रथम डोज टीके लगवाएं है। इसी तरह 18-25 उम्र के 347 लोगों ने , 25-45 उम्र के 4,500 लोगों और 60 से अधिक उम्र के 35,265 सहित 90,757 हितग्राहियों ने प्रथम डोज के टीके लगवाएं हैं'।

झोला छाप डॉक्टरों से इलाज कराने से बचें

सीएमएचओ डॉ. एसके शर्मा ने बताया, 'जिले में वैक्सीन की खेप पहुंच गई है। कोरोना सं मण तेजी से फैल रहा है ऐसे में अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंच कर टीका लगवाकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें। शनिवार को 49 केंद्रों पर टीकाकरण कराया जाएगा। उन्होंने कहा सभी स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि टीकाकरण को प्राथमिकता दिया जाए। डॉ.शर्मा का कहना है कोरोना महामारी के दूसरे लहर में लोगों की लापरवाही हानिकारक साबित हो रही है। लोग मास्क, सेनेटाइजर व शारीरिक दूरी के पालन में मनमानी कर सं मण के खतरे को बढा रहे हैं'। सीएमएचओ ने कहा,'कोरोना संक्रमण के लक्षण सर्दी, खांसी, बुखार व अन्य लक्षण आने पर झोला छाप डॉक्टरों से इलाज व दवाईयों का सेवन नहीं करें। इलाज में लापरवाही से कोरोना वायरस 4 से 5 दिनों बाद शरीर में ज्यादा प्रभाव के साथ मरीज की हालत को गंभीर स्थिति में ले जा सकताहै। ऐसे में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्करहते हुए कोरोना का टेस्ट लक्षण नजर आने पर तुरंत कराना चाहिए।

आज 364 मिले पॉजिटिव तो 100 हुए डिस्चार्ज- स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में आज 364 नए कोरोना पॉजिटिव मरीजों की पहचान की गई है।

जिले में कहां कितने डोज पहुंचा वैक्सीन

बेरला में कोवीशिल्ड - 5000डोजवकोवैक्सीन -1000 डोज
बेमेतरा में कोवीशिल्ड - 6500 डोजवकोवैक्सीन -2000 डोज
साजा में कोवीशिल्ड - 5000 डोजव कोवैक्सीन -2000 डोज
नवागढ़ में कोवीशिल्ड - 5500 डोजवकोवैक्सीन -1000 डोज पहुंचे

समाजसेवी स्व. गोवर्धन प्रसाद अग्रवाल की स्मृति में उनके पुत्र गौरव एवं वैभव ने की एक सकारात्मक पहल

बिल्हा बिलासपुर के गोयल परिवार ने प्रारंभ की ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन की निः शुल्क सेवा

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

संभागीय अग्रवाल महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी स्व. गोवर्धन प्रसाद अग्रवाल बिल्हा की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र गौरव अग्रवाल एवं वैभव अग्रवाल द्वारा बिल्हा एवं बिलासपुर शहर में अपने परिवार की ओर से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन की सेवाएं प्रारंभ की गई है, तथा अग्रवाल परिवार के गौरव अग्रवाल के अनुसार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था है,इस मशीन से इलाज नहीं होता किंतु जिस किसी मरीज का अक्सीजन लेवल 90-92 के नीचे जाता है।

उसे हॉस्पिटल में एडमिट करवाना आवश्यक हो जाता है, किंतु इस मशीन के 3-4 घंटे तक लगातार उपयोग करने के बाद 25 से 30 मिनट का विश्राम देना जरूरी होता है, एवं गोयल परिवार द्वारा प्रारंभ की गई यह ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन सेवा किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को 3 दिन तक के लिए दी जा रही है, एवं जो भी व्यक्ति इस मशीन का उपयोग करना चाहता है वह मशीन मिलने पर और मशीन वापस करने समय एक फोटो खींचकर जरूर दें,तथा मशीन के साथ उपयोग किए हुए मास्क को डिस्पोज करते हुए मशीन को वापस लौटाये, गौरव अग्रवाल के अनुसार ऐसे मरीज जो होम आइसोलेशन की सेवाएं ले रहे हैं वह इस मशीन का उपयोग अपने संबंधित चिकित्सकों की सलाह के अनुसार ही करेंगे, एवं गोयल परिवार बिल्हा द्वारा प्रारंभ की गई इस ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन की सेवा पर अग्रवाल समाज बिल्हा सहित लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस परिवार को साधुवाद दिया है, तथा ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन की सेवा से जहां क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को वर्तमान कोविड-19 की परिस्थितियों में काफी सहायता मिलेगी तो वही एवं जरूरतमंद व्यक्ति ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन के लिए बिल्हा के गौरव अग्रवाल में संपर्क नम्बर- 7000324115, 9827957777, वैभव अग्रवाल 8964060000 या की 8964001001 पर संपर्क कर उपरोक्त मशीन की सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

संजय वार्ड में पार्षद ने सेनेटाईजेशन कराया

पायनियर संवाददाता ◄ भाटापारा
www.dailypioneer.com

कोरोना की दूसरी और खतरनाक दौर में अत्यधिक लोगों को अपनी चपेट में लेने और अधिकांश लोगों के प्रभावित होने की खबर के बाद संजय वार्ड का युवा पार्षद और सभापति प्रमेंद्र तिवारी ने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पुरे संजय वार्ड में सेनेटाईजेशन कराया। वही पार्षद प्रमेंद्र तिवारी ने वार्ड वासियो से लॉकडाउन का पालन करते हुए अपने अपने घरो में सुरक्षित रहने और मास्क पहने रहने की अपील की। कोरोना के द्वितीय फेस ने इस बार अच्छा खासा असर दिखाया है, जिस प्रकार से शहर सहित ब्लाक में कोरोना सं मितो की संख्या में इजाफा हो रहा है उसको देखते हुए दो गज दुरी मास्क है जरूरी वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है। कोरोना के दूसरे दौर ने कई ऐसे लोगो को भी लील लिया है जिसकी कल्पना लोगो ने कभी नही की थी। आज हालत बद से बदत्तर होते जा रहे है ऐसे में लोगो को अपने घरो में ही रहने की ज्यादा जरूरत महसूस हो रही है।लेकिन जनता अभी भी लापरवाह ही नजर आ रही है। प्रसाशन द्वारा लोगो की जान माल की सुरक्षा की दृष्टी से लगाये गए लाकडाउन का उल्लंघन करते नजर आ रहे है जो की बहुत ही चिंता का विषय है। इस बीच करोना की बढ़ती रफ़्तार के बीच एक बार संजय वार्ड के युवा जागरूक पार्षद और सभापति प्रमेंद्र तिवारी ने पुरे संजय वार्ड में स्वयं साथ में रहकर पुरे वार्ड का सेनेटाईजेशन कराया। विदित हो की गत वर्ष भी पार्षद प्रमेंद्र तिवारी ने दो बार पुरे वार्ड में घूम घूम कर ना केवल सेनेटाईजेशन कराया था बल्कि लोगो को सुरक्षा की दृस्टि और इस महामारी से बचाने आयुर्वेदिक दवा का वितरण भी किया था। ज्ञात हो की संजय वार्ड के रिहायशी इलाके में 3 दिनों में 2 लोगो की मौत होने और वार्ड के अनेक घरो के सदस्यों को कोरोना के प्रभाव शील होने से पार्षद प्रमेंद्र तिवारी ने अपनी सजगता व जवाबदारी का निर्वहन करते हुए पुरे संजय वार्ड को सेनेटाईजेशन कराया और वार्ड वासियो सहित नगर की महत्वपूर्ण जनता से लाकडाउन के दौरान अपने ही घरो में रहने और हमेशा मास्क लगा कर रहने की अपील प्रमेंद्र तिवारी ने की है।

91 वर्षीय दुर्गा देवी ने कोरोना टीका लगवाकर दिया जागरूकता का परिचय

बिलासपुर। जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीकाकरण को लेकर विभिन्न माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी जागरूकता का परिचय कुदुदंड निवासी 91 वर्षीय दुर्गा देवी उपाध्याय ने दिया। उन्होंने आयुर्वेदिक अस्पताल में बनाये गए कोविड टीकाकरण केंद्र में कोरोना टीका का पहला डोज लगवाया। उपाध्याय ने कहा कि शासन द्वारा कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए यह टीका 45 वर्ष से अधिक की आयु वाले सभी लोगों को लगाया जा रहा है। उन्होंने सभी पात्र लोगों से टीका लगवाने का अनुरोध किया है जिससे कि हमारे साथ हमारे परिवार एवं अन्य लोग भी सुरक्षित रह सके।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने टीएस सिंहदेव समेत 11 राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ की बैठक

कोरोना की दूसरी लहर जादा खतरनाक, बढ़ते मामलों पर समीक्षा के साथ ही राज्यों से प्राप्त किए सुझाव

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने शनिवार को 11 राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से दिखाई गई प्रेजेंटेशन में प्रतिदिन आ रहे नए प्रकरणों की तुलना में स्वस्थ हो रहे मरीजों का अनुपात कम दिखाया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ की औसत दर 13.6 फीसद देखी गई है इसके साथ ही जिलेवार समीक्षा में रायपुर की स्थिति शीर्ष 10 राज्यों में देखी जा रही है। इसके उपरांत चार प्रमुख विषय ऑक्सीजन सप्लाई, रेमडेसीविर और वैक्सीनेशन के संबंध में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बताया गया कि दो सप्ताह से केंद्रीय व राज्य की संस्थान द्वारा इन विषयों पर समीक्षा की जा रही है।

ऑक्सीजन के विषय में 15 अप्रैल को केंद्र द्वारा राज्यों को किन-किन प्लांटों से ऑक्सीजन मिलेगी यह बताया गया है। इसके साथ ही गृह सचिव ने एक आदेश जारी कर बताया है कि ऑक्सीजन ले जा रहे सिलेंडर वाहन की राज्यों के बीच में अबाध मूवमेंट रहेगी, जिसमें 30 अप्रैल तक ऑक्सीजन सिलेंडर भेजने की बात कही गई है। विगत वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी एक लाख ऑक्सीजन सिलेंडर उपार्जन केंद्र द्वारा किया जाना है, जिसके लिए 162 में से 32 ऑक्सीजन प्लांट शुरू कर दिए गए हैं। इसके साथ ही आईसीयू बिस्तरों की स्थिति चिंताजनक है, छत्तीसगढ़ लगभग 100 फीसदी ऑक्युपेंसी की स्थिति में है। स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने आगे बताया कि वैक्सीनेशन में अभी तक तुलनात्मक बड़े राज्यों में छत्तीसगढ़ का परफॉर्मेंस ठीक रहा है, कल ही हिमांचल ने हमें ओवरटेक किया तो 14.6 के आसपास छत्तीसगढ़ की आबादी की वैक्सीनेशन प्रतिशतता है। 20 फीसद टारगेटेड आबादी को वैक्सीनेट करने का लक्ष्य राज्य ने रखा है। इसके साथ ही उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि जिन राज्यों का वैक्सीनेशन प्रतिशत आबादी का 16-17 फीसद से ऊपर पहुंच जा रहा है, उसमें 45 साल से नीचे का भी रिलैक्सेशन का प्रावधान देना चाहिए। उन्होंने मौजूदा उपलब्ध वैक्सीन का उल्लेख करते हुए बताया कि कोविशिल्ड की चार लाख कल वैक्सीन आई और दो लाख कोवैक्सीन की भी आई हैं। इनका उपयोग हम लोग समुचित कर लेंगे, लेकिन जमा आबादी प्रतिशतता को जो राज्य अर्जित कर रहे हैं उन्हें अगली कड़ी के आबादी की वैक्सीनेशन के तरफ बढ़ाने की अनुमति प्रदान करनी चाहिए क्योंकि दबाव बहुत ज्यादा है। राज्य की ओर से आवश्यकताओं का उल्लेख करते हुए स्वास्थ मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि हम आभारी हैं कि आपने हमारे ऑक्सीजन जंबो सिलेंडर और छोटे सिलेंडर को संज्ञान में लेकर उपलब्ध कराने का निर्णय ले लिया है। आईसीयू बिस्तरों की कमी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 200 प्री-फैबरीकेटेड यूनिट से 1000 प्री-फैबरीकेटेड यूनिट केंद्र सरकार उपलब्ध करवाने पर विचार करे, जिससे कम से कम समय में आईसीयू के बिस्तरों का हम निर्माण कर सकें।

सात कंपनियों को दवा बनाने के लिए लाइसेंस

वैक्सीनेशन के संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कहा गया है कि वर्तमान समय में उत्पादन को देखते हुए हम इस स्थिति में नहीं है कि राज्यों को ज्यादा दिनों के लिए वैक्सीन उपलब्ध करवा सकें इसीलिए टीकाकरण के अनुपात के हिसाब से राज्यों को वैक्सीन प्रदान की जा रही है एवं रेमडेसिविर की सप्लाई पर केंद्रीय मंत्रालय द्वारा बताया गया कि वर्तमान में सात कंपनियां ऐसी हैं, जिन्हें यह दवा बनाने के लिए लाइसेंस प्राप्त है। यह सात कंपनियां 29 लाख इंजेक्शन बनाने की क्षमता रखती हैं। पिछले समय में कोरोना संक्रमण के मामलों में आई गिरावट को देखकर यह क्षमता घटा दी गई थी, लेकिन अब अगले सप्ताह से इसे पुनः 29 लाख कर दिया जाएगा।

टीएस सिंहदेव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को प्रदेश की हालत से अवगत कराया

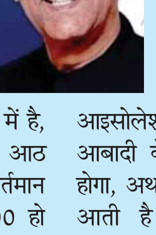

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव में कहा कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान स्थिति चिंताजनक है, जिसमें यदि कल 16 अप्रैल को राज्य की औसत पॉजिटिविटी दर देखें तो लगभग 30 फीसद है। राज्य के 28 में से 13 जिलों में 20 फीसद से कम है, 20 से 40 फीसद पॉजिटिविटी दर सात जिलों में है, और 40 फीसद से ऊपर आठ जिलों में है। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में एक्टिव केस 1,24,000 हो चुके हैं, अभी छत्तीसगढ़ में 1,30,000 का अनुमान बताया गया है। यह दो लाख के आसपास या 1.5 लाख तो पार करने के आसार दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि केंद्रीय आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में 90 फीसद के आस-पास होम आइसोलेशन है, हम 80 फीसद का टारगेट लेकर चल रहे हैं, कि 80 फीसद होम आइसोलेशन होगा, तो 20 फीसद आबादी के लिए प्रबंधन करना होगा, अर्थात दो लाख की स्थिति आती है तो 40,000 कुल बिस्तर, जिसमें ऑक्सीजन बेड भी होंगे।

अपने फैसलों से जनता में विश्वास पैदा किया है छत्तीसगढ़ सरकार ने

■ इस भरोसे को तोड़ने के लिए भाजपा अफवाह और दहशत फैलाने की राजनीति कर रही है

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि विपत्ति में सच्चे मित्र की पहचान होती है । कांग्रेस और भाजपा के विजन का अंतर और उस अंतर का परिणाम अब करोना महामारी के बाद पूरी तरह देश के सामने स्पष्ट हो चुका है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने फैसलों से जनता में विश्वास पैदा किया है। इस भरोसे को तोड़ने के लिए भाजपा अफवाह और दहशत फैलाने की राजनीति कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि करोना संक्रमण की सेकंड वेव में पूरे देश की हालत चिंताजनक है। देश में जब करोना पहली बार आया था तब भी और अब सेकंड वेव के समय भी केंद्र सरकार ने बेहद गैर जिम्मेदाराना ढंग से काम किया है। करोना संक्रमण की शुरुआत में पीएम केयर्स फंड बनाकर राशि एकत्रित की गई लेकिन इस राशि का करोना से लड़ने की तैयारी करने में कोई समुचित उपयोग नहीं किया गया। मोदी सरकार देश को यह भी बताने को तैयार नहीं है कि एक लाख करोड़ की इस राशि का क्या उपयोग किया गया। राम मंदिर चंदे के बाद पीएम केयर्स फंड के मामले को देखते हुए भाजपा को अपना नाम बदलकर भाचंपा रख लेना चाहिए। अब भाजपा को जनता से नहीं बल्कि चंदा से ही सरोकार रह गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि करोना से लड़ने के नाम पर इकट्ठा किए गए पीएम केयर्स फंड का कहीं कोई अता पता नहीं है। आरोग्य सेतु एप देश के साथ किया गया एक और क्रूर मजाक साबित हुआ। देश की जरूरतों का सही आकलन किए बगैर करोना वैक्सीन और रैम्सडीवीर जैसी आवश्यक दवाओं का अंधाधुंध निर्यात किया गया जिसका परिणाम देश में इनकी कमी के रूप में सामने आया है। टीका उत्सव के 4 दिन में उसने टीके नहीं लगे जितने इस उत्सव के शुरू होने के 4 दिन पहले लगे थे देश में। कोरोना महामारी के चलते हो रही मौतों के समय उत्सव नामकरण ने पीड़ित परिजनों की भावनाओं को आघात पहुंचाने का काम किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण के द्वारा लगातार कई दिनों तक पत्रकार वार्ता लेकर घोषित किए गए 20 लाख करोड़ के करोना पैकेज देश में किसको मिला अभी तक कोई नहीं बता पाया ।

भाजपाई सांसद जनता को समझती है सिर्फ वोट बैंक : तिवारी

■ सांसद निधि, पीएम केयर फंड में दिया, राज्य की जनता को मिला सिर्फ भाषण

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के रोकथाम में विफल केंद्र की भाजपा मोदी सरकार की लापरवाहियों का खामियाजा आज से समूचा देश भुगत रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि, कोरोना संक्रमण से मानव जगत में आयी विकराल समस्या से हर नागरिक परेशान है और सभी अपने जनप्रतिनिधियों से उम्मीदें लगाएं बैठे हैं, मगर छत्तीसगढ़ भाजपा के लोकसभा में 9 सांसद तथा राज्यसभा के दो सांसद 11 सांसदों ने राज्य की जनता के लिए कोरोना संक्रमण के इस विकराल विपदा में कोई मदद नहीं की, यहां तक सांसद निधि के रुपयों को प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा किया।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी को 11 सांसद दिए उनकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने मतदाताओं का इस संकटकाल और आपदा में मदद करें लेकिन ऐसा हुआ नहीं। भाजपा सांसदों से राज्य की जनता जानना चाहती है की उन्होंने क्या मदद की है। केंद्र की भाजपा मोदी सरकार ने आपदा को अवसर मानकर रसोई गैस पेट्रोल डीजल खाद्य सामग्री में बेतहाशा मूल्य वृद्धि कर आमजनों को महंगाई की आग में झोंका दिया है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि लगभग दो दशक से छत्तीसगढ़ की जनता ने लोकसभा में एक तिहाई से ऊपर भाजपा के सांसदों को अवसर दिया है मगर इन 20 वर्षों में केंद्र की कोई बड़ी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ राज्य की जनता को प्राप्त नहीं केंद्र की योजनाओं में छत्तीसगढ़ के साथ पक्षपात होता रहा मगर प्रदेश भाजपा सांसद हमेशा ही मुकबधिर बने रहे जिसका खामियाजा आज प्रदेश की गरीब जनता को भोगना पड़ रहा है, भाजपा सांसदों को यह बताना चाहिए कि आखिर जनता से विश्वासघात क्यों किया।

दवाइयों की कालाबाजारी की शिकायत करें इस नंबर 9479191099 पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच दवाइयों की कालाबाजारी भी तेज हो गई है। ऊंची कीमत पर दवाइयां बेची जा रही है। शासन-प्रशासन के निर्देशों को नजर अंदाज कर कालाबाजारी का धंधा तेजी से चल रहा है। रायपुर पुलिस ने कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया है। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर-9479191099 तक जारी किए गए हैं, ताकि कालाबाजारी करने वालों की सूचना पुलिस तक पहुंच सके। पुलिस ने अति आवश्यक सूचना जनहित में जारी की है। पुलिस का कहना है कि जीवन रक्षक दवाइयों की कालाबाजारी करने या अधिक कीमत पर बेचने वाले लोगों के संबंध में आपके पास कोई भी जानकारी हो तो आप नजदीकी थाना या रायपुर पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन करके इसकी जानकारी दे सकते हैं। दवाइयों की काला बाजारी करना अपराध है। ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जनसूचना और जनसहायता के लिए आईटी सेल को हथियार बनाएगी कांग्रेस

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

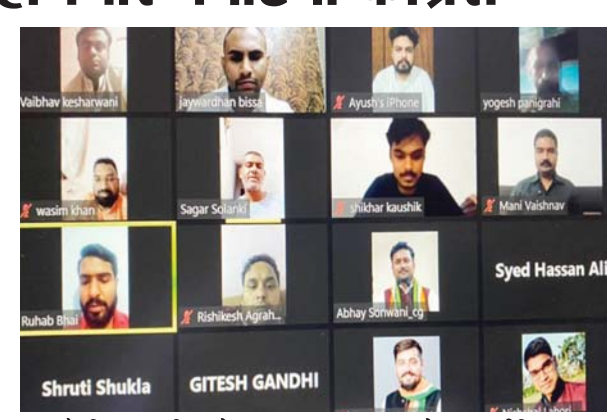

कांग्रेस की प्रदेश आईटी सेल महत्वपूर्ण बैठक मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा की उपस्थिति में हुई। वर्चुअल बैठक में फेक न्यूज से लड़ने को लेकर गम्भीर चर्चा हुई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष जयवर्धन बिस्सा, उपाध्यक्ष सागर सोलंकी, मणि वैष्णव, महासचिव आयुष पांडेय, शिखर कौशिक, स्नेहिल भारद्वाज, योगेश पानिग्रही, सहित सचिव, सहसचिव, लोकसभा अध्यक्ष शामिल हुए।दो घण्टे चली महत्वपूर्ण बैठक में फेक न्यूज के खिलाफ मुहिम को मजबूत करने पर जोर दिया गया। जल्द ही फैक्ट चेक कमेटी का गठन किया जाएगा। सोशल मीडिया पर सकारात्मकता का माहौल बनाने की योजना भी बनाई गई।

छत्तीसगढ़ के लिए खुले पीएम केयर फंड की तिजोरी : माकपा

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने केंद्र सरकार से मदद मांगी है। कोरोना की दूसरी लहार के भयंकर संक्रामक होने और प्रदेश को पुनः लॉकडाउन करने के मद्देनजर मोदी सरकार से छत्तीसगढ़ राज्य सरकार को वित्तीय सहायता देने और आवश्यक स्वास्थ्य उपकरण तथा वैक्सीन के पर्याप्त डोज उपलब्ध कराने की मांग की गई है। माकपा राज्य सचिवमंडल ने कहा है कि केंद्र सरकार कोरोना संकट से निपटने के लिए अपने संवैधानिक और सामाजिक दायित्व से मुंह नहीं मोड़ सकती। आम जनता और सार्वजनिक संस्थाओं से बटोरे गए हजारों करोड़ रुपयों के पीएम केयर फंड नामक निजी कोष पर वह कुंडली मारकर नहीं बैठ सकती और इसका उपयोग इस संकट से निपटने के लिए किया जाना चाहिए। माकपा राज्य सचिव संजय पराते ने कहा है कि पिछले 10 दिनों से जारी लॉकडाउन के कारण प्रदेश के असंगठित क्षेत्र के मजदूर और ग्रामीणजन फिर से भूखमरी की कगार पर पहुंच गए है और उन्हें मुफ्त अनाज, नगद वित्तीय मदद और रोजगार के जरिये राहत पैकेज की जरूरत है।

माकपा ने कहा है कि आम जनता की इन न्यूनतम बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए देश में संसाधनों की कमी नहीं है।

इसके लिए मोदी सरकार को केवल अपनी कारपोरेटपरस्त नीतियों में बदलाव करने की जरूरत है। पार्टी ने कोरोना संकट से निपटने के लिए जीडीपी का 5त्न खर्च किये जाने की मांग की है। माकपा नेता ने कहा है कि प्रवासी मजदूरों की एक बार फिर घर वापसी को देखते हुए उनके सुरक्षित रूप से घर लौटने का इंतजाम केंद्र सरकार को करना चाहिए और उन्हें मनरेगा में काम देने के लिए अतिरिक्त आवंटन किया जाना चाहिए।

सभी गैर-आयकर दाता परिवारों को 7500 रुपये मासिक की मदद की जाए। केवल इसी तरीके से घरेलू मांग को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को उत्प्रेरित किया जा सकता है, वरना अर्थव्यवस्था और ज्यादा मंदी का शिकार होगी। माकपा नेता ने कहा है कि पिछले एक साल में कोरोना संकट से निपटने के नाम पर कॉरपोरेटों की तिजोरियों को भरने के जो अवसर खोजे गए और स्वास्थ्य क्षेत्र के निजीकरण को बढ़ावा दिया गया। इसका दुष्परिणाम है कि कोरोना की यह दूसरी लहर जन स्वास्थ्य के लिए और ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है और इससे निपटने के लिए हमारे पास आवश्यक ढांचागत सुविधा, पर्याप्त चिकित्सक और प्रशिक्षित नर्स तक उपलब्ध नहीं है। नागरिकों की बड़े पैमाने पर हो रही इन मौतों के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की ये जन विरोधी नीतियां ही जिम्मेदार है।

24 को अपने घर के बाहर बैठकर सरकारी अव्यवस्था का विरोध जताएगी भाजपा

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

भाजपा कोरोना प्रबंधन की खामियों को लेकर लगातार मुखर है। केंद्र सरकार से मिले वेंटिलेटर के मुद्दे पर वह राज्यपाल से मिलकर जांच की मांग भी कर चुकी है। सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिये 24 अप्रैल को सभी कार्यकर्ता अपने घरों के बाहर धरने पर बैठेंगे। भाजपा कोरोना प्रबंधन की खामियों को लेकर लगातार मुखर है। केंद्र सरकार ने से मिले वेंटिलेटर के मुद्दे पर वह राज्यपाल से मिलकर जांच की मांग भी कर चुकी है। कोरोना का संक्रमण तीव्र होते जाने से मचे कोहराम के बीच भाजपा ने राजनीतिक मोर्चा संभाल लिया है। भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी और नितिन नवीन के साथ बैठक में तय हुआ है कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सहयोग के लिए भाजपा विधायक अपना एक महीने का वेतन देंगे। वहीं भाजपा कार्यकर्ता 24 अप्रैल को अपने घर के बाहर बैठकर सरकारी अव्यवस्था का विरोध जताएंगे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने बताया, बैठक में कोरोना महामारी की स्थिति को लेकर चिंता जताई गई। तय हुआ कि इस विपरीत परिस्थिति में प्रदेश की जनता के साथ खड़ी रहेगी। विधायक अपने एक महीने का वेतन सरकार के जिला कोष में जमा करेंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र में 25 लाख रुपये अपनी विधायक निधि से देंगे। कौशिक ने कहा, इस बैठक में कोरोना से निपटने में कांग्रेस सरकार की नाकामियों को भी जनता के बीच ले जाने का फैसला हुआ है। उसके लिये चरणबद्ध कार्यक्रम तय हुआ है। पार्टी के नेता 18 अप्रैल को जिलों में प्रेस से बात करेंगे।

वरिष्ठों को सक्रिय रहने को कहा

बताया जा रहा है कि भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी ने कोरोना काल में कुछ नेताओं के बिल्कुल शांत बैठ जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा है, छत्तीसगढ़ की हालत अभी चिंताजनक है। इस समय भाजपा के नेताओं को अधिक से अधिक काम करना होगा। उन्होंने कहा, सभी नेता अपने क्षेत्र में सक्रिय रहे और लोगों की मदद करते दिखने चाहिये।

एयर इंडिया के रिटायर्ड इंजीनियर से हुई थी 7 लाख की ऑनलाइन ठगी

सायबर सेल को मिली बड़ी कामयाबी, 7 लाख रुपए ऑन लाइन ठगी में से 6 लाख को कराया वापस

पायनियर संवाददाता < जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

ऑनलाइन फ्राड में देश में कुख्यात झारखंड का जामतड़ा के ठगों ने जशपुर जिले के एक एयर इंडिया से रिटायर्ड इंजीनियर को ठगी का शिकार बनाया और उनके खाते से 7 लाख रुपए की ठगी कर ली। इस घटना को सुलझाने में जशपुर जिले की सायबर सेल को बड़ी कामयाबी मिली है।

सेल की टीम ने काफी मेहनत और मशक्कत कर पीड़ित के खाते से गायब हुए 7 लाख रुपए में से 6 लाख रुपए को उनके खाते में वापस कराने में सफलता हासिल की है।

यह है मामला - पीड़ित फ्लोरेन्सियुस एक्का निवासी ग्राम-तलोरा थाना-आस्ता जिला-जशपुर (छत्तीसगढ़) मुम्बई में एयर इंडिया में इंजीनियर के पद पर पदस्थ थे जो दो वर्ष पहले रिटायर होकर माह-फरवरी/2021 में अपने गृहग्राम वापस आ गए थे। बीते 13 मार्च उनके मोबाइल नंबर 9869200362 पर एक अज्ञात मोाबाइल नंबर 9883774629 से फोन आया और उसने कहा, आपका गुगल पे एप्लीकेशन बंद हो गया है क्या आप इसे चालू रखना चाहते हैं यदि हां तो आप अपने मोबाइल पर 10/-रूपए का रिचार्ज कर लें तभी उन्होंने 10/-रूपए का रिचार्ज किया और और उनके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आया जिसे अज्ञात आरोपी ने पीड़ित को अपने मोबाइल में डालने को बोला इसके बाद अज्ञात आरोपी ने प्रार्थी के एचडीएफसी बैंक के खाते से नेट बैंकिंग के माध्यम से लगातार 07 ट्रांजेक्शन करते हुए 07 लाख रूपये का ठगी कर लिया था, प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना-आस्ता में धारा 420 भादवि. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अपराध कायमी के तत्काल पश्चात् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला-जशपुर बालाजी राव (भा.पु.से.) के दिशा-निर्देशन पर तत्कालीन थाना प्रभारी आस्ता निरीक्षक ओमप्रकाश ध्रुव द्वारा जिले के सायबर पुलिस टीम से संपर्क कर प्रार्थी के एचडीएफसी बैंक के खाते का विवरण सायबर टीम को दिया गया।

खाता लॉक कर बचाया 6 लाख

प्रार्थी के खाते का विवरण प्राप्त होने के तत्काल पश्चात् सायबर टीम के सहायक उप निरीक्षक नसरूद्दीन अंसारी एवं आरक्षक मांक 699 अनिल सिंह, आरक्षक क्रमांक 634 सुनसाय भगत के द्वारा प्रार्थी के बैंक खाता का विवरण के आधार पर तत्काल संबंधित पेमेंट गेटवे कंपनियों को ई-मेल करके ठगी किए गए 07 लाख रूपए में से 06 लाख रूपए होल्ड कराया गया एवं जो 01 लाख रूपये से अज्ञात आरोपी द्वारा ऑनलाईन खरीदी की गई थी उस ऑनलाईन कंपनी से भी ई-मेल के माध्यम से संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा रही है। जशपुर साइबर टीम द्वारा अत्यंत सूझबूझ, अथक परिश्रम एवं त्वरित कार्यवाही के फलस्वरूप प्रार्थी फ्लोरेन्सियुस एक्का के एचडीएफसी बैंक खाते से ऑनलाईन ठगी किये गए 07 लाख रूपए में से होल्ड कराया हुआ 06 लाख रूपए 16 अप्रेल को प्रार्थी के एचडीएफसी बैंक खाते में वापस आ गया, जिससे प्रार्थी को काफी राहत मिली है। प्रार्थी ने जशपुर पुलिस एवं सायबर टीम की त्वरित कार्यवाही के चलते धन्यवाद दिया है।

इनकी रही प्रमुख भूमिका

प्रार्थी के खाते में 06 लाख रूपए वापस कराने में निरीक्षक ओमप्रकाश ध्रुव, सहायक उप निरीक्षक सायबर प्रभारी नसरूद्दीन अंसारी, आरक्षक क्रमांक 699 अनिल सिंह, आरक्षक क्रमांक 634 सुनसाय भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

जामताड़ा का है शातिर ठग

अज्ञात आरोपी के मोबाइल नंबर का लोकेशन निकाला गया है जो जामताड़ा (झारखण्ड) का होना पाया गया है जिसकी और भी जानकारी एकत्र कर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

-बालाजी राव, एसएसपी जशपुर

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403